

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 81 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 20 नवम्बर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

जीटीए-6 का दुनियाभर में जबरदस्त क्रेज, गेम के लिए कंपनी ने घोषित की छुट्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दुनिया के लोकप्रिय वीडियो गेम में शामिल ग्रैंड थेफ्ट ऑटो (जीटीए) का नया संस्करण जीटीए-6 लॉन्च होने के साथ ही दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया है। करीब 13 साल के लंबे इंतजार के बाद आए इस नए संस्करण को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। गेम के प्रति दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की एक निजी कंपनी ने इसके लॉन्च के दिन 19 नवंबर को अपने सभी कर्मचारियों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, अमेरिका में सैनिकों को चार दिन का विशेष गेमिंग अवकाश दिए जाने की बात भी सामने आई है। भारतीय इंटीरियर डिजाइन कंपनी इंडे बाय चेयर्सकार्ट ने अपने कर्मचारियों को बिना काम की चिंता किए नया गेम खेलने और उसका आनंद लेने का मौका दिया है। कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशोर शनमुगम ने इंस्टाग्राम पर इस फैसले की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि कंपनी के कई कर्मचारी वाइस सिटी, जीटीए-5 और उसके चीट कोड के साथ बड़े हुए हैं। वे पिछले 13 वर्षों से इस नए गेम का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में कंपनी 19 नवंबर को सामान्य कार्यदिवस की तरह नहीं लेना चाहती और सभी कर्मचारियों को छुट्टी देकर गेम का आनंद लेने का अवसर दे रही है।



कश्मीर में स्थानीय युवाओं की भर्ती से बने आतंकियों का सफायाः अमित शाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि कश्मीर अब स्थानीय स्तर पर भर्ती किए गए आतंकियों से मुक्त हो गया है। देश में आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आतंकवाद, संगठित अपराध और नशे से जुड़ी समस्याओं को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश भाग चुके अपराधियों को भी भारत वापस लाना जरूरी है। वर्ष 2019 से अब तक 36 देशों से 303 भगोड़ों को देश वापस लाया जा चुका है। शाह नई दिल्ली में आयोजित आतंकवाद विरोधी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पूरे वित्तीय तंत्र को तोड़ना बेहद जरूरी है। इसके लिए वित्तीय जांच से जुड़ी एजेंसियों और सुरक्षा संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना होगा। उन्होंने बताया कि आतंकवाद से निपटने के लिए देश के प्रत्येक पुलिस थाने तक एक समान रणनीति लागू की जा रही है। कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक इस व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि 11 राज्यों की पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक ही रात में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेटवर्क को बड़ा झटका दिया था।



राजस्थान सीईटी सीनियर सेकेंडरी परीक्षा 1 दिसंबर से, 26 नवंबर से मिलेंगे प्रवेश पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) सीनियर सेकेंडरी स्तर-2026 का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा 1 से 3 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। तीन दिनों तक प्रतिदिन दो पारियों में अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलेगी। बोर्ड के अनुसार, अभ्यर्थी 21 नवंबर से अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से परीक्षा केंद्र के लिए आवंटित जिले की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, अस्थायी ई-प्रवेश पत्र 26 नवंबर से डाउनलोड किए जा सकेंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले अपनी केंद्र संबंधी जानकारी और प्रवेश पत्र अवश्य देख लेने की सलाह दी गई है। परीक्षा में सुरक्षा और नकल रोकने के लिए सख्त व्यवस्था रहेगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से दो घंटे पहले पहुंचना होगा। जांच और अंगुलियों के निशान सहित पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रवेश मिलेगा। परीक्षा शुरू होने से ठीक एक घंटे पहले केंद्र के प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद किसी भी परिस्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों के लिए घड़ी, मोबाइल और जींस पहनकर आने पर पाबंदी रहेगी। नकल करते पकड़े जाने पर 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान भी बताया गया है। पहचान के लिए जन्मतिथि दर्ज मूल फोटोयुक्त आधार कार्ड अनिवार्य होगा। विशेष परिस्थितियों में ही पैन कार्ड, पासपोर्ट, वाहन चलाने का अनुज्ञापत्र या मतदाता पहचान पत्र से पहचान का मिलान किया जाएगा। अभ्यर्थियों को उपस्थिति पत्रक पर लगाने के लिए एक महीने से अधिक पुराना नहीं हुआ 2.5म2.5 सेंटीमीटर आकार का रंगीन फोटो और नीली स्याही वाला पारदर्शी बॉल पेन भी साथ लाना होगा। फोटो में किसी तरह की छेड़छाड़ या रूप बदलने की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए।

करजन के कल्ला गांव में चारागाह की ज़मीन पर मिनरल माफिया का कब्ज़ा

पीली मिट्टी की गैर-कानूनी खुदाई के खिलाफ ग्राम पंचायत मैदान में मामलतदार को लिखित शिकायत!

गांव वाले बहुत गुस्से में हैं क्योंकि आवारा जानवरों के चारे की ज़मीन खोदकर गड्ढे खोदे जा रहे हैं;

प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे मिनरल चोरी के काले धंधे पर कानून का बुलडोज़र कब चलेगा?



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन। वडोदरा जिले के करजन तालुका के कल्ला गांव में मिनरल माफियाओं के बेलगाम होने का एक बहुत ही चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है। गांव के आवारा जानवरों के चारे के लिए रखी गई कीमती चारागाह की ज़मीन पर लैंड माफियाओं और मिनरल चोरों द्वारा पीली मिट्टी की गैर-कानूनी खुदाई की जा रही है। प्रशासन से बिना किसी परमिशन या रॉयल्टी के दिन-रात चल रही इस खुदाई से चारागाह की ज़मीन का वजूद ही खतरे में पड़ गया है। अब कल्ला ग्राम पंचायत ने इस गंभीर मामले को नज़रअंदाज़ कर दिया है और कर्जन ममलतदार को लिखकर ऑफिशियल शिकायत देकर मिनरल चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

माफिया का मासूम जानवरों के हक पर हमला

गांवों में चरागाह को जानवरों और गांव की इकॉनमी की लाइफलाइन माना जाता है। लेकिन, कर्जन के कल्ला गांव में मिनरल माफिया ने कानून और नियमों को ताक पर रखकर चरागाह को ही निशाना बना लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले काफी समय से इस इलाके में चरागाह से भारी मशीनरी और डंपरों की मदद से बड़े पैमाने पर पीली मिट्टी निकाली जा रही है। माफिया की इस लूट की वजह से पूरे गौचर इलाके में बड़े और जानलेवा गड्ढे हो गए हैं, जिससे मानसून में मवेशियों और गांववालों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

ग्राम पंचायत ने हथियार उठाए: ममलतदार को लिखित शिकायत

गौचर ज़मीन की इस खुली लूट और सरकारी खजाने को हो रहे नुकसान के खिलाफ कल्ला गांव के सरपंच, पंचायत सदस्यों और जागरूक गांववालों में बहुत गुस्सा है। गांव की सरकारी संपत्ति और मवेशियों के चारे की ज़मीन को बचाने के लिए ग्राम पंचायत ने करजन ममलतदार को लिखित अर्जी देकर पूरे घोटाले का पर्दाफाश किया है। पंचायत ने कहा है कि गौचर ज़मीन पर चल रही इस गैर-कानूनी खुदाई को तुरंत रोका जाए, मौके पर पंचनामा किया जाए, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया जाए और भारी जुर्माना लगाया जाए।

प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल

बड़ा सवाल यह है कि करजन तालुका में चरागाह की ज़मीन से पीली मिट्टी की इस गैर-कानूनी माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन से लोकल माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और प्रशासन अनजान क्यों बना हुआ है? क्या मिनरल माफियाओं को कोई लोकल पॉलिटिकल या एडमिनिस्ट्रेटिव कवर मिल रहा है? अब जब कल्ला ग्राम पंचायत ने खुद लिखकर शिकायत करके प्रशासन को जगाने की कोशिश की है, तो देखना होगा कि क्या मामलतदार और माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की टीम मौके पर जाकर माफिया की मशीनरी जब्त करेगी। अगर प्रशासन इस मामले में ठोस और अच्छी कार्रवाई नहीं करता है, तो गांव वालों ने आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की भी धमकी दी है।

मोदी ने उद्योगपतियों को लगाई फटकार, बोले- आपकी भूख इतनी कि कितना भी खिलाओ, पेट नहीं भरता

कॉर्पोरेट कर में कटौती के बावजूद कर्मचारियों की तनख्वाह और संख्या नहीं बढ़ाने पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

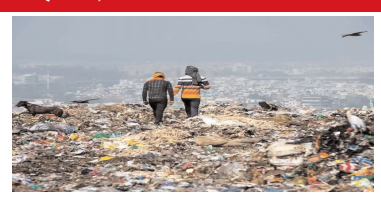


नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश के बड़े उद्योगपतियों को कड़े शब्दों में नसीहत देते हुए कहा कि उद्योग जगत की भूख इतनी है कि कितना भी खिलाओ, पेट नहीं भरता। सरकार ने कंपनियों को राहत देने के लिए कॉर्पोरेट कर की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दी और 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई को करमुक्त किया, लेकिन क्या कंपनियों ने इसके बदले अपने कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाई और कर्मचारियों की संख्या में इजाफा किया? प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों से सवाल किया कि क्या सरकार केवल सुविधाएं देती रहे और कंपनियां उनका लाभ उठाकर भी कर्मचारियों के हित में कदम नहीं उठाएंगी? प्रधानमंत्री ने कहा कि कंपनियों का रवैया ऐसा हो गया है कि 'मोदी जी, आप करिए, हम तो सिर्फ देखते रहेंगे। क्या ऐसे ही काम चलता रहेगा?' उन्होंने उद्योग जगत को याद दिलाया कि सरकार की ओर से करों में राहत और कारोबार के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के प्रयासों का लाभ देश के कर्मचारियों और युवाओं तक भी पहुंचना चाहिए। कंपनियों के बढ़ते मुनाफे और रोजगार के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने सवाल उठाया कि जब कंपनियों की कमाई में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, तो कर्मचारियों की संख्या और वेतन में उसी अनुपात में वृद्धि क्यों नहीं दिखाई दे रही है। भारतीय स्टेट बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023-24 में कंपनियों का मुनाफा 22.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कर्मचारियों की संख्या में केवल 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं, मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020-21 से 2025-26 के बीच निफ्टी-500 कंपनियों की कमाई हर साल औसतन 28.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। दूसरी ओर, आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, महंगाई को शामिल करके गणना करने पर वर्ष 2017-18 से 2023-24 के बीच पुरुषों की कमाई में 6.4 प्रतिशत और महिलाओं की कमाई में 12.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सुप्रीम कोर्ट की दोटूक टिप्पणी: भारत अमीर देश, लेकिन स्वच्छता के मामले में प्रदर्शन बेहद खराब

ठोस कचरा प्रबंधन के नियम लागू नहीं होने पर जताई चिंता, स्थानीय निकायों के साथ मिलकर बड़े कचरा उत्पादकों की पहचान करने का निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि भारत एक अमीर देश है, लेकिन स्वच्छता के मामले में हमारा प्रदर्शन खराब है। खराब स्वच्छता व्यवस्था और ठोस कचरे के उचित प्रबंधन का असर केवल समाज और पर्यावरण पर ही नहीं पड़ता, बल्कि इससे देश की छवि भी प्रभावित होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून और नियम बनाए जाने के बावजूद उनका प्रभावी ढंग से पालन नहीं होना चिंता का विषय है। न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ नगर निगमों की ओर से पर्यावरण संबंधी नियमों के पालन को लेकर दायर अपीलों पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अदालत ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 को लागू करने की निगरानी और व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। अदालत ने कहा कि इन नियमों को लागू करने की निगरानी के लिए शुरुआती दो चरण पूरे हो चुके हैं। इनमें कार्य शुरू करना और निगरानी के लिए प्रशासनिक व्यवस्था तैयार करना शामिल है। पीठ ने जिला कलेक्टरों को अपने-अपने क्षेत्रों में बड़े स्तर पर कचरा पैदा करने वाले संस्थानों और इकाइयों की पहचान करने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्हें स्थानीय निकायों के साथ मिलकर काम करना होगा। अदालत के अनुसार, बड़े कचरा उत्पादकों की पहचान और उनकी जिम्मेदारी तय करना ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अदालत ने संविधान में शक्तियों के बंटवारे का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उसकी मूल संरचना का हिस्सा है। संसद ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 बनाया है और कार्यपालिका ने इसके तहत ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 तैयार किए हैं। इसके बावजूद ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 और 2026 का क्रियान्वयन संसद की ओर से निर्धारित लक्ष्यों से पीछे है। कानून और नियमों का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब जमीन पर उनका प्रभाव दिखाई दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के संवैधानिक अधिकार का संरक्षक है। इसी जिम्मेदारी के तहत अदालत ने सुप्रीम कोर्ट निगरानी समिति (एससीएमसी) के माध्यम से स्थानीय निकायों को लगातार निर्देश देने और नियमों के पालन की निगरानी करने की जिम्मेदारी उठाई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह निगरानी व्यवस्था किसी अतिरिक्त या अनावश्यक हस्तक्षेप की तरह नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य संबंधित संस्थाओं को उनकी जिम्मेदारियों का पालन कराने में मदद करना है। उस समय शीर्ष अदालत ने कहा था कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 के निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत और विस्तारित करना जरूरी है।

सोनिया गांधी ने ग्रासा माशेल को दिया इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

बोलीं- देश की असली ताकत उसके लोग, शांति और विकास का लाभ गरीबों व जरूरतमंदों तक पहुंचना जरूरी

ग्रासा माशेल के संघर्ष और मानवाधिकारों के लिए समर्पण को मिला सम्मान, इंदिरा गांधी की जयंती पर सोनिया गांधी ने प्रदान किया प्रतिष्ठित पुरस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि किसी भी देश की असली ताकत उसके लोग होते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का मानना था कि शांति, आजादी और विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा इनका लाभ गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति का अर्थ केवल संघर्ष और लड़ाई का समाप्त होना नहीं है, बल्कि इससे प्रभावित लोगों और समुदायों को दोबारा अपना जीवन संवारने तथा बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का अवसर देना भी है। सोनिया गांधी गुरुवार को दिल्ली में आयोजित वर्ष 2025 के इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने मोजाम्बिक की मानवाधिकार कार्यकर्ता और समाजसेवी ग्रासा माशेल को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। यह समारोह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। सोनिया गांधी ने कहा कि ग्रासा माशेल का जीवन और उनका कार्य इंदिरा गांधी के विचारों को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने मोजाम्बिक की आजादी की लड़ाई से लेकर महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका कार्य साहस, संवेदना और समाज के प्रति समर्पण का उदाहरण है। सोनिया ने कहा कि ग्रासा माशेल के प्रयासों के परिणाम आज भी मानवीय सहायता से जुड़े अभियानों के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी और ग्रासा माशेल दोनों का विश्वास था कि लोग अपने भविष्य को स्वयं तय करने की ताकत रखते हैं। दोनों के जीवन से यह सीख मिलती है कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ अन्याय को चुनौती देने का साहस और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता है। सोनिया गांधी ने कहा कि किसी भी समाज में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए प्रभावित लोगों को सम्मान के साथ जीवन जीने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देना आवश्यक है। सोनिया गांधी ने ग्रासा माशेल के जीवन को साहस, संवेदना और सेवा की मिसाल बताते हुए इंदिरा गांधी स्मारक न्यास की ओर से उन्हें बधाई दी। साथ ही महिलाओं, बच्चों और जरूरतमंद समुदायों के लिए किए गए उनके कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ग्रासा माशेल का जीवन और उनके कार्य दुनिया भर के लोगों को ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करेंगे, जहां हर बच्चा, हर महिला और हर समुदाय सम्मान, समान अवसर और उम्मीद के साथ जीवन जी सके।



अब 6 साल तक पुरानी बीएस-6 निजी गाड़ियों का पीयूसी प्रमाणपत्र 3 साल तक रहेगा वैध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहनों के प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र (पीयूसी) की वैधता अवधि में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत 6 साल तक पुरानी बीएस-6 श्रेणी की निजी गाड़ियों का पीयूसी प्रमाणपत्र अब 3 साल तक वैध रहेगा। वहीं, 6 साल से अधिक और 10 साल तक पुरानी निजी गाड़ियों के लिए हर साल प्रमाणपत्र का नवीनीकरण कराना अनिवार्य होगा। सरकार ने निजी और व्यावसायिक वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की अलग-अलग वैधता अवधि निर्धारित की है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में 13 नवंबर को अधिसूचना जारी की थी। गुरुवार को राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही नए नियम लागू हो गए। ये बदलाव केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के सोलहवें संशोधन, 2026 के तहत किए गए हैं। इसके तहत वाहनों की श्रेणी और उनकी आयु के आधार पर प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र की वैधता तय की गई है। नए नियमों में प्रमाणपत्र के नवीनीकरण की प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान किया गया है। यदि वाहन मालिक मौजूदा पीयूसी प्रमाणपत्र की समाप्ति से 10 दिन पहले के भीतर नवीनीकरण कराता है, तो नया प्रमाणपत्र पुराने प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख से प्रभावी माना जाएगा। इससे प्रमाणपत्र की वैधता में कोई अतिरिक्त अंतराल नहीं आएगा। वहीं, यदि वाहन मालिक प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त होने के बाद नवीनीकरण कराता है, तो नया प्रमाणपत्र नवीनीकरण की तारीख से लागू होगा। नए नियम लागू होने से पहले जारी किए गए प्रमाणपत्रों पर भी बदली हुई वैधता अवधि तुरंत लागू नहीं होगी। ऐसे प्रमाणपत्रों पर नए प्रावधान पहली बार नवीनीकरण कराने के बाद प्रभावी होंगे। बीएस यानी भारत स्टेज उत्सर्जन मानक वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों की अधिकतम सीमा निर्धारित करते हैं। इन मानकों के माध्यम से यह तय किया जाता है कि किसी वाहन से कितना प्रदूषण उत्सर्जित हो सकता है। समय-समय पर नए मानक लागू करके वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के नियमों को अधिक सख्त बनाया गया है। भारत में बीएस-4 मानक के बाद सीधे बीएस-6 मानक लागू किया गया था। बीएस-6 मानक 1 अप्रैल 2020 से प्रभावी हुआ। इसके तहत वाहनों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए पहले की तुलना में अधिक कड़े प्रावधान किए गए।



हिमाचल विधानसभा में जगत नेगी की टिप्पणी पर हंगामा, भाजपा ने मांगा माफी का जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की राफेल विमानों की खरीद और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई टिप्पणी पर जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने मंत्री से सदन में माफी मांगने और विवादित टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मंत्री ने सेना के शौर्य और पराक्रम पर सवाल उठाकर देश की भावनाओं को आहत किया है। जगत सिंह नेगी ने आरोपों को खारिज करते हुए विपक्ष से तथ्यों के आधार पर बात साबित करने को कहा। उन्होंने राफेल विमानों की खरीद कीमत में कथित अंतर का मुद्दा उठाते हुए 700 करोड़ से 2,300 करोड़ रुपये तक कीमत पहुंचने का हवाला दिया। उन्होंने बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर की शहादत का भी उल्लेख किया। हंगामे के दौरान दोनों पक्षों के विधायक नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच पहुंच गए। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सेना के विरुद्ध की गई टिप्पणी और शब्दों को कार्यवाही से हटाने का आश्वासन दिया, लेकिन विपक्ष माफी की मांग पर अड़ा रहा। आखिरकार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले बिलासपुर में दसवीं कक्षा की दो नाबालिग छात्राओं की संदिग्ध मौत का मामला भी सदन में उठा। विपक्ष ने चिट्टा माफिया की संभावित भूमिका की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने और जांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सौंपने की मांग की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि दोनों छात्राएं सुंदरनगर में परीक्षा देने की बात कहकर घर से निकली थीं। उन्होंने पुलिस महानिदेशक को पूरे मामले की गंभीरता से जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जयराम ठाकुर ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि मामले में किसी तरह के दबाव या लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि बरमाणा क्षेत्र की 14 और 15 वर्ष की दोनों सहेलियां शनिवार को घर से निकली थीं। रविवार को घुमारवीं के सीर खड्ड पुल से उनके खड्ड में गिरने की घटना सामने आई। एक छात्रा का शव रविवार शाम और दूसरी का सोमवार सुबह बरामद हुआ। एक छात्रा के परिजनों की शिकायत पर 18 नवंबर को दो युवकों के खिलाफ अपहरण और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

भारज नदी में अवैध रेत खनन का आरोप, 300 ट्रैक्टरों से रेत निकालने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। जिले के जेतपुर पावी तालुका में अवैध रेत खनन की गतिविधियों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, तालुका के सीहोड, ठलकी, वाघवा, लोढण और वदेसिया सहित कई क्षेत्रों से होकर बहने वाली भारज नदी के तल में बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है। आरोप है कि प्रशासन और खनिज विभाग की कथित अनदेखी के चलते नदी से दिन-रात रेत का अवैध उत्खनन जारी है। इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण पर खतरा मंडराने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर सामने आए दावों के मुताबिक, भारज नदी के अलग-अलग हिस्सों से 300 से अधिक ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत निकाली जा रही है। आरोप है कि इन वाहनों के जरिए प्रतिदिन बड़ी मात्रा में रेत का परिवहन किया जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों की आवाजाही के बावजूद स्थानीय पुलिस और खनिज विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। नदी के तल से लगातार और अनियंत्रित तरीके से रेत निकालने के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदल सकता है और आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते इस गतिविधि पर रोक नहीं लगाई गई, तो किसानों और ग्रामीणों को भविष्य में पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले को लेकर प्रशासन के सामने कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है कि भारज नदी में कथित तौर पर इतने बड़े पैमाने पर चल रहे खनन की जानकारी संबंधित विभागों को क्यों नहीं मिल रही है? नदी क्षेत्र में नियमित निगरानी क्यों नहीं की जा रही और अब तक अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई है? स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस से संयुक्त जांच अभियान चलाने की मांग की है।

हिम्मतनगर के पाणपुर में मादक पदार्थों के ठिकाने पर एएनटीएफ की छापेमारी, गांजा-चरस के साथ तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हिम्मतनगर। साबरकांठा जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की गांधीनगर क्षेत्रीय टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हिम्मतनगर के पाणपुर क्षेत्र स्थित संजरनगर में एक मकान पर अचानक छापा मारकर गांजा और चरस बरामद की। इस मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों के साथ कथित रूप से मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले एक अन्य व्यक्ति सहित कुल चार लोगों के खिलाफ हिम्मतनगर ग्रामीण पुलिस थाने में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कुल 21,815 रुपये का प्रतिबंधित सामान जब्त किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एएनटीएफ गांधीनगर क्षेत्रीय टीम को सूचना मिली थी कि हिम्मतनगर के पाणपुर स्थित संजरनगर में रहने वाले मोहम्मदअदन हुसैनशाह दीवान उर्फ एटीएम और शाहनवाज हुसैनशाह दीवान अपने मकान से अवैध रूप से गांजा और चरस बेच रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने निगरानी की और संबंधित मकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से मोहसिन मस्तान फकीर के पास से भी गांजे का संदिग्ध भंडार मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मोहसिन फकीर मूल रूप से हिम्मतनगर में कलेक्टर कार्यालय के पीछे हुसैनी बेकरी के पास स्थित हाजिपुरा क्षेत्र का निवासी है। आरोप है कि वह मेहसाणा जिले के विसनगर में रहने वाले ताजमहमदजान महमददीवान फकीर से गांजा और चरस प्राप्त करता था। इसके बाद वह हिम्मतनगर और आसपास के क्षेत्रों में इन मादक पदार्थों की बिक्री करता था। पुलिस अब इस कथित आपूर्ति श्रृंखला और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 21,815 रुपये मूल्य का प्रतिबंधित सामान जब्त किया। इसमें 67.340 ग्राम गांजा, 13.410 ग्राम चरस और 9.920 ग्राम गांजा का अतिरिक्त भंडार शामिल बताया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों और एक अन्य वांछित आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 8(सी), 20(बी)(द्वद्व)(ए), 21(ए) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। एएनटीएफ गांधीनगर क्षेत्रीय टीम के पुलिस निरीक्षक एन.आर. पटेल के नेतृत्व में मामले की आगे की जांच की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि मादक पदार्थों की आपूर्ति के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने पाणपुर, आरटीओ सर्कल और आसपास के क्षेत्रों में नियमित निगरानी तथा गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के अवैध कारोबार से बचाया जा सके।



घने जंगल और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे ग्राम सुडियाल तक पहुंचेगी बिजली, 44.40 लाख रुपये से हो रहा विद्युत लाइन का विस्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

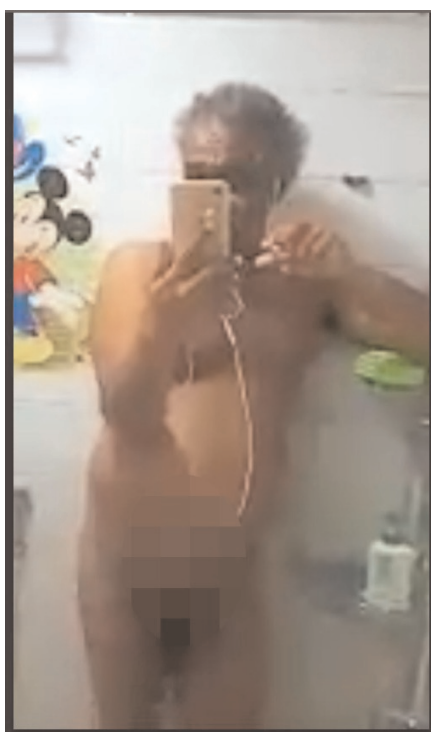
मोहला। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड के सुदूर और दुर्गम वनांचल में स्थित ग्राम सुडियाल तक बिजली पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की ओर से विद्युत अधोसंरचना विस्तार का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मजराटोला योजना के तहत 44 लाख 40 हजार रुपये की लागत से गांव में विद्युतीकरण कराया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत 7.5 किलोमीटर लंबी 11 केवी विद्युत लाइन, 550 मीटर निम्न दाब लाइन तथा 25 केवीए क्षमता का एक वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष 40 प्रतिशत कार्य प्रगतिरत है। ग्राम सुडियाल की दुर्गम भौगोलिक स्थिति और घने जंगलों के बीच पहुंच मार्ग की कठिनाइयों को देखते हुए राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम और अधीक्षण अभियंता शंकेश्वर कंवर ने स्वयं मोटरसाइकिल से मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वनांचल, गांव की बसाहट, प्रस्तावित विद्युत लाइन के मार्ग और कार्यस्थल की परिस्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने विद्युत लाइन विस्तार के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए तकनीकी और मैदानी स्तर पर आ रही चुनौतियों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान मोहला संभाग के कार्यपालन अभियंता अनिल कुमार रामटेके, सहायक अभियंता शिरीष कुमार मिलिंद सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्राम सुडियाल घने जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच स्थित होने के कारण यहां विद्युत लाइन विस्तार का काम सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। दुर्गम मार्गों, वन क्षेत्र और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के चलते निर्माण सामग्री पहुंचाने, विद्युत लाइन के लिए रास्ता तैयार करने और निर्माण कार्य को गति देने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी तकनीकी दक्षता तथा समर्पण के साथ विद्युतीकरण कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम ने कहा कि सुदूर और दुर्गम वनांचल में रहने वाले ग्रामीण परिवारों तक बिजली जैसी बुनियादी सुविधा पहुंचाना पावर कंपनी की प्राथमिकता है।



जैन समाज में सागरचंद्रसागर विवाद से उबाल

एक व्यक्ति के कथित आचरण से पूरी साधु परंपरा की छवि प्रभावित, दोष साबित होने पर बिना संरक्षण कठोर कार्रवाई की मांग।

सागरचंद्रसागर मामले में जवाबदेही तय करने की मांग







महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर/अहमदाबाद। जैन धर्म की पहचान सदियों से अहिंसा, अपरिग्रह, परम संयम, त्याग और कठोर तपस्या जैसी पवित्र व उच्च आध्यात्मिक परंपराओं से रही है। लेकिन, वर्तमान समय में जैन मुनि सागरचंद्रसागर से जुड़े एक अत्यंत शर्मनाक, संवेदनशील और विवादास्पद प्रकरण ने पूरे गुजरात सहित देशभर के जैन समाज में भूचाल ला दिया है। उनके कथित अनैतिक आचरण, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुई विवादास्पद सामग्री तथा उनसे जुड़े गंभीर आक्षेपों ने लाखों श्रद्धालुओं की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। जिस महान साधु परंपरा की नींव ही आत्मसंयम और पूर्ण पवित्रता पर टिकी हुई है, उस परंपरा की गरिमा को धूमिल करने के इस कथित प्रयास के खिलाफ अब समाज के जागरूक वर्ग, युवा और वरिष्ठ श्रावक-श्राविकाएं तीखे और चुभते हुए सवाल खड़े कर रहे हैं।

कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग और वायरल सामग्री से खड़ा हुआ बड़ा बवाल

प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, सागरचंद्रसागर से संबंधित कुछ कथित बातचीत, सनसनीखेज ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य संदिग्ध डिजिटल सामग्रियां सार्वजनिक होने के बाद से ही जैन संघों और धार्मिक गलियारों में भारी तनाव का माहौल बना हुआ है। हालांकि, इन तमाम सामग्रियों की तकनीकी प्रमाणिकता और पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच होना अभी बाकी है, लेकिन प्राथमिक स्तर पर जिस तरह की गंभीर और चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, उसने धार्मिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं। समाज के प्रबुद्ध वर्गों का स्पष्ट मानना है कि बिना पुख्ता प्रमाण के किसी पर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर दोष ??ना न्यायसंगत नहीं है, परंतु जब इतने गंभीर और संगीन आरोप सामने आ चुके हैं, तब उनकी उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच होना भी उतना ही अनिवार्य है। यदि जांच में इन आरोपों में ?त्ती भर भी सच्चाई साबित होती है, तो साधु पद और पवित्र श्वेत वस्त्रों की आड़ में आस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

सामाजिक बहिष्कार और उपाश्रयों में प्रवेश पर रोक की उठी बुलंद मांग

यह विवाद जैसे-जैसे तूल पकड़ रहा है, वैसे-वैसे जैन समाज के विभिन्न फिरकों और क्षेत्रों में आक्रामक विरोध के स्वर तेज होते जा रहे हैं। जागरूक युवाओं और समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा इस विवादास्पद व्यक्ति के पूर्ण सामाजिक बहिष्कार करने और तमाम प्रकार की धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों से सदैव के लिए दूर रखने की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानकों, उपाश्रयों और जैन संघों में प्रवेश देने से लेकर गोचरी (भिक्षा) देने जैसे अत्यंत संवेदनशील और धार्मिक मर्यादा से जुड़े विषयों पर अब खुलेआम और तीखी बहस शुरू हो चुकी है। श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा दर्द और आक्रोश इस बात को लेकर है कि इतना बड़ा विवाद खड़ा होने के बावजूद संबंधित धार्मिक संस्थाएं, बड़े ट्रस्टी और संघ के पदाधिकारी अभी तक रहस्यमयी चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? समाज को आशंका है कि कहीं इस मामले को भी रफा-दफा करने या पर्दा डालने की कोशिश तो नहीं हो रही है?

सच्चे साधु-साध्वियों की प्रतिष्ठा और परंपरा की अग्निपरीक्षा

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पीड़ादायक और चिंताजनक पहलू यह है कि जो हजारों साधु-साध्वी भगवंत आज भी कठोर नियमों का पालन करते हुए, नंगे पांव विहार कर, संयम और त्याग के कठिन मार्ग पर चलकर समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उनकी निर्मल प्रतिष्ठा पर भी इस एक प्रकरण की वजह से आंच आ रही है। किसी एक व्यक्ति के संदिग्ध आचरण के कारण पूरी गौरवशाली और पवित्र साधु परंपरा को संदेह के कटघरे में खड़ा करना कतई उचित नहीं है। परंतु इस महान परंपरा की अस्मिता, शुचिता और सम्मान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी हो गया है कि ऐसे विवादास्पद तत्वों की पहचान कर उन्हें समय रहते व्यवस्था से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

सुलगते सवाल: जवाबदेही किसकी और ठोस कार्रवाई कब?

'महानगर मेट्रो' के माध्यम से समाज आज सीधे तौर पर यह सवाल पूछ रहा है कि इस कथित डिजिटल सामग्री की सत्यता की जांच आखिरकार कौन करेगा? क्या इसके लिए कोई स्वतंत्र न्यायिक या विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी? जैन संघों के प्रमुख और ट्रस्टी अब आंखें मूंदकर बैठने के बजाय कब खुलकर मैदान में उतरेंगे? और यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं, तो इतने समय तक मौन रहने और संरक्षण देने की जिम्मेदारी किसकी तय की जाएगी? आस्था और समर्पण के इस पवित्र क्षेत्र में अब जनता केवल खोखले आश्वासन या लीपापोती नहीं, बल्कि आर-पार की कड़ी कार्रवाई और दूध का दूध व पानी का पानी करने वाला स्पष्ट न्याय चाहती है।

महानगर मेट्रो की विशेष टिप्पणी:

धार्मिक आस्था किसी भी सभ्य और संस्कारित समाज की प्राणवायु होती है। इसकी रक्षा के लिए न तो किसी निर्दोष को बिना प्रमाण दोषी ठहराया जाना चाहिए और न ही गंभीर अपराधों व अनैतिकता पर धर्म की आड़ में पर्दा डाला जाना चाहिए। यदि समय रहते पारदर्शी जांच, निष्पक्ष कार्रवाई और स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियों का धार्मिक संस्थाओं से विश्वास बुरी तरह डगमगा जाएगा। जैन समाज के लिए यह समय केवल विवाद को दबाने या शांत करने का नहीं, बल्कि अपनी सदियों पुरानी पवित्र विरासत को कलंकित होने से बचाने की एक ऐतिहासिक अग्निपरीक्षा का समय है।

बनासकांठा में एसएमसी टीम पर हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई, एलसीबी पीआई राठौड़ सहित तीन पुलिसकर्मी निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बनासकांठा। गुजरात के सीमावर्ती जिले बनासकांठा में दांतीवाड़ा तालुका के डेरी गांव के पास राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) की टीम पर शराब तस्करों द्वारा किए गए कथित जानलेवा हमले के मामले में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल हुआ है। उच्चस्तरीय जांच के बाद बनासकांठा स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के पुलिस निरीक्षक राठौड़ सहित तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित कर्मचारियों में कांस्टेबल सुरेश चौधरी और कांस्टेबल मनजी भी शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसएमसी की टीम को सूचना मिली थी कि राजस्थान सीमा के पास स्थित मेथीपुरा ठेके से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लग्जरी गाड़ियों में भरकर गुजरात लाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर एसएमसी के पी.बी. जेबलिया और उनकी टीम ने निगरानी शुरू की। इसके बाद शराब से भरी गाड़ियों का पीछा किया गया। बताया जा रहा है कि पीछा करते हुए जब एसएमसी की टीम दांतीवाड़ा तालुका के डेरी गांव के पास पहुंची, तो कथित तौर पर शराब तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर गाड़ियां चढ़ाने का प्रयास किया। इस हमले में एसएमसी का एक जवान घायल हो गया। घटना के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया और स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चस्तर पर जांच शुरू की गई। स्थानीय पुलिस की कथित निष्क्रियता और तस्करों के साथ संभावित मिलीभगत की आशंका के बीच एलसीबी के पुलिस निरीक्षक राठौड़ तथा कांस्टेबल सुरेश चौधरी और कांस्टेबल मनजी को ड्यूटी में लापरवाही और संदिग्ध भूमिका के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया। घटना के बाद गुजरात और राजस्थान पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब तस्करी का नेटवर्क किस तरह काम कर रहा था और सीमा पार से शराब गुजरात तक पहुंचाने में किन लोगों की भूमिका थी। साथ ही, स्थानीय स्तर पर तस्करों को किसी प्रकार का संरक्षण मिलने की आशंका की भी पड़ताल की जा रही है। एसएमसी जैसी विशेष पुलिस टीम पर हुए इस हमले ने कानून-व्यवस्था और शराब तस्करी पर रोक लगाने की कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब संयुक्त जांच के नतीजों पर सबकी नजरें टिकी हैं। जांच में तस्करी के पूरे नेटवर्क और संबंधित लोगों की भूमिका स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की जा सकेगी।

गुजरातभर में 'हाईवे अभियान' के तहत होटलों, ढाबों और आइसक्रीम पार्लरों पर छापेमारी, संदिग्धों में मचा हड़कंप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और राजमार्गों पर होने वाली संदिग्ध व गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन ने राज्यभर में विशेष जांच अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर स्थित होटलों, ढाबों, भोजनालयों और आइसक्रीम पार्लरों की अचानक जांच की जा रही है। देर रात एक साथ शुरू हुई इस कार्रवाई से राजमार्गों पर सक्रिय असामाजिक तत्वों और संदिग्ध लोगों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से राजमार्गों के किनारे स्थित होटलों और ढाबों की आड़ में कथित रूप से अवैध गतिविधियां चलने, शराब की तस्करी होने और असामाजिक तत्वों के जमावड़े को लेकर पुलिस को शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए राज्य स्तर से मिले निर्देशों के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान तैयार किया गया। अभियान के दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमों ने राजमार्गों के किनारे स्थित छोटे-बड़े होटलों, ढाबों और देर रात तक खुले रहने वाले आइसक्रीम पार्लरों की जांच की। यहां आने-जाने वाले वाहनों की पड़ताल की गई और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। इसके साथ ही कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के दृश्य भी खंगाले गए। देर रात तक खुले रहने वाले आइसक्रीम पार्लरों और खान-पान की दुकानों पर मौजूद लोगों की जांच की गई। वहीं, राजमार्गों पर स्थित ढाबों में भी पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। ढाबों के रसोईघर से लेकर पीछे बने कमरों तक की जांच की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं किसी स्थान पर अवैध सामान या नशीले पदार्थ तो नहीं छिपाए गए हैं। पुलिस और प्रशासन की इस कार्रवाई से राजमार्गों पर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों में चिंता का माहौल है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई होटल या ढाबा संचालक गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर लाइसेंस रद्द करने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। प्रशासन के अनुसार, आने वाले दिनों में भी गुजरात के विभिन्न राजमार्गों पर अचानक जांच और तलाशी अभियान जारी रहेगा। इसका उद्देश्य यात्रियों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा राजमार्गों पर किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि को रोकना है।

चैतर वसावा के नाम से वायरल पत्रों और वर्षा वसावा के बयानों की सच्चाई, राजनीतिक अफवाहों पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डेडियापाड़ा। गुजरात की राजनीति में आदिवासी नेता और विधायक चैतर वसावा तथा उनके परिवार से जुड़े मुद्दे समय-समय पर चर्चा में रहते हैं। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जेल में रहने के दौरान भी सोशल मीडिया पर कई तरह के पत्र और दावे प्रसारित होते रहे हैं। इन वायरल पत्रों और राजनीतिक दावों को लेकर उनकी पत्नी वर्षा वसावा की ओर से पहले भी सफाई दी जा चुकी है। सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे दावे किए जाते रहे हैं कि चैतर वसावा या उनके परिवार की ओर से किसी राजनीतिक दल में शामिल होने अथवा राजनीतिक समझौता करने के लिए पत्र लिखे गए हैं। हालांकि, वर्षा वसावा ने इन दावों को निराधार और अफवाह बताया था। उनका कहना था कि उनके परिवार और चैतर वसावा को दबाव में लाने के लिए राजनीतिक विरोधियों की ओर से भ्रामक पत्र और जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं, ताकि जनता को गुमराह किया जा सके। चैतर वसावा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जेल में रहने के दौरान वर्षा वसावा ने कई सभाओं और सार्वजनिक मंचों पर उनके समर्थन में आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा था कि आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए उठने वाली आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने सरकार और प्रशासन पर अन्याय का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी थी कि यदि आदिवासी समाज के साथ अन्याय बंद नहीं हुआ, तो आगामी चुनावों में जनता इसका जवाब देगी। सोशल मीडिया पर किसी नेता के नाम से कथित पत्र या बयान प्रसारित होने के मामलों में उनकी प्रमाणिकता को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व की ओर से भी पहले ऐसे पत्रों को लेकर स्पष्टीकरण दिए जाने की बात सामने आई है। दावा किया गया है कि चैतर वसावा या उनके परिवार की ओर से आधिकारिक रूप से जारी नहीं किए गए पत्रों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। इस पूरे मामले में यह जरूरी है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी पत्र या बयान को सही मानने से पहले उसकी आधिकारिक पुष्टि की जाए। चैतर वसावा के नाम से वायरल होने वाले पत्रों और राजनीतिक दावों को लेकर वर्षा वसावा पहले ही उन्हें अफवाह बता चुकी हैं। फिलहाल इस तरह की सामग्री की प्रमाणिकता जांचे बिना उसे सच मानना उचित नहीं होगा।

पीआई के तबादले के लिए 60 लाख रुपये की मांग का आरोप, पुलिस ने जांच के बिना ही बंद कर दी शिकायत की फाइल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़/अहमदाबाद। गुजरात पुलिस विभाग में अधिकारियों के तबादलों और मनपसंद तैनाती को लेकर कथित लेन-देन के गंभीर आरोप सामने आए हैं। जूनागढ़ में तैनात एक पुलिस निरीक्षक (पीआई) का अहमदाबाद तबादला कराने के लिए 60 लाख रुपये का सौदा तय होने का आरोप लगाते हुए पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष लिखित शिकायत की गई थी। हालांकि, इस मामले में गहन जांच करने के बजाय शिकायत की फाइल बंद कर दिए जाने की बात सामने आई है। इससे पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुजरात पुलिस विभाग में महत्वपूर्ण शहरों और थानों में मनपसंद तैनाती पाने को लेकर अधिकारियों के बीच प्रतिस्पर्धा रहती है। इसी संदर्भ में जूनागढ़ में कार्यरत एक पुलिस निरीक्षक का अहमदाबाद तबादला कराने के लिए कथित तौर पर 60 लाख रुपये के लेन-देन का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में उच्च स्तर पर लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत में तबादले के नाम पर कथित भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। मामले में सबसे अधिक चर्चा शिकायत की फाइल बंद किए जाने को लेकर हो रही है। आरोप है कि इतनी बड़ी रकम के कथित लेन-देन की शिकायत मिलने के बावजूद पुलिस प्रशासन ने निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराने के बजाय आवेदन को अभिलेखागार में भेज दिया। इससे यह सवाल उठ रहा है कि शिकायत पर वास्तव में कितनी जांच की गई और फाइल बंद करने का आधार क्या था। पुलिस विभाग की ओर से भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही जाती रही है। ऐसे में अधिकारियों के तबादलों में लाखों रुपये के कथित लेन-देन का आरोप और शिकायत पर आगे कार्रवाई नहीं होने की खबर ने विभाग की पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, 60 लाख रुपये के कथित सौदे की स्वतंत्र पुष्टि और शिकायत बंद किए जाने के पीछे का आधिकारिक कारण सामने आना अभी बाकी है। अब मांग उठ रही है कि इस मामले की फाइल दोबारा खोलकर निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि कथित लेन-देन, बिचौलियों की भूमिका और शिकायत बंद किए जाने के कारणों का पता चल सके।

खेड़ा अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाईः अहमदाबाद से एक्टिवा चुराने वाले दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। गुजरात में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में खेड़ा जिला स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए अहमदाबाद शहर और जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से एक्टिवा वाहन चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़कर वाहन चोरी के चार ऐसे मामलों का खुलासा किया है, जिनका अब तक पता नहीं चल पाया था। इस कार्रवाई में पुलिस ने चोरी किए गए एक्टिवा वाहनों को भी अपने कब्जे में लिया है। जानकारी के अनुसार, खेड़ा स्थानीय अपराध शाखा की टीम क्षेत्र में गश्त और अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रख रही थी। इसी दौरान पुलिस को अपने मुखबिरों के माध्यम से वाहन चोरी की कई घटनाओं में शामिल पुराने अपराधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी निगरानी तथा मुखबिरों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हितेश फूटरमल जैन निवासी ए-2/9, किरण अपार्टमेंट, शनिदेव मंदिर के पास, शाहिबाग, अहमदाबाद तथा अजयभाई उर्फ बुचियो ईश्वरभाई कांगसिया निवासी इंदिरा नगरी, वैशाली रोड, नडियाद-2 के रूप में हुई है।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी लंबे समय से अहमदाबाद शहर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखते थे। इसके बाद मौका देखकर एक्टिवा वाहनों को चोरी कर लेते थे। आरोपियों द्वारा चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए मास्टर चाबी सहित अन्य अवैध तरीकों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। खेड़ा अपराध शाखा की टीम ने आरोपियों से चोरी किए गए वाहनों को बरामद कर अपने कब्जे में लिया है। इसके साथ ही दोनों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि वाहन चोरी की अन्य घटनाओं और उनके संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप अहमदाबाद शहर और खेड़ा जिले में दर्ज वाहन चोरी के कुल चार अनसुलझे मामलों का खुलासा हुआ है।

जिंदा व्यक्ति को मृत समझ जलती भट्ठी में डालने का सनसनीखेज दावा, चीखें सुनकर मची अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



कुबेरगंज। क्षेत्र से मानवता को झकझोर देने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना का दावा सामने आया है। स्थानीय स्तर पर किए जा रहे दावों के अनुसार, एक व्यक्ति को गलती या लापरवाही के चलते मृत समझकर जलती हुई भट्ठी में डाल दिया गया। दावा है कि जिस समय व्यक्ति को भट्ठी में डाला गया, उस समय वह जीवित था और अंदर से उसकी चीखें भी सुनाई दी थीं। हालांकि, इस घटना की अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस दावे ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। स्थानीय स्तर पर चल रही चर्चाओं और प्रसारित हो रहे दावों के मुताबिक, कुबेरगंज में एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला था। आसपास मौजूद लोगों या जिम्मेदार व्यक्तियों ने बिना किसी चिकित्सकीय जांच के उसे मृत मान लिया। इसके बाद कथित तौर पर जल्दबाजी और लापरवाही में उसे जलती हुई भट्ठी में डाल दिया गया। दावे के अनुसार, भट्ठी का दरवाजा बंद किए जाने के कुछ समय बाद अचानक अंदर से मदद की आवाजें और दर्दभरी चीखें सुनाई देने लगीं। यह आवाज सुनते ही बाहर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद भट्ठी का दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन आग और अत्यधिक गर्मी के कारण राहत पहुंचाने में मुश्किल हुई। दावा किया जा रहा है कि जब तक दरवाजा खोला गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और व्यक्ति आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल चुका था।फिलहाल यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की पुष्टि तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी सामने आना बाकी है। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि वास्तव में वहां क्या हुआ और व्यक्ति को मृत मानने का आधार क्या था।

राजकोट एसआरपी शिविर में एएसआई पर दो नाबालिग बच्चियों से छेड़छाड़ का आरोप, पॉक्सो अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात के राजकोट स्थित राज्य आरक्षित पुलिस (एसआरपी) शिविर में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) पर दो नाबालिग बच्चियों के साथ अनुचित व्यवहार और छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी एएसआई के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। घटना सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी एएसआई राजकोट एसआरपी शिविर में तैनात था। आरोप है कि उसने शिविर परिसर या उसके आसपास रहने वाली दो नाबालिग बच्चियों के साथ अनुचित व्यवहार किया और उन्हें गलत तरीके से छुआ। बच्चियों ने इस संबंध में अपने परिजनों को जानकारी दी, जिसके बाद परिवारों ने पुलिस से संपर्क किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रारंभिक जांच और बच्चियों के बयान के आधार पर कार्रवाई की। आरोपी एएसआई के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण देने वाले पॉक्सो अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिसकर्मी पर लगे इन आरोपों के बाद क्षेत्र में नाराजगी का माहौल है। नागरिकों और सामाजिक संगठनों की ओर से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। जांच के दौरान आरोपों से जुड़े सभी पहलुओं और आरोपी की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।



स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने वडनगर जीएमईआरएस अस्पताल का किया निरीक्षण, मेडिकल विद्यार्थियों से किया 'नमो मैत्री संवाद'

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडनगर। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने गुरुवार, 19 नवंबर 2026 को वडनगर स्थित जीएमईआरएस सामान्य अस्पताल का औचक दौरा कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के आपातकालीन वार्ड, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सहित विभिन्न चिकित्सा विभागों का निरीक्षण किया। मंत्री ने अस्पताल में उपचार करा रहे मरीजों से सीधे बातचीत कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, उपचार की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मरीजों को मिल रही सुविधाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों से अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों, मरीजों को दिए जा रहे उपचार और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के अलग-अलग विभागों के प्रमुखों और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में मरीजों को कम से कम समय में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने तथा चिकित्सा व्यवस्थाओं को मजबूत करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उचित उपचार मिलना चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और उपचार व्यवस्था को अधिक सुचारु बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। अस्पताल के निरीक्षण के बाद वडनगर मेडिकल कॉलेज के सभागार में 'नमो मैत्री संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ खुलकर बातचीत की और उनके जीवन, पढ़ाई, भविष्य की चुनौतियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में उनकी भूमिका को लेकर अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश पाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी समाज का प्रिय बेटा या बेटी है।

आणंद जिले में अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3.98 करोड़ रुपये की मशीनरी और वाहन जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आणंद। गुजरात में अवैध खनन और खनिज माफियाओं के खिलाफ आणंद जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये का सामान जब्त किया है। जिला कलेक्टर उत्सव गौतम के सीधे मार्गदर्शन और सुनियोजित योजना के तहत सहायक भूविज्ञानी की टीम ने मही नदी के तट सहित जिले के कई संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक छापेमारी और सघन जांच अभियान चलाया। सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई से रेत और मिट्टी का अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया। प्रशासन की टीम ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और वाहनों को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान मांदवापुर-वसद क्षेत्र में नदी के तल से अवैध रूप से रेत निकालने का मामला सामने आया। यहां से 2 उत्खनन मशीनें, 2 यांत्रिक नावें और रेत छानने के 2 उपकरण जब्त किए गए। गंभीरा-बामणगाम क्षेत्र में मही नदी के पानी से नावों के जरिए अवैध रूप से रेत निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने 3 बड़ी यांत्रिक नावें जब्त कीं। वहीं, कठाणा-रामपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी और रेत का परिवहन करने के मामले में एक जेसीबी मशीन और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया गया। अजरपुरा-सोलापुरा मार्ग पर बिना वैध अनुमति के रेत भरकर ले जा रहे एक संदिग्ध डंपर को भी पकड़ा गया। इसके अलावा सारसा क्षेत्र में प्रशासन को बड़ी सफलता मिली, जहां से 2 आधुनिक जेसीबी मशीनें और 4 भारी ट्रक-डंपर जब्त किए गए। इस पूरे अभियान के दौरान उत्खनन मशीनों, जेसीबी, रेत निकालने वाली नावों, डंपरों, ट्रकों और ट्रैक्टरों सहित लगभग 3.98 करोड़ रुपये की कीमत का सामान जब्त किया गया है। प्रशासन ने मशीनरी और वाहनों को कब्जे में लेने के साथ ही अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ गुजरात खनिज नियमों के तहत भारी जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर उत्सव गौतम ने अवैध खनन के मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

मेट्रो के पार्किंग स्थल पर निजी लोगों का कब्जा, प्रशासन और पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल रिलीफ रोड और घी कांटा क्षेत्र में यातायात तथा वाहन खड़े करने की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। इसी बीच महानगर न्यायालय के पीछे मेट्रो रेल यात्रियों की सुविधा के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। आरोप है कि सार्वजनिक सुविधा के लिए आरक्षित इस जमीन पर निजी लोगों ने अनधिकृत रूप से कब्जा जमा लिया है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन, मेट्रो अधिकारियों और यातायात पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी सुविधा की जमीन का इस तरह इस्तेमाल होने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, मेट्रो रेल परियोजना पर करोड़ों रुपये खर्च करने का प्रमुख उद्देश्य शहरवासियों को सुविधाजनक और सुगम यातायात उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से घी कांटा स्थित महानगर न्यायालय के पीछे मेट्रो यात्रियों के वाहनों के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया था। लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्तमान में इस पार्किंग स्थल पर निजी वाहनों का अनधिकृत जमावड़ा लगा रहता है। इसके कारण मेट्रो से यात्रा करने वाले वास्तविक यात्रियों को अपने वाहन खड़े करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। पार्किंग स्थल पर जगह नहीं मिलने के कारण कई यात्रियों को मजबूरी में अपने दोपहिया और अन्य वाहन मुख्य सड़क पर खड़े करने पड़ते हैं। इसके बाद यातायात पुलिस सड़क पर खड़े वाहनों को उठाकर ले जाती है या वाहन मालिकों को भारी जुर्माने वाले ई-चालान भेजे जाते हैं। इस तरह एक ओर यात्रियों को निर्धारित पार्किंग सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़क पर वाहन खड़े करने के कारण उन्हें आर्थिक दंड भी भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि जब मेट्रो यात्रियों के लिए पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, तो फिर उन्हें इसका लाभ क्यों नहीं मिल रहा है? इस पूरे मामले में सबसे गंभीर चिंता रात के समय पार्किंग स्थल के कथित दुरुपयोग को लेकर जताई जा रही है। स्थानीय निवासियों और क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार, दिन के समय निजी वाहनों के जमावड़े के रूप में इस्तेमाल होने वाली यह जगह रात होते ही असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का केंद्र बन जाती है। आरोप है कि अंधेरे का फायदा उठाकर यहां नशाखोरी सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियां संचालित होती हैं। हालांकि, इन गतिविधियों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन स्थानीय लोगों की शिकायतों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिलीफ रोड और घी कांटा जैसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियों की शिकायतें सामने आना चिंता का विषय है। आसपास के व्यापारियों और निवासियों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल पर यदि अनधिकृत कब्जा और रात के समय संदिग्ध गतिविधियां हो रही हैं, तो संबंधित विभागों को इसकी नियमित निगरानी करनी चाहिए। लोगों का आरोप है कि बार-बार परेशानी सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस की भूमिका को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की है। ऐसे में सवाल यह है कि पार्किंग स्थल पर कथित अनधिकृत कब्जे और रात के समय होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों तक क्यों नहीं पहुंच रही है? क्या संबंधित विभागों की ओर से नियमित निरीक्षण किया जा रहा है? यदि शिकायतें लगातार मिल रही हैं, तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब स्थानीय नागरिक और व्यापारी प्रशासन से मांग रहे हैं।अब निगाहें मेट्रो प्रशासन, अहमदाबाद नगर निगम और उच्च पुलिस अधिकारियों पर टिकी हैं। लोगों की मांग है कि पार्किंग स्थल का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, वहां मौजूद अनधिकृत वाहनों और कब्जों की जांच की जाए तथा रात के समय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। साथ ही पार्किंग स्थल को वास्तविक मेट्रो यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें सड़क पर वाहन खड़े करने और यातायात पुलिस की कार्रवाई का सामना न करना पड़े। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि सार्वजनिक सुविधा के लिए निर्धारित इस जमीन को कथित अनधिकृत कब्जे से कब मुक्त कराया जाएगा और जिम्मेदार विभाग आम नागरिकों की परेशानी दूर करने के लिए कब ठोस कदम उठाएंगे।

19 महीने से भर्ती का इंतजार कर रहे खेल सहायकों का फूटा गुस्सा, गांधीनगर में शुरू किया आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में खेल और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने के सरकारी दावों के बीच खेल सहायकों की लंबित भर्ती का मामला एक बार फिर गरमा गया है। पिछले 19 महीनों से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन मिलने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से राज्यभर के खेल सहायकों में नाराजगी बढ़ गई है। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार और संबंधित विभागों के सामने गुहार लगा रहे खेल सहायकों का धैर्य अब जवाब दे गया है। आखिरकार उन्होंने गांधीनगर में एकत्र होकर आंदोलन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन के कारण राज्य के 1700 से अधिक विद्यालयों में खेलकूद और शारीरिक शिक्षा की गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

19 महीने से भर्ती के आश्वासन का इंतजार

जानकारी के अनुसार, लगभग 19 महीने पहले सरकार की ओर से खेल सहायकों को भर्ती प्रक्रिया के संबंध में ठोस आश्वासन दिया गया था। खेल सहायकों को उम्मीद थी कि सरकार जल्द ही उनकी मांगों पर निर्णय लेकर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। लेकिन डेढ़ साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। खेल सहायकों का आरोप है कि उन्होंने इस दौरान कई बार अधिकारियों और संबंधित विभागों के सामने अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन सौंपे गए और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग भी की गई, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई प्रभावी निर्णय नहीं लिया गया। लगातार आश्वासन मिलने और भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से नाराज खेल सहायकों ने अब गांधीनगर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। आंदोलन कर रहे खेल सहायकों का कहना है कि सरकार ने भर्ती को लेकर भरोसा दिलाया था, लेकिन लंबे समय से उस आश्वासन को पूरा नहीं किया जा रहा है। इससे हजारों युवाओं के भविष्य पर अनिश्चितता बनी हुई है।

पुलिस की एक रात में दो बड़ी कार्रवाई, 2 किलो से अधिक गांजा और 53.51 लाख रुपये नकद जब्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में अवैध गतिविधियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में अहमदाबाद शहर के जोन-7 पुलिस ने एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी सफलता हासिल की है। इन कार्रवाइयों के दौरान पुलिस ने 2 किलोग्राम से अधिक गांजा और 53 लाख 51 हजार रुपये की नकदी सहित कुल 54 लाख 59 हजार रुपये का सामान जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और संदिग्ध आर्थिक गतिविधियों से जुड़े लोगों में हलचल मच गई है। जानकारी के अनुसार, जोन-7 पुलिस के अधिकारियों ने मुखबिरों से मिली सूचनाओं और तकनीकी निगरानी के आधार पर शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर अचानक छापेमारी की। पुलिस ने एक स्थान पर नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े मामले में कार्रवाई की, जबकि दूसरी जगह बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पहली कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2 किलोग्राम से अधिक वजन का गांजा जब्त किया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थों की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है या नहीं। पुलिस अधिकारियों को आशंका है कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान नशीले पदार्थों की आपूर्ति से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। दूसरी ओर, पुलिस ने एक अन्य स्थान पर छापेमारी के दौरान 53 लाख 51 हजार रुपये की भारी नकदी बरामद की। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस ने इसके स्रोत और इस्तेमाल को लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्तर पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह नकदी किस उद्देश्य से रखी गई थी और इसका संबंध किसी वैध कारोबारी लेन-देन से है या किसी संदिग्ध आर्थिक गतिविधि से। पुलिस हवाला कारोबार और अन्य अवैध वित्तीय लेन-देन की आशंका सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आवश्यकता के अनुसार आयकर विभाग और संबंधित जांच एजेंसियों की सहायता भी ली जा रही है। जोन-7 पुलिस की इन दोनों कार्रवाइयों में गांजा, नकदी और अन्य सामान सहित कुल 54 लाख 59 हजार रुपये का माल जब्त किया गया है। एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई इस कार्रवाई को शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस अब बरामद गांजे के स्रोत, उसकी आपूर्ति करने वाले लोगों और संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है। वहीं, जब्त नकदी के संबंध में भी संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन मामलों के पीछे कोई संगठित नेटवर्क काम कर रहा है या नहीं।जोन-7 पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अहमदाबाद में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। आने वाले दिनों में भी संदिग्ध ठिकानों पर जांच और छापेमारी की जाएगी।

निकोल में एटीएम तोड़ने का प्रयास, बिहार का 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार; स्थानीय लोगों की सतर्कता से टली बड़ी वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल में गुरुवार तड़के एक निजी बैंक के एटीएम केंद्र में तोड़फोड़ कर उसे नुकसान पहुंचाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अमर जवान सर्कल के पास स्थित आरबीएल बैंक के एटीएम केंद्र में सुबह करीब 5:45 बजे एक युवक घुस गया और मशीन को तोड़ने का प्रयास करने लगा। इस दौरान बैंक के ऑनलाइन निगरानी विभाग की सतर्कता और स्थानीय नागरिकों की सूझबूझ से घटना का समय रहते पता चल गया। आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ा गया युवक मूल रूप से बिहार का रहने वाला 21 वर्षीय युवक बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, आरबीएल बैंक में शाखा संचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत 34 वर्षीय कपिलभाई दानाभाई चावड़ा ने इस मामले में निकोल पुलिस थाने में शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कपिलभाई नए नरोड़ा क्षेत्र में रहते हैं। घटना के समय वह सुबह करीब 5:45 बजे अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर बैंक के मुख्य कार्यालय स्थित ऑनलाइन निगरानी विभाग से तत्काल सूचना मिली कि अमर जवान सर्कल के पास स्थित बैंक के एटीएम केंद्र में किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां दिखाई दे रही हैं और वहां तोड़फोड़ की जा रही है। सूचना मिलते ही शाखा प्रबंधक तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। उधर, एटीएम केंद्र के भीतर से आ रही संदिग्ध आवाजों को सुनकर आसपास के स्थानीय नागरिक भी सतर्क हो गए थे। लोगों ने जब केंद्र के भीतर जाकर स्थिति का पता लगाने का प्रयास किया तो एक युवक को एटीएम मशीन के साथ तोड़फोड़ करते हुए पाया। स्थानीय लोगों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे बाहर निकलने का मौका नहीं दिया और पकड़ लिया। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद स्थानीय नागरिकों ने पुलिस नियंत्रण कक्ष के आपातकालीन नंबर 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची और पकड़े गए युवक को हिरासत में लेकर निकोल पुलिस थाने ले गई। प्रारंभिक पूछताछ में उसकी पहचान बिहार निवासी 21 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। पुलिस अब उसकी पहचान, पते और अहमदाबाद आने के कारणों सहित अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना में एटीएम केंद्र के भीतर लगी मशीन और अन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, युवक ने किस उद्देश्य से एटीएम केंद्र में प्रवेश किया था, इसका अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसका मकसद एटीएम मशीन तोड़कर नकदी निकालना था या फिर किसी अन्य कारण से उसने इस घटना को अंजाम दिया। युवक की गतिविधियों और घटना से पहले की परिस्थितियों को भी जांच के दायरे में रखा गया है। निकोल पुलिस ने एटीएम केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फुटेज के माध्यम से युवक की गतिविधियों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही उससे पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह अकेले इस घटना को अंजाम देने पहुंचा था या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था।

सरपंच और दो वार्ड पंचों ने गांव के विकास के लिए 11 लाख देने की घोषणा की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। रानी पंचायत समिति क्षेत्र के किशनपुरा गांव में बुधवार को नवनिर्वाचित सरपंच और दो वार्ड पंचों ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों ने गांव के विकास के लिए कुल 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने गांव में विकास कार्य करवाने के साथ स्वच्छता को प्राथमिकता देने और नियमित सफाई अभियान चलाने का संकल्प भी लिया। पदभार ग्रहण समारोह में सरपंच जमनी-जसाराम राठौड़ ने गांव के विकास के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं वार्ड पंच मोहनलाल ने 5 लाख और वार्ड पंच पुखराज ने 1 लाख रुपए देने का संकल्प जताया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इन रुपयों का उपयोग गांव में आवश्यक विकास कार्य करवाने और ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जाएगा। पंचायत भवन को आधुनिक बनाने की भी पहल समारोह के दौरान ग्राम पंचायत कार्यालय भवन को अत्याधुनिक स्वरूप देने की बात भी कही गई। जनप्रतिनिधियों ने गांव के समग्र विकास के साथ पंचायत कार्यालय को बेहतर बनाने पर जोर दिया। इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की। बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे ।

बाहरी घाटा तिराहे पर सर्विस रोड का निर्माण शुरू, हादसों पर लगेगा अंकुश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। बाहरी घाटा तिराहे पर लगातार हो रहे सड़क हादसों और कई लोगों की जान जाने के बाद आखिरकार स्वतंत्र सर्विस रोड बनाने का काम शुरू हो गया है। करीब दो साल तक चले पत्राचार और लगातार प्रयासों के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) दिल्ली ने सड़क सुधार योजना को मंजूरी दे दी है। इसके बाद मौके पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। नई सड़क बनने से पिंडवाड़ा की ओर से सिरोही शहर आने वाले वाहनों को तिराहे तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे दुर्घटनाओं की आशंका कम होने और यातायात व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है। फोरलेन निर्माण में छूट गई थी जरूरी सड़क फोरलेन सड़क का निर्माण करते समय सिरोही शहर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए अलग सर्विस रोड बनाया जाना जरूरी था, लेकिन उस समय इस आवश्यकता पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके चलते बाहरी घाटा तिराहे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और लगातार दुर्घटनाएं होने लगीं। इन हादसों में कई लोगों की जान भी चली गई। इसके बाद स्थानीय स्तर पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था और अलग सर्विस रोड बनाने की मांग उठने लगी। महावीर जैन ने उठाया था मुद्दा सामाजिक कार्यकर्ता महावीर जैन ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जिला प्रशासन के समक्ष लगातार उठाया। तत्कालीन जिला कलेक्टर डॉ. भंवरलाल डेलू ने भी मौके का निरीक्षण किया था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सिरोही शहर की ओर जाने के लिए नई सड़क का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे। दो साल के प्रयासों के बाद मिली मंजूरी नई सड़क के निर्माण को लेकर करीब दो साल तक पत्राचार और प्रयास जारी रहे। इस दौरान जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला यातायात एवं परिवहन समिति की बैठकों में भी यह मुद्दा लगातार उठाया गया। तिराहे पर होने वाले हादसों और सुरक्षित यातायात की आवश्यकता को देखते हुए आखिरकार एनएचएआई दिल्ली ने सड़क सुधार योजना को मंजूरी दे दी। पहाड़ी हटाकर तैयार किया जा रहा नया रास्ता मंजूरी मिलने के बाद अब मौके पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके तहत पहाड़ी को हटाया जा रहा है। इसके बाद निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुसार डामरीकरण कर स्वतंत्र सर्विस रोड तैयार की जाएगी। नई व्यवस्था शुरू होने के बाद पिंडवाड़ा की ओर से सिरोही शहर आने वाले वाहनों को बाहरी घाटा तिराहे तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वाहन अलग सर्विस रोड से सीधे शहर की ओर जा सकेंगे। इससे तिराहे पर वाहनों का अनावश्यक दबाव और आमने-सामने टकराव की आशंका कम होगी। साथ ही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी।



होटल में संदिग्ध हालत में मिलीं दो युवतियां, संचालक समेत दो गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे स्थित होटल अरावली में युवतियों से कथित रूप से अनैतिक गतिविधियां करवाने का मामला सामने आया है। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने होटल में दबिश दी। इस दौरान मौके से मेरठ क्षेत्र की रहने वाली दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में मिलीं। पुलिस ने दोनों को सखी केंद्र भेज दिया। वहीं मामले में होटल संचालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुखबिर की सूचना पर होटल में दबिश पुलिस अधीक्षक मोनिका सैन ने बताया कि होटल अरावली में अनैतिक गतिविधियां करवाए जाने की सूचना मिली थी। इस पर नगर पुलिस उपाधीक्षक मंगलेश चुंडावत के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर बुधवार को होटल में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान वहां दो युवतियां मिलीं। दोनों मेरठ क्षेत्र की रहने वाली हैं। पुलिस ने उनकी सुरक्षा और आवश्यक सहायता के लिए उन्हें सखी केंद्र भेजा है। होटल संचालक समेत दो गिरफ्तार पुलिस ने मामले में होटल संचालक कल्याणसिंह (50) पुत्र घीसूसिंह निवासी इंद्र विहार, ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र, पाली और सुनील (33) पुत्र ओमप्रकाश निवासी लाडपुरा, रियां बड़ी, जिला नागौर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों से मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। युवतियों को कहां से बुलाते थे, जांच जारी पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि होटल में यह गतिविधियां कब से संचालित की जा रही थीं और युवतियों को किन स्थानों से बुलाया जाता था। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक ग्रामीण अमरसिंह रत्नू को सौंपी गई है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है। दोनों आरोपियों से मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। युवतियों को कहां से बुलाते थे, जांच जारी पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि होटल में यह गतिविधियां कब से संचालित की जा रही थीं और युवतियों को किन स्थानों से बुलाया जाता था। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक ग्रामीण अमरसिंह रत्नू को सौंपी गई है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है।

सिरोही में मां-बेटे का भव्य वर्षीदान वरघोड़ा निकला, फरवरी में सूरत में लेंगे दीक्षा

भगवान के रथ, घोड़ा-गाड़ियों और आचार्य व गुरु भगवंतों की रही सहभागिता, सांसारिक जीवन त्यागकर अपनाएंगे संयम का मार्ग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जैन समाज में त्याग, तपस्या और संयम की भावना का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। दीक्षा लेने जा रही मां और बेटे के सम्मान में गुरुवार को शहर में भव्य वर्षीदान वरघोड़ा निकाला गया। शोभायात्रा में भगवान के रथ, घोड़ा-गाड़ियां, आचार्य भगवंत और गुरु भगवंत शामिल हुए। बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर दीक्षार्थियों के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। सुबह 8 बजे शोभायात्रा दीक्षार्थियों के सुनारवाड़ा स्थित निवास से रवाना हुई। नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई शोभायात्रा जैन वीसी पहुंची। इसमें सिरोही सहित आसपास के क्षेत्रों से आए जैन समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

दीक्षा लेने जा रहे दीक्षार्थियों में सुंदरबाई हीराचंद (तवरी वाला), रीना बेना और सिद्ध भाई शामिल हैं। मां और बेटे ने सांसारिक जीवन के मोह-माया का त्याग कर संयम मार्ग अपनाने का संकल्प लिया है। उनकी दीक्षा का शुभ मुहूर्त 8 फरवरी 2027 को सूरत में निर्धारित किया गया है। जैन वीसी के प्रवचन हॉल में सकल जैन संघ की ओर से दीक्षार्थियों का बहुमान और अभिनंदन किया गया। इसके बाद सुबह 11:30 बजे सकल संघ के लिए स्वामीवात्सल्य का आयोजन हुआ। धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में 20 नवंबर को बड़े आदेश्वर जिनालय में सुबह 10 बजे सिद्धचक्र महापूजन आयोजित किया जाएगा। आयोजक परिवार ने सकल श्रीसंघ से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। आयोजक परिवार की ओर से सुंदरबाई हीराचंद (तवरी वाला), चंद्रा सुरेश कुमार जवेरीचंद (शांति मेडिकल स्टोर), मासी-मासाजी सहित समस्त परिवार ने समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए उनके सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। लाला भाई जैन ने कहा कि मां और बेटे का एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर संयम एवं दीक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ना जैन समाज के लिए भावुक और प्रेरणादायक अवसर है। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने सिरोही की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा को विशेष गरिमा प्रदान की।



सर्द मौसम में गूंजे गुरु नानक देव जी के जयकारे, माउंट आबू में निकली प्रभातफेरी

प्रमुख मार्गों से होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक दर्शन पहुंची संगत, प्रेम, समानता, सेवा और मानवता का दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में माउंट आबू में पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सर्द मौसम के बीच श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में संगत ने शामिल होकर गुरु नानक देव जी के जयकारे लगाए। प्रभातफेरी शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक दर्शन पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने अरदास कर देश और प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। प्रभातफेरी रोटरी सर्किल से शुरू होकर अटल चौक, सब्जी मंडी, नक्की लेक मार्ग और नगर पालिका कार्यालय होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक दर्शन पहुंची। मार्ग में शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर निशान साहिब स्थापित किया गया। पूरे रास्ते गुरु नानक देव जी के जयकारों और धार्मिक वातावरण से शहर भक्तिमय बना रहा। गुरु की शिक्षाओं से दिया सामाजिक सद्भाव का संदेश प्रभातफेरी के दौरान संगत को गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं और उनके बताए जीवन मूल्यों की जानकारी दी गई। श्रद्धालुओं को ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने, परिवार का पालन-पोषण करने, सामाजिक भेदभाव से दूर रहने तथा जरूरतमंद और गरीब लोगों की सहायता करने की प्रेरणा दी गई। गुरु की शिक्षाओं के माध्यम से समानता, सेवा, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया गया। तीन दिन तक पंजाब का रागी जत्था करेगा



आरओबी निर्माण के लिए प्रस्तावित रेल ब्लॉक रद्द, सात ट्रेनें अब निर्धारित समय पर चलेंगी

चूरू-सादुलपुर रेलखंड पर यात्रियों को राहत, जोधपुर-हडपसर रेलगाड़ी का भी बदला नंबर; जोधपुर भोपाल पूरी तरह विद्युत इंजन से दौड़ेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चूरू। सादुलपुर रेलखंड पर चूरू रेलवे यार्ड में समपार फाटक संख्या 165 पर सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) निर्माण के लिए प्रस्तावित रेल ब्लॉक रद्द कर दिया गया है। इसके चलते पहले जिन रेलगाड़ियों के संचालन में बदलाव किया गया था, वे अब अपनी निर्धारित समयसारणी के अनुसार ही चलेंगी। रेलवे के इस निर्णय से यात्रियों को राहत मिलेगी। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, रेल ब्लॉक रद्द होने के कारण हिसार-जोधपुर रेलगाड़ी संख्या 14892 आगामी 2 और 9 दिसंबर को निर्धारित समय पर चलेगी। इसी प्रकार सीकर-चूरू रेलगाड़ी संख्या 74859 आगामी 22, 26, 27, 28, 29 और 30 नवंबर तथा 2 से 11 दिसंबर तक अपने निर्धारित समय पर संचालित होगी। रेवाड़ी-बीकानेर रेलगाड़ी संख्या 54789 और बीकानेर-रेवाड़ी रेलगाड़ी संख्या 54790 भी 2 और 9 दिसंबर को निर्धारित समयसारणी के अनुसार चलेंगी। इसके अलावा बीकानेर-हिसार रेलगाड़ी संख्या 14897 और हिसार-बीकानेर रेलगाड़ी संख्या 14898 भी इन दोनों तारीखों पर पूर्व निर्धारित समय के अनुसार संचालित होंगी। चूरू-सीकर रेलगाड़ी संख्या 74860 भी 22, 26, 27, 28, 29 और 30 नवंबर तथा 2 से 11 दिसंबर तक निर्धारित समय पर चलेगी। जोधपुर-हडपसर रेलगाड़ी का बदला नंबर रेलवे ने जोधपुर-हडपसर-जोधपुर रेलगाड़ी के नंबर में बदलाव किया है। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, वर्तमान में रेलगाड़ी संख्या 14809/14810 के नाम से संचालित यह रेलगाड़ी 3 जनवरी 2027 से नए नंबर 14811/14812 से संचालित होगी। जोधपुर-भोपाल रेलगाड़ी अब पूरे मार्ग पर विद्युत इंजन से चलेगी जोधपुर-भोपाल-जोधपुर रेलगाड़ी का संचालन अब पूरे मार्ग पर विद्युत इंजन से किया जाएगा।



इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की पुष्पांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर गुरुवार को सिरोही के डाक बंगले में कांग्रेस की ओर से पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन, ऐतिहासिक फैसलों, नेतृत्व क्षमता और देश के विकास में दिए गए योगदान को याद किया। नगर अध्यक्ष पुनीत कुमार जैन ने कहा कि इंदिरा गांधी का साहसी नेतृत्व और देश के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उनका जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति ऋतु जैन, पार्षद राजेंद्र राणा, चम्पालाल, प्रवीण जाटोलिया, चेतन डांगी, सीमा मेवाड़ा, तारा प्रजापति, ऊर्वशी गौड़ और शारदा माली मौजूद रहे। इसके अलावा पार्षद तरुणा खत्री के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता प्रकाश प्रजापत, देवराज टांक, अनिल चौहान, कांतिलाल खत्री, प्रकाश मेघवाल, सुधांशु गौड़, बद्री पटेल, सलीम भाई, शैतानराम मेघवाल, मुख्तियार खान, सुंदर माली, तेजाराम वागेला, वसीम जय हिंद, मोहन सिरवी, आनंद राज आर्य और जोगाराम सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर इंदिरा गांधी श्रद्धांजलि दिए।

ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरी पिकअप में गैस रिसाव, मचा हड़कंप

जोधपुर से जालोर जा रही थी गाड़ी, चालक की सूचना पर पहुंची पुलिस; आबादी से दूर ले जाकर अलग किया रिसाव वाला सिलेंडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले के रोहट क्षेत्र में गुरुवार को ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरी पिकअप में गैस रिसाव होने से हड़कंप मच गया। पिकअप में कुल 26 ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हुए थे और वाहन जोधपुर से जालोर जा रहा था। रास्ते में एक सिलेंडर से गैस का रिसाव शुरू हो गया। रिसाव की आवाज सुनकर चालक महेंद्र प्रजापत ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए पिकअप को आबादी से दूर एकांत स्थान पर पहुंचाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आबादी से दूर पहुंचाई पिकअप रोहट थाने के सहायक उपनिरीक्षक मोडाराम ने बताया कि गुरुवार को जोधपुर से जालोर जा रही ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरी पिकअप में एक सिलेंडर से गैस रिसने लगी थी। चालक ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को शहरी क्षेत्र तथा आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इसके बाद रिसाव वाले सिलेंडर को वाहन से नीचे उतरवाकर अन्य सिलेंडरों से अलग रख दिया गया। पिकअप में भरे थे 26 सिलेंडर चालक महेंद्र प्रजापत ने पुलिस को बताया कि वह पिकअप में 26 ऑक्सीजन सिलेंडर भरकर जोधपुर से जालोर जा रहा था। रास्ते में अचानक एक सिलेंडर से ऑक्सीजन गैस का रिसाव शुरू हो गया। किसी बड़े हादसे की आशंका को देखते।



वागसीन गांव में हमलावर बंदर का आतंक, किशोरी समेत 15 से अधिक लोगों को काटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। शिवगंज तहसील के वागसीन गांव में एक बंदर का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक महीने में बंदर 15 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुका है। गुरुवार को बंदर ने घर से बाहर निकली एक किशोरी पर हमला कर उसके पैर में काट लिया। परिजन उसे उपचार के लिए सिरोही जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया। वागसीन निवासी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि उनकी भतीजी घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान काले मुंह का एक बंदर वहां पहुंचा और अचानक किशोरी के पैर में काट लिया। दर्द से किशोरी के चिल्लाने पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने किसी तरह बंदर के चंगुल से उसे छुड़ाया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पैर में हुआ लंबा घाव, रेबीज के टीके लगाए प्राथमिक उपचार के बाद किशोरी को सिरोही जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। यहां चिकित्सकों और नर्सिंग कर्मचारियों ने उसका उपचार शुरू किया। बंदर के काटने से पैर में लंबा घाव हो गया है। उसे टिटनेस और रेबीज से बचाव के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। एक महीने से ग्रामीणों में दहशत प्रवीण सोलंकी के अनुसार, बंदर पिछले एक महीने से गांव में लोगों पर लगातार हमले कर रहा है। अब तक 15 से अधिक लोग उसके हमले का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि बंदर ने एक व्यक्ति को इतनी बुरी तरह काटा था कि उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से तक बाहर आ गए थे। परिजनों के अनुसार, चिकित्सक किशोरी को कुछ घंटे अस्पताल में निगरानी में रखेंगे।

सोलर प्लांट में लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार, तीन दिन के रिमांड पर भेजा



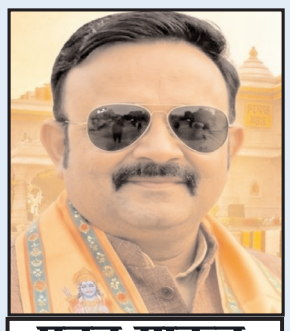
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। करवड़ थाना पुलिस ने खारी खुर्द स्थित सोलर प्लांट में सुरक्षा गार्डों के साथ मारपीट कर लाखों का सामान लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी महावीर सिंह उर्फ एमडी (21) निवासी भुर्जगढ़, थाना फलसूंड, जिला जैसलमेर है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर वारदात में शामिल अन्य बदमाशों और लूटे गए सामान के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, 14 जून 2026 को सोलर प्लांट से सामान लूटने का मामला दर्ज हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया कि 13 जून की रात करीब तीन बजे बिना नंबर प्लेट वाली दो सफेद महिंद्रा पिकअप गाड़ियों में सवार 10 से 12 नकाबपोश बदमाश खारी खुर्द स्थित जैक्सन ग्रीन सोलर प्लांट पहुंचे थे। बदमाशों ने मुख्य द्वार का फाटक तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और वहां ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड अचलाराम (21) और बाबूसिंह पर सरियों व लाठियों से हमला कर दिया। हमले के दौरान बदमाशों ने दोनों गार्डों के मोबाइल फोन भी तोड़कर फेंक दिए।



क्या गवाहों की सुरक्षा राज्य का प्राथमिक दायित्व नहीं? न्याय को कमजोर करती ताकत और मौन प्रशासन!

'सत्यमेव जयते' हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायपालिका का मूल मंत्र है। लेकिन जब हम जमीनी हकीकत पर नजर डालते हैं, तो एक कड़वा सच सामने आता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास अपार आर्थिक संपत्ति या राजनीतिक ताकत है, तो इस देश में तथ्यों और सच्चाई को अपनी सुविधानुसार मोड़ा जा सकता है। हाल के चर्चित दुर्घटना मामलों में भी पहले पुलिस या मजिस्ट्रेट के सामने गवाही देने वाले लोग सुनवाई के दौरान अदालत में अपने बयान से मुकर गए और पक्षद्रोही घोषित हुए। यह कोई अकेली घटना नहीं, बल्कि हमारी न्याय व्यवस्था की एक गंभीर और कड़वी हकीकत है, जिसमें आम नागरिक के सामने न्याय की प्रक्रिया कमजोर पड़ती दिखाई देती है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

शक्तिशाली लोगों के सामने लाचार और मौन क्यों हो जाता है कानून?

इस देश में जब कोई धनवान, प्रभावशाली या राजनीतिक पहुंच रखने वाला व्यक्ति गंभीर अपराध करता है, तो कानून और व्यवस्था का तंत्र मानो मौन हो जाता है। कई मामलों में ऐसा देखने को मिलता है कि जिसके पास राजनीतिक या आर्थिक पहुंच नहीं होती, उसी के लिए न्याय की लड़ाई सबसे कठिन बन जाती है।
वहीं, जब आरोपी प्रभावशाली होता है, तो उसके खिलाफ खड़े होने वाले गवाहों पर डर, धमकी, दबाव और करोड़ों रुपये के लालच का दबाव बनाए जाने के आरोप सामने आते हैं।

नतीजतन, भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहे गवाह अदालत में अपने पहले के बयानों से मुकर जाते हैं। पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर गंभीर अपराधों के आरोपियों को भी संदेह का लाभ मिल सकता है। सोहराबुद्दीन मामला, अमित जेठवा हत्याकांड, चर्चित बेस्ट बेकरी मामला, बिलकिस बानो मामला, आसाराम मामला, मालेगांव विस्फोट मामला और ऊना दलित अत्याचार जैसे कई चर्चित मामलों में गवाहों के मुकरने की घटनाएं सामने आई थीं। इसके पीछे धमकी, भय और वर्षों तक चलने वाली लंबी सुनवाई जैसे कारणों को महत्वपूर्ण माना जाता है।

कागजों तक सीमित होती गवाह संरक्षण योजना

जब देश की सरकारों और प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर अपेक्षित रूप से नहीं गया, तब उच्चतम न्यायालय ने महेंद्र चावला बनाम भारत सरकार मामले में वर्ष 2018 में गंभीर टिप्पणी करते हुए देशभर में 'गवाह संरक्षण योजना-2018' लागू करने का आदेश दिया था। इस योजना में गवाहों को पुलिस सुरक्षा देने, उनकी पहचान गोपनीय रखने, सुरक्षित स्थान पर रहने की व्यवस्था करने और वीडियो माध्यम से गवाही दर्ज कराने जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल हैं।

लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि इतनी महत्वपूर्ण योजना के बावजूद जमीनी स्तर पर गवाहों की सुरक्षा को लेकर सवाल बने हुए हैं। पुलिस और प्रशासनिक तंत्र द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना जरूरी है। जब गवाह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, तो उनसे बिना किसी दबाव के सच बोलने की अपेक्षा करना कठिन होगा।

कब जागेगी सरकार और संसद?

आज देश के सामने कुछ गंभीर सवाल खड़े हैं। यदि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा करना किसी भी कल्याणकारी राज्य का सर्वोच्च दायित्व है, तो गवाह संरक्षण योजना को केवल दिशा-निर्देशों तक सीमित रखने के बजाय एक मजबूत केंद्रीय कानून का स्वरूप क्यों नहीं दिया जाता?
भय, धमकी या लालच के कारण अदालत में अपने पहले के बयान से मुकरने वाले गवाहों के मामलों में भी यह स्पष्ट करना जरूरी है कि उनके ऐसा करने के पीछे दबाव था या कोई अन्य कारण। यदि किसी गवाह को धमकाकर या लालच देकर झूठी गवाही देने के लिए मजबूर किया जाता है, तो ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई की प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए?

जब तक गवाहों को भयमुक्त होकर बयान देने की कानूनी गारंटी नहीं मिलेगी और गवाही को प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठते रहेंगे। अब समय आ गया है कि संसद और सरकारें इस गंभीर विषय पर ठोस कदम उठाएं।
गवाहों की सुरक्षा केवल किसी एक मुकदमे या व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि निष्पक्ष न्याय और लोकतंत्र में आम नागरिक के विश्वास से जुड़ा सवाल है। यदि इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो न्याय व्यवस्था पर आम आदमी का भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

आज का राशिफल

(शुक्रवार) 20 नवम्बर 2026

मेष — आज रुके हुए पारिवारिक काम पूरे होने से राहत मिलेगी, शाम को जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

वृषभ — नौकरी में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नई जिम्मेदारी मिलेगी, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखकर बचत पर ध्यान दें।

मिथुन — व्यापार में नई साझेदारी के प्रस्ताव मिल सकते हैं, सेहत अच्छी रहेगी और पुराने मित्रों से बात करके मन खुश होगा।

कर्क — भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला न लें, माता-पिता के आशीर्वाद से करियर के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी।

सिंह — आज का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा, रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आपकी कई आर्थिक योजनाएं आगे बढ़ेंगी।

कन्या — कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा, विद्यार्थियों को किसी कठिन विषय को समझने में शिक्षकों की मदद मिलेगी।

तुला — कला और संगीत से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है, परिवार में किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा बन सकती है।

वृश्चिक — व्याहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें, कार्यक्षेत्र में विरोधियों की चाल नाकाम होगी और आपकी स्थिति मजबूत बनी रहेगी।

धनु — भाग्य का साथ मिलने से कठिन काम भी आसानी से बन जाएंगे, धार्मिक यात्रा या पूजा-पाठ में समय व्यतीत होगा।

मकर — जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में लाभ के योग हैं, गुस्से पर काबू रखें वरना करीबी रिश्तों में दरार आ सकती है।

कुंभ — नई नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को सफलता मिलेगी, दोस्तों के सहयोग से आपका कोई जरूरी काम पूरा होगा।

मीन — मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी और मन शांत रहेगा, किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से व्यापार में मुनाफा कमाएंगे।

ओएनजीसी के तेल कुएं से कच्चे तेल की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, ठेकेदार ही निकला मुख्य सूत्रधार

देश की ऊर्जा सुरक्षा और सरकारी संपत्ति की निगरानी व्यवस्था से जुड़ा एक गंभीर मामला गुजरात में सामने आया है। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अहमदाबाद के वटवा-विंझोल रिंग रोड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के तेल कुएं से कच्चा तेल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह ने खेड़ा जिले के सारसा स्थित ओएनजीसी के तेल कुएं को निशाना बनाकर हजारों लीटर कच्चा तेल निकाला और उसे सरकारी वाहन जैसा दिखने वाले टैंकर के माध्यम से अहमदाबाद तक पहुंचाया। एटीएस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस के अनुसार, गिरोह का कथित मुख्य सूत्रधार ओएनजीसी में ठेके पर काम करने वाला व्यक्ति



है। इस खुलासे के बाद तेल कुओं की सुरक्षा, निगरानी व्यवस्था और विभागीय स्तर पर संभावित मिलीभगत को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। गुजरात एटीएस को सूचना मिली थी कि ओएनजीसी के तेल कुएं से चोरी किया गया कच्चा तेल अहमदाबाद के वटवा औद्योगिक क्षेत्र के आसपास लाया जा रहा है और वहां से उसे दूसरे वाहनों में भरकर बेचने की तैयारी की जा रही है। सूचना के आधार पर एटीएस ने वटवा-विंझोल रिंग रोड क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक एस.एल. चौधरी के नेतृत्व में टीम ने संदिग्ध स्थान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान वहां कच्चे तेल के अवैध कारोबार से जुड़े छह लोगों को पकड़ लिया गया। जांच में पता चला कि इस गिरोह का संपर्क खेड़ा जिले के सारसा स्थित ओएनजीसी के तेल कुएं से था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने तेल कुएं से करीब 8,000 लीटर कच्चा तेल चोरी किया था। इस मामले को केवल तेल चोरी तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि सरकारी ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षा और उनसे जुड़े ठेका कार्यों की निगरानी के लिहाज से भी इसकी जांच की जा रही है।

ओएनजीसी के ठेकेदार पर मुख्य भूमिका निभाने का आरोप

एटीएस की प्रारंभिक जांच में नसीरुद्दीन उर्फ विक्की ताजुद्दीन मलेक का नाम मुख्य सूत्रधार के रूप में सामने आया है। उसकी उम्र 42 वर्ष बताई गई है और वह अहमदाबाद के सरखेज स्थित अल-फारूक सोसाइटी का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह ओएनजीसी में ठेके पर काम करता था और उसे तेल कुओं तथा वहां की कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी थी। इसी जानकारी का कथित तौर पर इस्तेमाल कर उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई। जांच के अनुसार, इस गिरोह ने खेड़ा जिले के सारसा में स्थित ओएनजीसी के संवेदनशील तेल कुआं नंबर 26 को निशाना बनाया था। आरोप है कि वहां अवैध तरीके से उपकरण लगाकर रात के समय कच्चा तेल निकाला गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, चोरी किए गए तेल की मात्रा लगभग 8,000 लीटर थी। इतनी बड़ी मात्रा में तेल निकालकर उसे दूसरे स्थान तक पहुंचाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

200 लाख करोड़ रुपये के विदेशी कर्ज के सामने सरकार की खर्च कटौती और सादगी के दावे, क्या बजट में कटौती से देश आर्थिक निर्भरता से मुक्त हो सकेगा?

विकसित भारत का सपना देख रहे देश में आर्थिक आत्मनिर्भरता और लगातार बढ़ते विदेशी कर्ज को लेकर बहस तेज हो रही है। एक ओर भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर देश पर बढ़ते विदेशी कर्ज का बोझ आर्थिक नीतियों और वित्तीय प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। संपादकीय में देश के विदेशी कर्ज का आंकड़ा लगभग 200 लाख करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है। हालांकि, इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि और इसकी गणना का आधार स्पष्ट होना जरूरी है। विदेशी कर्ज का विषय केवल सरकारी बजट तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका संबंध देश की आर्थिक स्थिरता, विकास योजनाओं और भविष्य की वित्तीय चुनौतियों से भी है। जब भी देश के सामने आर्थिक दबाव बढ़ता है या कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी की चर्चा होती है, तब आम नागरिकों को खर्च कम करने, सादगी अपनाने और अनावश्यक खर्चों से बचने की सलाह दी जाती है। सरकारी योजनाओं में



खर्च घटाने और सब्सिडी पर नियंत्रण की बातें भी सामने आती हैं। लेकिन आम जनता के मन में सवाल उठता है कि क्या केवल नागरिकों के खर्चों और सरकारी योजनाओं में कटौती करने से देश का विशाल विदेशी कर्ज कम हो सकता है? क्या आर्थिक अनुशासन की जिम्मेदारी केवल आम आदमी की है या सरकार और शासन व्यवस्था को भी अपने खर्चों में समान रूप से संयम दिखाना चाहिए? जनता को सलाह देने से पहले सरकार अपने खर्चों में कटौती क्यों नहीं करती? आम नागरिकों और जागरूक युवाओं की ओर से यह अपेक्षा सामने आ रही है कि यदि सरकार वास्तव में आर्थिक अनुशासन और बचत को लेकर गंभीर है, तो इसकी शुरुआत सरकारी खर्चों से होनी चाहिए। सरकारों को अपनी महंगी सुविधाओं, बड़े विशिष्ट व्यक्ति काफिलों, सरकारी विमानों, चुनाव प्रचार और मंत्रियों तथा अधिकारियों के भव्य आयोजनों पर होने वाले खर्चों की समीक्षा करनी चाहिए। संपादकीय में सुझाव दिया गया है कि ऐसे खर्चों में पहले चरण में 10 से 20 प्रतिशत तक कटौती की जाए, ताकि आर्थिक अनुशासन का संदेश केवल जनता तक सीमित न रहे, बल्कि शासन व्यवस्था भी इसका उदाहरण पेश करे। सरकार के खर्चों में पारदर्शिता और प्राथमिकताओं के आधार पर बजट का उपयोग किसी भी मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि शासक और अधिकारी स्वयं अनावश्यक खर्चों को कम करते हैं, तो जनता के सामने बचत और वित्तीय अनुशासन की बात अधिक विश्वसनीय तरीके से रखी जा सकती है। केवल बजट में संतुलन दिखाने के लिए आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाना या आवश्यक सुविधाओं में कटौती करना उचित आर्थिक नीति नहीं मानी जा सकती। सरकारी धन का उपयोग किन क्षेत्रों में हो रहा है और उससे देश को कितना लाभ मिल रहा है, इसका स्पष्ट हिसाब जनता के सामने आना चाहिए।

कर्ज के बोझ के बीच आर्थिक नीतियों पर सवाल

देश की आर्थिक स्थिति में विदेशी कर्ज की भूमिका को समझना जरूरी है। विदेशी कर्ज पर ब्याज और मूलधन का भुगतान सरकार की वित्तीय जिम्मेदारियों का हिस्सा होता है। इसके लिए बजट में बड़ी धनराशि निर्धारित करनी पड़ती है। इससे विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक सेवाओं के लिए उपलब्ध संसाधनों पर दबाव पड़ सकता है। हालांकि, किसी देश की आर्थिक स्थिति का आकलन केवल कुल विदेशी कर्ज के आंकड़े से नहीं किया जा सकता। इसके लिए विदेशी कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात, विदेशी मुद्रा भंडार, कर्ज की अवधि, ब्याज दर और भुगतान क्षमता जैसे पहलुओं को भी देखना आवश्यक है।पहली चिंता आर्थिक प्रबंधन को लेकर है। यदि लोकलुभावन योजनाओं, चुनावी वादों या राजनीतिक लाभ को ध्यान में रखकर बिना पर्याप्त वित्तीय आकलन के कर्ज लिया जाता है, तो लंबे समय में अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

डकैती, रेसिंग और प्यार का रोमांच! GTA-6 को लेकर दुनिया में दीवानगी, रिलीज से पहले ही कमाई के दावों ने चौंकाया

13 साल के लंबे इंतजार के बाद चर्चाओं में लौटी दुनिया की लोकप्रिय वीडियो गेम श्रृंखला, काल्पनिक शहर में अपराध, रोमांच और आधुनिक तकनीक का अनोखा मेल; आखिर क्या है त्रङ्ग-6 की खासियत, जिसके लिए लोग छुट्टियां लेने तक को तैयार हैं? 19 नवंबर को कई देशों में लोगों की छुट्टी के आवेदन बढ़ने की खबरें चर्चा में रहीं। कुछ कंपनियों की ओर से कर्मचारियों के लिए विशेष अवकाश घोषित किए जाने के दावे भी सामने आए। इसकी वजह कोई त्योहार या राष्ट्रीय आयोजन नहीं, बल्कि दुनिया की बहुप्रतीक्षित वीडियो गेम श्रृंखला 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो' यानी त्रङ्ग का नया संस्करण GTA-6 है। इस खेल को लेकर प्रशंसकों में लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई है। करीब 13 साल के इंतजार के बाद इसके नए संस्करण की चर्चा ने पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों का ध्यान खींचा है। रिलीज से पहले ही इससे लगभग 14 हजार करोड़ रुपये की कमाई होने का दावा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पोस्ट को लेकर भी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने लिखा कि भारत एक अलग खेल खेल रहा है।
आखिर GTA-6 में ऐसा क्या है, जो इसे सामान्य वीडियो गेम से अलग बनाता है? इसमें खिलाड़ी क्या कर सकते हैं, इसकी कहानी कैसी है और इसकी दुनिया इतनी वास्तविक क्यों दिखाई देती है? इन सवालों के जवाब इस खेल की लोकप्रियता को समझने में मदद करते हैं।

क्या है GTAऔर इसमें खिलाड़ी को क्या करना होता है?

त्रङ्ग यानी 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो' दुनिया की सबसे चर्चित और व्यावसायिक रूप से सफल वीडियो गेम श्रृंखलाओं में शामिल है। इसे अमेरिकी कंपनी रॉकस्टार गेम्स ने विकसित किया है। इस श्रृंखला की शुरुआत वर्ष 1997 में हुई थी। यह खुली दुनिया वाला रोमांचक खेल है, जिसमें खिलाड़ी को एक विशाल काल्पनिक शहर दिया जाता है। इस शहर में वह अपनी पसंद के अनुसार घूम सकता है, अलग-अलग गतिविधियों में हिस्सा ले सकता है और कहानी से जुड़े मिशन पूरे कर सकता है। इस खेल की दुनिया में काल्पनिक शहर बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी बनावट और वातावरण वास्तविक अमेरिकी शहरों से प्रेरित होते हैं। उदाहरण के तौर परGTA-5 में लॉस सैंटोस नाम का शहर दिखाया गया था, जो कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स से प्रेरित था। वहीं GTA-6 की कहानी वाइस सिटी और लियोनिडा नाम के काल्पनिक क्षेत्र में दिखाई गई है। वाइस सिटी को अमेरिका के मियामी शहर से प्रेरित माना जाता है।
GTA-6 में पहली बार कहानी के केंद्र में एक महिला किरदार लूसिया और उसका साथी जेसन हैं। दोनों की जोड़ी को चर्चित अमेरिकी अपराधी जोड़ी बोनी और क्लाइड से प्रेरित बताया गया है। खिलाड़ी इन दोनों किरदारों की भूमिका निभाते हुए कहानी को आगे बढ़ाते हैं। इनके सामने अपराध की दुनिया, रिश्तों, पैसों और बेहतर जीवन की तलाश से जुड़ी चुनौतियां आती हैं। खेल में खिलाड़ी कार और मोटरसाइकिल चला सकते हैं, दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं और शहर के अलग-अलग हिस्सों में घूम सकते हैं। कहानी के मिशन पूरे करने तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से खेल के भीतर धन अर्जित किया जा सकता है। इससे वाहन, कपड़े और अन्य आभासी संपत्तियां खरीदी जा सकती हैं। खेल की कहानी में बैंक डकैती, वाहन चोरी, गिरोहों के बीच संघर्ष और पुलिस से बचने जैसी आपराधिक गतिविधियां भी दिखाई जाती हैं। इस खेल का एक बड़ा आकर्षण इसकी खुली दुनिया है। खिलाड़ी चाहें तो मुख्य कहानी के मिशन पूरे कर सकते हैं या फिर बिना किसी मिशन के शहर में घूम सकते हैं। कार या हेलीकॉप्टर चलाना, समुद्र में नौका विहार करना, क्लब जाना, खरीदारी करना और शहर की रात्रिकालीन गतिविधियों को देखना भी खेल का हिस्सा है। इसके ऑनलाइन संस्करण में खिलाड़ी अपने मित्रों के साथ मिशन, दौड़ प्रतियोगिताओं और अलग-अलग चुनौतियों में हिस्सा ले सकते हैं। खेल में अपराध करने पर आभासी पुलिस पीछा करती है और खिलाड़ी को उससे बचने की कोशिश करनी पड़ती है।

राजनांदगांव में बनेगा भव्य संविधान उद्यान, बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा और संविधान की प्रतिकृति स्थापित करने की मांग

शहर में भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूलभूत आदर्शों और संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भव्य संविधान उद्यान विकसित करने की मांग उठाई गई है। बौद्ध कल्याण समिति ने इस दिशा में पहल करते हुए नगर पालिक निगम राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव को लिखित प्रस्ताव सौंपा है। समिति ने शहर के किसी प्रमुख और उपयुक्त स्थान पर संविधान उद्यान का निर्माण कराने तथा वहां भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने का आग्रह किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य राजनांदगांव में ऐसा सार्वजनिक स्थल विकसित करना है, जहां नागरिकों के साथ-साथ विद्यार्थियों और युवाओं को भारतीय संविधान, लोकतंत्र और बाबा साहब के विचारों के बारे में जानकारी मिल सके। बौद्ध कल्याण समिति, पंजीयन क्रमांक 14131, राजनांदगांव के अध्यक्ष राजकुमार (राजू) बारमाटे ने महापौर को सौंपे पत्र में संविधान उद्यान के निर्माण के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया है। समिति का कहना है कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। इसमें नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को स्थान दिया गया है। इन मूल्यों की जानकारी केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए ऐसे सार्वजनिक स्थलों का विकास भी जरूरी है, जहां लोग संविधान के महत्व को समझ सकें। समिति ने अपने प्रस्ताव में मांग की है कि शहर के किसी प्रमुख स्थान पर भव्य संविधान उद्यान का निर्माण कराया जाए। उद्यान का स्वरूप ऐसा हो, जहां भारतीय संविधान की आकर्षक और विशाल प्रतिकृति स्थापित की जा सके। इसके साथ ही बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाने का भी सुझाव दिया गया है। समिति के अनुसार, बाबा साहब की प्रतिमा और संविधान की प्रतिकृति उद्यान के प्रमुख आकर्षण होंगे तथा यहां आने वाले लोगों को देश के संविधान निर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी। प्रस्ताव में संविधान की प्रस्तावना को भी विशेष स्थान देने की मांग की गई है। इसके लिए उद्यान परिसर में प्रस्तावना को शिलालेख पर अंकित कराने का सुझाव दिया गया है, ताकि यहां आने वाले नागरिक और विद्यार्थी संविधान की मूल भावना तथा उसमें निहित आदर्शों को पढ़ सकें। समिति चाहती है कि उद्यान में ऐसी जानकारी भी प्रदर्शित की जाए, जिससे लोगों को बाबा साहब के जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण, सामाजिक समानता के लिए किए गए प्रयासों और उनके विचारों को समझने का अवसर मिले। समिति अध्यक्ष राजकुमार (राजू) बारमाटे ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना को संवैधानिक स्वरूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संविधान देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों की रक्षा करने वाला आधार है। इसलिए संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसके मूल्यों को समाज में मजबूत करना सभी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को संविधान के महत्व और उसके निर्माण के पीछे के विचारों से परिचित कराना आवश्यक है। विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं को यह समझने का अवसर मिलना चाहिए कि भारतीय लोकतंत्र किन मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है और संविधान प्रत्येक नागरिक को किस प्रकार अधिकार तथा समान अवसर प्रदान करता है। संविधान उद्यान इस उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कोदो की रोटी खाने से एक ही परिवार के 7 लोग बीमार, जबलपुर रेफर

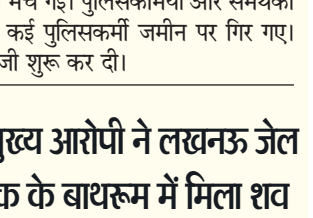
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। जिले के सिहोरा क्षेत्र के मोहसाम गांव में कोदो के आटे की रोटी खाने के करीब डेढ़ घंटे बाद एक ही परिवार के सात सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को उल्टी, तेज सिरदर्द, बेहोशी और शरीर में झटके आने की शिकायत हुई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और सरपंच की मदद से सभी मरीजों को एंबुलेंस के जरिए सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, सिकंदर के परिवार ने भोजन में कोदो के आटे से बनी रोटियां खाई थीं। खाना खाने के करीब एक से डेढ़ घंटे बाद परिवार के सदस्यों को अचानक परेशानी होने लगी। पहले उल्टियां और सिरदर्द की शिकायत हुई, इसके बाद कुछ लोग बेहोश होने लगे और उनके शरीर में झटके आने लगे। एक साथ परिवार के सात लोगों की तबीयत बिगड़ने से परिजन घबरा गए और मदद के लिए ग्रामीणों को बुलाया। ग्राम सरपंच रिंकू पटेल के अनुसार, ग्रामीणों की सहायता से सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सिहोरा सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. एहतेशाम अंसारी ने मरीजों का प्राथमिक उपचार किया। बताया गया कि दो मरीजों की हालत बेहद गंभीर थी, जबकि पांच अन्य मरीज भी ठीक से बोल नहीं पा रहे थे। स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने सभी सातों मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि रोटियां बनाने में इस्तेमाल किया गया कोदो का अनाज दूषित या विषाक्त हो सकता है। हालांकि, अभी तक बीमारी की वास्तविक वजह सामने नहीं आई है।

संभल में महंत ऋषिराज की पदयात्रा रोकने पर बवाल, बैरियर तोड़कर आगे बढ़े समर्थक; धक्का-मुक्की में सड़क पर गिरे पुलिसकर्मी, एक घंटे तक तनाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

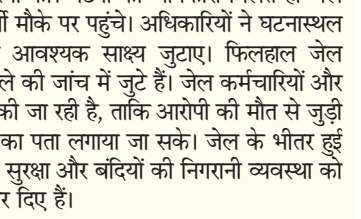
संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में 19 नवंबर को हरिहर मंदिर तक पदयात्रा निकालने के ऐलान के बाद पुलिस और महंत ऋषिराज गिरि के समर्थकों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। कैलादेवी मंदिर से पदयात्रा शुरू करने की कोशिश के दौरान पुलिस ने रास्ते में बैरियर लगाकर भीड़ को रोक दिया। इससे नाराज समर्थकों ने पुलिस के अवरोधक हटाकर फेंक दिए। देखते ही देखते पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस दौरान कई पुलिसकर्मी जमीन पर गिर पड़े। मौके पर नारेबाजी और अफरातफरी का माहौल बन गया। करीब एक घंटे तक चले घटनाक्रम के कारण इलाके में तनाव बना रहा। बाद में अधिकारियों के हस्तक्षेप और बातचीत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कैलादेवी मंदिर परिसर में महंत ऋषिराज गिरि के समर्थकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। महंत ने समर्थकों के साथ हरिहर मंदिर तक पदयात्रा निकालने का ऐलान किया था। इसी को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने पहले से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। मंदिर परिसर और आसपास के रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। मुख्य चौराहे की ओर जाने वाले मार्ग पर बैरियर लगाकर आवाजाही नियंत्रित की जा रही थी। दोपहर में महंत ऋषिराज गिरि अपने समर्थकों के साथ मंदिर परिसर से बाहर निकले और मुख्य चौराहे की तरफ बढ़ने लगे। वहां पहले से मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस की ओर से रास्ता बंद होने की जानकारी दिए जाने के बावजूद समर्थक आगे बढ़ने पर अड़े रहे। इसी दौरान कुछ समर्थकों ने रास्ते में लगाए गए बैरियर हटाकर फेंक दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ने के दौरान सड़क पर अफरातफरी मच गई। पुलिसकर्मियों और समर्थकों के बीच खींचतान हुई, जिसमें कई पुलिसकर्मी जमीन पर गिर गए। मौके पर मौजूद लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी।



समरीन हत्याकांड के मुख्य आरोपी ने लखनऊ जेल में की आत्महत्या, बैरक के बाथरूम में मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ जिला कारागार में बंद समरीन की संदिग्ध मौत के मामले के मुख्य आरोपी और उसके बॉयफ्रेंड अवनीश जायसवाल उर्फ देव की गुरुवार को जेल में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी ने बैरक के बाथरूम में आत्महत्या कर ली। उसका शव तौलिये के सहारे लटका हुआ मिला। जेल में बंदी की मौत की सूचना मिलते ही कारागार प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी और स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी। यह मामला लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित होटल सेलेस्टियल मैन्योर में 24 वर्षीय समरीन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से जुड़ा है। बीते 14 अक्टूबर को समरीन होटल की 10वीं मंजिल से नीचे गिर गई थी। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि घटना वाले दिन समरीन अपने बॉयफ्रेंड अवनीश जायसवाल उर्फ देव के साथ होटल में ठहरी थी। जानकारी के अनुसार, दोनों ने 14 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे होटल में चेक-इन किया था। इसके बाद शाम करीब साढ़े 6 बजे समरीन होटल की 10वीं मंजिल से नीचे गिर गई। घटना के तुरंत बाद अवनीश होटल से फरार हो गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश में कई जगह दबिश दी थी।



दो दिन बाद अदालत में किया था आत्मसमर्पण

समरीन की मौत के मामले में नामजद होने के बाद पुलिस लगातार अवनीश जायसवाल की तलाश कर रही थी। पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच घटना के दो दिन बाद आरोपी ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में लखनऊ जिला कारागार भेज दिया गया था। तब से वह जेल में बंद था। गुरुवार को जेल प्रशासन को बैरक के बाथरूम में आरोपी का शव मिलने की सूचना मिली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उसने तौलिये का फंदा बनाकर आत्महत्या की। घटना की जानकारी मिलते ही जेल अधिकारी और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। फिलहाल जेल प्रशासन और पुलिस मामले की जांच में जुटे हैं। जेल कर्मचारियों और साथी बंदियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि आरोपी की मौत से जुड़ी परिस्थितियों और कारणों का पता लगाया जा सके। जेल के भीतर हुई इस घटना ने कारागार की सुरक्षा और बंदियों की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अखिलेश यादव की गोरखपुर रैली में जेसीबी की टक्कर से किशोर की मौत, 6 नामजद और 60 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान हुए हादसे में 14 वर्षीय किशोर आर्यवर्धन सिंह की मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के पिता ओंकार सिंह श्रीनेत की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। एम्स थाना पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को नामजद करते हुए 50 से 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हादसे में इस्तेमाल की गई जेसीबी के चालक सहित अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। किशोर की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं घटना को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को गोरखपुर में अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की पीडीए रथयात्रा के तहत रोड शो आयोजित किया था। इस कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी ने शहर में अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन



किया। रोड शो को लेकर जगह-जगह स्वागत की तैयारियां की गई थीं। समर्थकों की भीड़ जुटी हुई थी और स्वागत के लिए जेसीबी भी लगाई गई थी। इसी दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। आरोप है कि स्वागत में शामिल जेसीबी की टक्कर से 14 वर्षीय आर्यवर्धन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा उस समय हुआ, जब किशोर अपने घर से पैदल चौराहे की ओर जा रहा था। मृतक के पिता ओंकार सिंह श्रीनेत के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा आर्यवर्धन अपनी बहन समृद्धि को लेने के लिए जा रहा था। इसी दौरान रोड शो के स्वागत में शामिल जेसीबी की चपेट में आने से वह घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। आर्यवर्धन केंद्रीय विद्यालय नंदानगर में कक्षा 10 का छात्र था। वह पढ़ाई कर रहा था और परिवार के साथ रहता था। जिस उम्र में बच्चे अपने भविष्य के सपने संजोते हैं, उसी उम्र में उसकी असमय मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। परिजनों का आरोप है कि रोड शो के दौरान की गई व्यवस्थाओं में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उनका कहना है कि यदि जेसीबी के संचालन और भीड़ के बीच सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। हादसे के बाद झारखंडी मोड़ पर हाईवे जाम, तीन किलोमीटर तक लगी वाहनों की कतार किशोर की मौत के बाद परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। लोगों ने झारखंडी मोड़ पर गोरखपुर-देवरिया हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि इतनी गंभीर घटना होने के बावजूद पुलिस की ओर से तत्काल मुकदमा दर्ज करने और कार्रवाई करने में देरी की जा रही है। लोगों ने जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हाईवे जाम होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बताया गया कि जाम के चलते करीब 3 किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों और मृतक के परिजनों से बातचीत की। काफी देर तक समझाने और कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद रात करीब 8 बजे प्रदर्शन समाप्त कराया गया।इस मामले में मृतक के पिता ओंकार सिंह श्रीनेत की राजनीतिक पहचान भी सामने आई है।

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले आज मारीच का भेष धरकर घूम रहे हैं : सीएम योगी का अखिलेश यादव पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों ने कभी रामभक्तों पर लाठी और गोलियां चलवाई थीं, वही लोग आज राम नाम का जाप कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों की तुलना मारीच से करते हुए कहा कि मारीच का भेष धरकर आने वालों को पहचानने की जरूरत है। सीएम योगी ने कहा कि जय श्रीराम बोलने पर जिन लोगों ने रामभक्तों पर लाठियां बरसाईं और अयोध्या धाम का अपमान किया, उन्हें भी आज राम का नाम याद आने लगा है। अच्छे लोग तो हमेशा भगवान राम का स्मरण करते हैं और भगवान राम भी उनका संरक्षण करते हैं।



लेकिन जब दुर्जनों का अंतिम समय आता है तो उनके मुख से भी राम का नाम निकलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कुछ लोग मारीच का भेष धारण करके सामने आ रहे हैं, इसलिए उन्हें पहचानना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा और वहां से चुनाव लड़ने की चुनौती का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या जाते हैं तो उन्हें चुनौती देते हैं कि अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाइए। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या उनके लिए आस्था का विषय है। अखिलेश यादव चुनाव के लिए नामांकन करें तो वह भी नामांकन कर देंगे और दोनों के बीच आमने-सामने का मुकाबला हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव में सामने से मुकाबला करने की हिम्मत नहीं है। कमजोर व्यक्ति आमने-सामने की लड़ाई नहीं लड़ता, बल्कि पीछे से वार करता है।

सपा को बताया अराजकता और दंगों का दूसरा नाम

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर प्रदेश में अराजकता और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में माफियाओं के बल पर उत्तर प्रदेश को नुकसान पहुंचाया गया। नौजवानों की नौकरियों पर सेंध लगाई गई, व्यापारियों और बेटियों को डराया गया तथा किसानों को भुखमरी के कगार पर छोड़ दिया।

पूर्व विधायक शाहनवाज राणा और उनके दो बेटों पर 75 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप, मुकदमा दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। पूर्व विधायक शाहनवाज राणा एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उन पर 75 लाख रुपये के कारोबारी लेनदेन में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। नई मंडी कोतवाली पुलिस ने स्क्रैप कारोबारी की शिकायत पर शाहनवाज राणा और उनके दो बेटों अब्दुल अहद राणा व शाहआजम राणा के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि फैक्ट्री का मालिक होने का दावा कर कारोबारी को भरोसे में लिया गया और दो अलग-अलग खेपों में लाखों रुपये का लोहे का स्क्रैप व स्पंज आयरन मंगवाने के बाद भुगतान नहीं किया गया। कारोबारी ने बकाया रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है। मामले की शुरुआत सितंबर 2024 से बताई जा रही है। नई मंडी क्षेत्र की भरतिया कॉलोनी निवासी स्क्रैप कारोबारी जितेंद्र चौधरी के मुताबिक, एक विवाह समारोह में उनकी मुलाकात पूर्व विधायक शाहनवाज राणा से हुई थी। बातचीत के दौरान राणा ने उन्हें कारोबार में साथ काम करने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद उन्हें उत्तराखंड के मंगलौर स्थित यूपी बोन मेटल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में बुलाया गया। जितेंद्र चौधरी अपने बेटे भीम चौधरी के साथ फैक्ट्री



पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात शाहनवाज राणा के दोनों बेटों से भी हुई। शिकायत के अनुसार, शाहनवाज राणा ने खुद को फैक्ट्री का मालिक बताते हुए कारोबार से संबंधित दस्तावेज दिखाए और भरोसा दिलाया कि माल की आपूर्ति होने के 20 दिनों के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा। इस भरोसे पर कारोबारी ने सितंबर 2024 में करीब 40 लाख रुपये का लोहे का स्क्रैप और स्पंज आयरन फैक्ट्री में भेजा। इसके बाद नवंबर 2024 में दूसरी खेप के रूप में लगभग 35 लाख रुपये का माल और सप्लाई किया गया। इस प्रकार दोनों खेपों की कुल कीमत करीब 75 लाख रुपये बताई गई है। कारोबारी का आरोप है कि निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। उसने कई बार आरोपियों से बकाया रकम मांगी, लेकिन हर बार उसे टाल दिया गया। लंबे समय तक भुगतान नहीं मिलने पर उसने आरोपियों से सीधे संपर्क कर अपनी रकम वापस मांगने का प्रयास किया। शिकायत में बताया गया है कि 25 अगस्त 2025 को जितेंद्र चौधरी अपने बेटे के साथ बकाया रकम मांगने आरोपियों के आवास पर पहुंचे थे। वहां उन्हें कथित तौर पर जानकारी मिली कि शाहनवाज राणा फैक्ट्री के वास्तविक मालिक नहीं हैं। कारोबारी का दावा है कि फर्जी और कूटरचित दस्तावेज दिखाकर फैक्ट्री का मालिकाना हक जताया गया और इसी आधार पर उनसे लाखों रुपये का माल मंगवाया गया। विरोध करने और बकाया भुगतान की मांग करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। स्क्रैप कारोबारी की शिकायत के आधार पर नई मंडी कोतवाली पुलिस ने शाहनवाज राणा और उनके दोनों बेटों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के मुताबिक, मामले की विवेचना उपनिरीक्षक हरिओम सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अब फैक्ट्री के वास्तविक स्वामित्व, कारोबारी को दिखाए गए दस्तावेजों, स्क्रैप और स्पंज आयरन की आपूर्ति तथा भुगतान से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

शराब छुड़ाने के नाम पर जड़ी-बूटी का काढ़ा पीने से दो की मौत, पांच अस्पताल में भर्ती



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के चिचोली थाना क्षेत्र के पाटाखेड़ा में शराब की लत छुड़ाने के नाम पर पौधे की जड़ से बना लाल रंग का तरल पदार्थ पीने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच की तबीयत बिगड़ गई। मृतकों की पहचान रामकिशोर झाड़े (34) और संजय उइके (22) के रूप में हुई है। बताया गया कि शराब छुड़ाने के लिए लोगों को पौधे की जड़ से तैयार किया गया घोल पिलाया जाता था। बुधवार को भी कुछ लोगों ने इसे पिया, जिसके बाद उन्हें उल्टियां होने लगीं। पुलिस के अनुसार, कुछ लोगों ने एक गिलास तो कुछ ने दो गिलास घोल पिया था। पांच लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने ओझा परते, शरद कवड़े और रमेश उइके के खिलाफ केस दर्ज कर तीनों को हिरासत में लिया है। मौके से पौधे की जड़ का चूरा और लाल तरल पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम और पदार्थ की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

ग्वालियर में शराब से भरा ट्रक पुलिस थाने में घुसा, बाउंड्री वॉल तोड़कर परिसर में पहुंचा; 1500 पेटियां लदी थीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के भितरवार में गुरुवार सुबह करीब 3 बजे शराब से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर सीधे पुलिस थाने में जा घुसा। ट्रक ने थाने की बाउंड्री वॉल तोड़ दी और परिसर के अंदर पहुंच गया। ट्रक में देसी शराब की करीब 1500 पेटियां लदी हुई थीं। गनीमत रही कि हादसे के दौरान कोई पुलिसकर्मी उसकी चपेट में नहीं आया और किसी को चोट नहीं लगी। हालांकि, थाने की दीवार को काफी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार, ट्रक भिंड जिले से देसी शराब लेकर शिवपुरी जिले के पिछोर जा रहा था। ट्रक को सुबह 3 बजकर 21 मिनट पर पिछोर पहुंचना था, लेकिन वह निर्धारित समय से पीछे चल रहा था। बताया जा रहा है कि देरी होने के कारण चालक ने ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी थी। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और भितरवार पुलिस थाने की बाउंड्री वॉल से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि दीवार टूट गई और ट्रक सीधे थाना परिसर में जा पहुंचा। अचानक हुई इस घटना से थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। आवाज सुनकर पुलिसकर्मी बाहर आए तो परिसर में शराब से भरा ट्रक खड़ा मिला।चालक की पहचान सीहोर निवासी नरेश गिरी के रूप में हुई है।



30 दिन के मासूम के पेट में पल रहा था दूसरा बच्चा, डॉक्टरों ने 4 घंटे की जटिल सर्जरी कर निकाला आधा किलो का भ्रूण; इंदौर में दुर्लभ मामला

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर से चिकित्सा जगत को हैरान कर देने वाला एक बेहद दुर्लभ मामला सामने आया है। यहां महज 30 दिन के नवजात बच्चे के शरीर के अंदर एक दूसरा अविकसित भ्रूण मौजूद था। जिस बच्चे ने अभी दुनिया में अपनी जिंदगी की शुरुआत ही की थी, उसके शरीर के भीतर एक और भ्रूण विकसित हो रहा था। इस असामान्य स्थिति का पता गर्भावस्था के दौरान ही चल गया था, लेकिन बच्चे के जन्म के बाद जब विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उसकी जांच की तो सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। इंदौर के शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने करीब चार घंटे तक चली जटिल सर्जरी के बाद नवजात के शरीर से लगभग आधा किलो वजन का अविकसित भ्रूण बाहर निकाल दिया। इस भ्रूण में हाथ-पैर, जननांग और रीढ़ की हड्डी का कुछ हिस्सा तक विकसित हो चुका था। फिलहाल सफल ऑपरेशन के बाद मासूम को अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा कक्ष (एनआईसीयू) में रखा गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उसकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। यह पूरा मामला जूनी इंदौर निवासी कुनाल वर्मा और दीपमाला के बेटे अयांश से जुड़ा है। अयांश के जन्म से पहले ही उसके माता-पिता को इस असामान्य स्थिति की जानकारी मिल गई थी।



गर्भावस्था के आठवें महीने में जब चिकित्सकों ने जांच की तो उन्हें मां के गर्भ में पल रहे बच्चे के शरीर के अंदर एक अन्य अविकसित भ्रूण दिखाई दिया। यह स्थिति सामान्य गर्भावस्था से अलग थी। जांच में सामने आया कि एक भ्रूण के शरीर के भीतर दूसरा भ्रूण मौजूद है। इसके बाद डॉक्टरों ने परिजनों को स्थिति की गंभीरता और आगे की चिकित्सकीय प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। बच्चे के जन्म के बाद परिजन उसे उपचार के लिए इंदौर के शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नवजात की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। डॉक्टरों के सामने चुनौती केवल शरीर के अंदर मौजूद भ्रूण को निकालने की नहीं थी, बल्कि नवजात के दूसरे महत्वपूर्ण अंगों को सुरक्षित रखना भी बेहद जरूरी था। महज 30 दिन के बच्चे का शरीर अत्यंत संवेदनशील होता है। ऐसे में इतने बड़े आकार की असामान्य संरचना को निकालने के लिए विशेष सावधानी और विशेषज्ञता की जरूरत थी। चिकित्सकों ने आवश्यक जांच और स्थिति का आकलन करने के बाद सर्जरी का निर्णय लिया। इसके लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की संयुक्त टीम तैयार की गई और ऑपरेशन की पूरी योजना बनाई गई। डॉक्टरों ने इस बात का विशेष ध्यान रखा कि सर्जरी के दौरान नवजात के शरीर के दूसरे अंगों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे।

4 नवंबर को हुआ ऑपरेशन, साढ़े तीन से चार घंटे तक चली जटिल प्रक्रिया

जानकारी के अनुसार, 4 नवंबर को शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग की टीम ने अयांश का ऑपरेशन किया। डॉ. अशोक के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संयुक्त टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। ऑपरेशन करीब साढ़े तीन से चार घंटे तक चला। इस दौरान डॉक्टरों ने नवजात के शरीर के अंदर मौजूद अविकसित भ्रूण को सावधानीपूर्वक अलग कर बाहर निकाला। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को जो संरचना मिली, वह अपने आप में काफी असामान्य थी। शरीर के अंदर मौजूद भ्रूण का वजन लगभग आधा किलो बताया गया है। इसमें दो हाथ, दो पैर, जननांग और रीढ़ की हड्डी का कुछ हिस्सा विकसित हो चुका था। इतनी कम उम्र के नवजात के शरीर में इस तरह का अविकसित भ्रूण मौजूद होना चिकित्सा विज्ञान की दुर्लभ स्थितियों में शामिल है। डॉक्टरों के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौती यह थी कि भ्रूण को निकालते समय बच्चे के आसपास मौजूद आंतरिक अंग सुरक्षित रहें। नवजात की उम्र और शरीर की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरी सर्जरी अत्यंत सावधानी से की गई। करीब चार घंटे की मेहनत के बाद चिकित्सकों ने भ्रूण को सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया। इस ऑपरेशन के बाद अयांश को विशेषज्ञ निगरानी में रखा गया है।

क्या है फीटस-इन-फीटू? आखिर कैसे एक बच्चे के शरीर में पलने लगता है दूसरा भ्रूण

चिकित्सा विज्ञान में इस दुर्लभ जन्मजात स्थिति को फीटस-इन-फीटू कहा जाता है। सामान्य भाषा में इसे बच्चे के शरीर के अंदर बच्चा होने की स्थिति के रूप में जाना जाता है। यह कोई सामान्य गांठ या ट्यूमर नहीं होता, बल्कि गर्भावस्था के शुरुआती चरण में भ्रूण के विकास के दौरान होने वाली एक असामान्य प्रक्रिया है। दरअसल, जब गर्भ में जुड़वां भ्रूण विकसित हो रहे होते हैं, तब कभी-कभी उनके विकास की प्रक्रिया में असामान्यता आ जाती है। ऐसी स्थिति में एक भ्रूण दूसरे भ्रूण के शरीर के भीतर फंसकर विकसित होने लगता है। इसके कारण अंदर मौजूद भ्रूण सामान्य तरीके से विकसित नहीं हो पाता और दूसरे भ्रूण के शरीर के अंदर ही अविकसित अवस्था में मौजूद रहता है। इस स्थिति में अंदर मौजूद भ्रूण के कुछ शारीरिक अंग और संरचनाएं विकसित हो सकती हैं। कई मामलों में हाथ-पैर और रीढ़ की हड्डी जैसी संरचनाएं भी देखने को मिलती हैं। हालांकि, यह सामान्य जुड़वां गर्भावस्था से बिल्कुल अलग स्थिति होती है। इसमें अंदर मौजूद भ्रूण स्वतंत्र रूप से सामान्य बच्चे की तरह विकसित नहीं हो पाता।फीटस-इन-फीटू की पहचान कई बार बच्चे के जन्म के बाद होती है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
20 नवंबर 2026

दादा के बैंक खाते से पोते ने उड़ाए 29 लाख रुपये, दोस्त संग मनाली-नैनीताल में की मौज-मस्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पोते ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपने ही दादा के बैंक खाते से 29 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली। आरोपियों ने यह पैसा अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किया और फिर पार्टियों, घूमने-फिरने तथा महंगी खरीदारी में खर्च कर दिया। पुलिस ने पोते अभिषेक राघव और उसके दोस्त तुषार चौधरी को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ठगी की रकम से खरीदी गई एक पोलो कार और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। मामले की शिकायत आरोपी अभिषेक के पिता अश्वनी राघव ने दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके 87 वर्षीय पिता जगदीश सिंह भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त हैं। उनके बैंक खाते से लगातार संदिग्ध लेनदेन हो रहे थे और बड़ी रकम निकाली जा रही थी। शिकायत के बाद ईस्ट डिस्ट्रिक्ट साइबर थाना पुलिस ने बैंक खातों, केवाईसी दस्तावेजों और लेनदेन की जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि खाते से 9 लाख 26 हजार 892 रुपये अभिषेक राघव के बैंक खाते में और 20 लाख 24 हजार रुपये तुषार चौधरी के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। बैंक लेनदेन से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने बुलंदशहर में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक राघव खुर्जा से बीए-एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। उसका मोबाइल नंबर दादा के बैंक खाते से जुड़ा हुआ था। इसी का फायदा उठाकर उसने अपने दोस्त तुषार के साथ मिलकर रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर की। तुषार की उम्र 22 साल है और वह खुर्जा से नर्सिंग का कोर्स कर रहा है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने ठगी की रकम से मनाली, नैनीताल और ओडिशा की सैर की। नोएडा में दोस्तों के साथ पार्टियां कीं और महंगे शौक पूरे किए। दोनों ने ठगी के पैसों से 2 लाख 75 हजार रुपये में एक पोलो कार खरीदी और उसमें 1 लाख 25 हजार रुपये का महंगा म्यूजिक सिस्टम भी लगवाया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस ठगी की पूरी रकम का पता लगाने में जुटी है। दोनों आरोपियों के बैंक खातों और लेनदेन की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस मामले में उनके अलावा कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। इस घटना ने परिवार के भीतर भरोसे और बुजुर्गों के बैंक खातों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली में तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मारने के बाद 6 और लोगों को रौंदा, दो की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कश्मीरी गेट इलाके में युधिष्ठिर सेतु पर 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात तेज रफ्तार कार ने पहले एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद चालक ने रुकने के बजाय भागने की कोशिश की और रास्ते में छह अन्य लोगों को भी टक्कर मार दी। हादसे में कुल आठ लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आरोपी कार चालक अब तक फरार है। जानकारी के अनुसार, कार काफी तेज रफ्तार में थी। युधिष्ठिर सेतु पर चालक ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह मौके पर रुकने के बजाय कार लेकर भागने लगा। इसी दौरान रास्ते में छह और लोग उसकी चपेट में आ गए। कुछ दूरी पर जाकर कार रुक गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सभी आठ घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने शुरुआत में लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में मामला दर्ज किया था। हालांकि, उपचार के दौरान दो लोगों की मौत होने के बाद प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 भी जोड़ दी गई है। पुलिस के सामने अब फरार चालक को पकड़ने की चुनौती है। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।



मृत ग्राहकों के बैंक खातों में सेंध, महिला कर्मचारी ने कथित तौर पर निकाले 2.3 करोड़ रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा में 2.3 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बैंक की एक महिला कर्मचारी ने मृत ग्राहकों के निष्क्रिय खातों को बिना अनुमति संचालित कर उनमें जमा रकम निकाल ली और अपने माता-पिता व परिचितों से जुड़े बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। बैंक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी महिला कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है। बैंक के मुख्य प्रबंधक ने सफदरजंग एन्क्लेव थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, महिला कर्मचारी 23 जून 2023 से 15 अप्रैल 2026 तक सरकारी अस्पताल स्थित बैंक शाखा में तैनात थी। इसके बाद उसका तबादला दूसरी शाखा में कर दिया गया, जहां उसने 16 अप्रैल से 6 जुलाई तक काम किया। 7 जुलाई को उसने क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यभार संभाला और अगले दिन उसे निलंबित कर दिया गया। मामले का खुलासा 6 जुलाई को हुआ, जब एक व्यक्ति खुद को मृत खाताधारक का कानूनी वारिस बताकर बैंक पहुंचा और खाते की जानकारी मांगी। वह जरूरी दस्तावेज पेश नहीं कर सका, इसलिए बैंक अधिकारियों ने जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसके बाद संबंधित खाते की जांच की गई तो उसमें संदिग्ध लेनदेन और अनधिकृत गतिविधियां सामने आईं। बैंक की शुरुआती जांच में आरोप लगा कि महिला कर्मचारी ने मृत ग्राहकों के निष्क्रिय खातों को बिना अनुमति संचालित किया और उनमें जमा रकम अलग-अलग खातों में भेज दी। शिकायत के अनुसार, करीब 34.3 लाख रुपये एक खाते में 50 अलग-अलग लेनदेन के जरिए ट्रांसफर किए गए। दूसरे खाते में तीन लेनदेन के माध्यम से करीब 18.9 लाख रुपये भेजे गए। इसके अलावा दो अन्य खातों में 19.9 लाख और 26.6 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। जांच में एक अन्य बैंक के माध्यम से 78,579 रुपये ट्रांसफर किए जाने और करीब 33.1 लाख रुपये 14 लेनदेन के जरिए विभिन्न सावधि जमा तथा अन्य खातों में भेजे जाने की बात भी सामने आई है। बैंक का आरोप है कि महिला कर्मचारी ने अपने आधिकारिक अधिकारों का दुरुपयोग कर यह रकम निकाली और संदिग्ध लेनदेन छिपाने का प्रयास किया। बैंक ने शिकायत में यह भी दावा किया है कि महिला कर्मचारी ने लिखित बयान में अनधिकृत लेनदेन करने की बात स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब पूरे लेनदेन, संबंधित बैंक खातों और रकम के इस्तेमाल की जांच कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 25 हजार से अधिक वाहनों के चालान; 2,446 औद्योगिक इकाइयां बंद या सील

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने वाहनों, औद्योगिक इकाइयों और निर्माण स्थलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। नवंबर के शुरुआती 17 दिनों में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना चल रहे 25,610 वाहनों के चालान काटे गए, जबकि बीएस-6 मानक से नीचे के 30,742 वाहनों को दिल्ली की सीमा से वापस भेज दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कुल 5.42 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा प्रदूषण फैलाने वाली 2,446 औद्योगिक इकाइयों को बंद या सील किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों और आगे की कार्ययोजना का ब्योरा पेश किया। सरकार के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। जनवरी से 16 नवंबर तक 41,659 पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को जब्त किया गया, जबकि 64,800 वाहनों को कबाड़ में भेजा गया। पिछले 12 महीनों में स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली (एएनपीआर) कैमरों की मदद से बीएस-3 या उससे नीचे के मानकों वाले 7,055 पुराने वाहनों की पहचान की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि दिल्ली के प्रवेश मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जाए और नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान के लिए तकनीक का अधिक प्रभावी इस्तेमाल किया जाए। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी बताया कि प्रत्येक वाहन की मैन्युअल जांच करने से प्रवेश मार्गों पर यातायात जाम की समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा रात के समय छोटे और वैकल्पिक रास्तों से दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों पर निगरानी रखना भी चुनौती बना हुआ है। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली के 154 प्रवेश मार्गों पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो प्रणाली लागू करने की तैयारी की जा रही है। इस व्यवस्था में नौ राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 20 प्रमुख टोल पॉइंट शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पार्किंग सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

2,446 औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई

प्रदूषण नियंत्रण अभियान के तहत औद्योगिक क्षेत्रों में भी बड़े स्तर पर जांच की गई है। सरकार के अनुसार, निर्धारित औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित 709 अवैध और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद कराया गया है। वहीं, गैर-निर्धारित औद्योगिक क्षेत्रों में 11,415 इकाइयों का सर्वे किया गया। इस सर्वे में 1,762 इकाइयां वायु प्रदूषण और 684 इकाइयां जल प्रदूषण फैलाती पाई गईं। इन दोनों श्रेणियों की कुल 2,446 इकाइयों को बंद या सील कर दिया गया है। औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने ऑनलाइन निरंतर उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के नियमों के पालन की जानकारी दी। समीक्षा में सामने आया कि कुल 76 औद्योगिक इकाइयों ने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाए हैं। इनमें से 75 इकाइयों के उपकरण निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रमाणित किए गए हैं। सरकार का जोर है कि उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित तकनीकी व्यवस्थाओं का नियमित संचालन और निगरानी सुनिश्चित की जाए।

निर्माण और तोड़फोड़ स्थलों पर भी सख्ती

दिल्ली में निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए भी निरीक्षण अभियान चलाया गया। 1 से 17 नवंबर के बीच निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े 8,874 स्थलों का निरीक्षण किया गया।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 में जबरन घुसने की कोशिश, सीआईएसएफ जवानों ने चंद सेकंड में पकड़ा संदिग्ध

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-3 पर सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। यहां बुधवार देर रात एक व्यक्ति ने बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के डिपार्चर गेट से जबरन अंदर प्रवेश करने का प्रयास किया। हालांकि, ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की सतर्कता के चलते उसकी कोशिश नाकाम हो गई। जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की मदद से संदिग्ध को कुछ ही सेकंड में पकड़ लिया। सीआईएसएफ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, घटना टर्मिनल-3 के डिपार्चर गेट पर हुई। यहां यात्रियों के प्रवेश और सुरक्षा जांच की जिम्मेदारी संभाल रहे जवान नियमित निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक ऐसे व्यक्ति पर पड़ी, जो बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के टर्मिनल के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध नजर आने पर जवानों ने तुरंत सतर्कता बरती और उसे रोकने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। स्थिति को देखते हुए मौके पर तैनात जवानों ने तत्काल क्विक रिस्पांस टीम को सूचना दी। इसके बाद जवानों ने आपसी तालमेल के साथ संदिग्ध को घेर लिया और कुछ ही सेकंड में उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। इस त्वरित कार्रवाई के कारण व्यक्ति को टर्मिनल के भीतर जबरन प्रवेश करने का मौका नहीं मिला। सीआईएसएफ की मुस्तैदी से एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में संभावित चूक टल गई। सीआईएसएफ ने इस कार्रवाई की जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की है। बल की ओर से बताया गया कि जवानों की सतर्कता, पेशेवर कार्यशैली और तत्काल प्रतिक्रिया देने की क्षमता के कारण संदिग्ध को समय रहते पकड़ लिया गया। एयरपोर्ट जैसे संवेदनशील स्थान पर प्रवेश से जुड़े नियमों का पालन कराना सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बिना वैध दस्तावेजों के प्रवेश का प्रयास सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना जाता है। दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट देश के प्रमुख हवाई अड्डों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री आते-जाते हैं। ऐसे में टर्मिनल के प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा जांच और निगरानी की विशेष व्यवस्था रहती है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों के दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ प्रवेश द्वारों पर होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रखते हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर संबंधित सुरक्षा टीम को सक्रिय किया जाता है, ताकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।सीआईएसएफ ने अपनी पोस्ट में जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई को एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए अहम बताया।

दुबई से चल रहा था साइबर ठगी का नेटवर्क, 12 हजार सिम कार्ड बरामदगी का खुलासा; एक सिम के मिलते थे 8 हजार रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पिंपरी-चिंचवड़। दुबई में बैठकर भारत में साइबर ठगी का नेटवर्क चला रहे अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस जांच में 10 से 12 हजार सक्रिय सिम कार्ड के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। आरोप है कि एक सिम कार्ड के बदले 7 से 8 हजार रुपये तक दिए जाते थे। इस मामले में मुख्य आरोपी सहित अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरोह के तार चीन के एक नागरिक से भी जुड़े मिले हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत तुषार अमराराम चौधरी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से हुई थी। जांच के दौरान उसके साथी आदर्श संतोष वाघमारे को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दुबई से संचालित साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क की जानकारी सामने आई। जांच में मुख्य आरोपी सुमंत की भूमिका उजागर हुई, जो चीन के एक नागरिक के साथ मिलकर गिरोह चला रहा था। पुलिस ने मुंबई से दो सिम डिस्ट्रीब्यूटर्स मनीष बावधा और महेश कन्हैयालाल चौइथरामानी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने मुख्य आरोपी को 10 से 12 हजार सक्रिय सिम कार्ड उपलब्ध कराए थे। इसके अलावा सूरज चिकावा और राजा कुमार की भूमिका भी सामने आई है। बताया गया है कि ये लोग छतरी लगाकर सिम बेचते थे और ग्राहकों को सिम सक्रिय नहीं होने की बात कहकर गुमराह करते थे। इसके बाद ग्राहकों के नाम पर जारी सिम कार्ड गिरोह तक पहुंचा दिए जाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि इन सिम कार्ड का इस्तेमाल फर्जी कॉल करने, नकली आवेदन पंजीकृत कराने, बैंक खातों को जोड़ने और फर्जी ई-मेल आईडी बनाने में किया जाता था। आरोपियों ने सिम कार्ड दुबई पहुंचाने के लिए 25 से 30 बार यात्रा की। पुलिस के मुताबिक, सिम कार्ड को बबल्स प्लास्टिक में लपेटकर दुबई ले जाया जाता था।पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, विदेश में मौजूद सहयोगियों और ठगी की रकम के लेन-देन की जांच कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त रोहिदास पवार और सहायक पुलिस आयुक्त रोहिणी बाणकर के मार्गदर्शन में की गई।

मुंबई में दाऊद इब्राहिम के पुराने ठिकाने मुसाफिरखाने पर बुलडोजर कार्रवाई रुकी, बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। मुंबई के भिंडी बाजार इलाके में स्थित हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाने को गिराने की कार्रवाई पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने गुरुवार सुबह बुलडोजर और भारी मशीनों की मदद से इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इस दौरान इमारत के कुछ हिस्सों को तोड़ भी दिया गया, लेकिन दोपहर में हाईकोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई रोक दी गई। अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। यह मामला मुंबई के भिंडी बाजार क्षेत्र की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित पुराने मुसाफिरखाने से जुड़ा है। इस इमारत का नाम मुंबई के अंडरवर्ल्ड के इतिहास से भी जुड़ा रहा है। बताया जाता है कि कभी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका परिवार इसी इमारत में रहा करता था। इसी वजह से यह इमारत लंबे समय से चर्चा में रही है। अब इसे गिराने की बीएमसी की कार्रवाई और उस पर अदालत की रोक के बाद यह मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। जानकारी के अनुसार, बीएमसी की टीम गुरुवार सुबह बुलडोजर और अन्य भारी मशीनों के साथ मुसाफिरखाने पहुंची थी। इसके बाद इमारत को गिराने का काम शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान भवन के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया और तोड़फोड़ की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी। इसी बीच मामले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगाते हुए संबंधित पक्षों को मौजूदा स्थिति में किसी तरह का बदलाव नहीं करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद बीएमसी की ओर से चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई रोक दी गई। अब इमारत को लेकर आगे का फैसला अदालत में होने वाली सुनवाई और संबंधित पक्षों की दलीलों के आधार पर होगा। यथास्थिति बनाए रखने के आदेश का मतलब है कि फिलहाल इमारत के मौजूदा स्वरूप में कोई और बदलाव नहीं किया जा सकेगा। पाकमोडिया स्ट्रीट और भिंडी बाजार का इलाका मुंबई के पुराने और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में शामिल है। यहां कई पुरानी इमारतें और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ी जगहें मौजूद हैं। हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना भी इन्हीं इमारतों में से एक है। दाऊद इब्राहिम और उसके परिवार के यहां रहने की वजह से इस इमारत को लेकर लोगों की दिलचस्पी बनी रही है। हालांकि, मौजूदा विवाद का केंद्र बीएमसी की तोड़फोड़ की कार्रवाई और उसे लेकर अदालत में पहुंचा मामला है। फिलहाल हाईकोर्ट ने इस इमारत को गिराने पर अंतरिम रोक लगाकर सभी पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। अदालत में मामले की आगे सुनवाई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बीएमसी की तोड़फोड़ की कार्रवाई दोबारा शुरू होगी या इमारत को लेकर कोई दूसरा फैसला जाएगा। फिलहाल बुलडोजर कार्रवाई रुकने के बाद मुसाफिरखाने का भविष्य अदालत के अगले आदेश पर निर्भर करेगा।

आईएएस तुकाराम मुंढे का एक्शन, मुंबई के 9 नामी रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्यव्यापी कार्रवाई की है। आईएएस अधिकारी और एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में दक्षिण मुंबई के 9 प्रसिद्ध रेस्टोरेंट सहित कुल 12 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा राज्य के अलग-अलग जिलों में छापेमारी और निरीक्षण के दौरान करीब 1.27 करोड़ रुपये मूल्य का खाद्य सामान जब्त किया गया है। प्रशासन ने नियमों का पालन नहीं करने वाले कई विक्रेताओं को कारोबार बंद करने के नोटिस भी जारी किए हैं। एफडीए की टीम ने 17 नवंबर को दक्षिण मुंबई के नौ प्रसिद्ध रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान कई जगहों पर खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कहीं खाद्य पदार्थ खुले में रखे मिले तो कहीं रसोई में गंदगी और खराब भंडारण व्यवस्था पाई गई। कुछ स्थानों पर कीड़े-मकौड़ों और चूहों की मौजूदगी भी सामने आई। इसके अलावा कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने जैसी कमियां भी मिलीं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32(3) के तहत इन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। कार्रवाई की जद में आने वाले रेस्टोरेंट में कोलाबा का कैफे आइडियल, फोर्ट का चेतना रेस्टोरेंट, मियान कबाब्स, कफ परेड का बेरोट, चर्चगेट का नेचुरल आइसक्रीम, श्रीयोग रेस्टोरेंट, नरीमन पॉइंट का गुप्ता फ्रूट जूस सेंटर, प्रकाश डोसा और कोलाबा का सौरभ होटल्स शामिल हैं। लाइसेंस निलंबित रहने के दौरान संबंधित प्रतिष्ठान खाद्य पदार्थों की खरीद, बिक्री और वितरण नहीं कर सकेंगे। कोकण विभाग के ठाणे जिले में भी तीन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इनमें पांचपाखाड़ी स्थित ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, जीबी रोड स्थित ब्रोदयामा फूड्स एलएलपी और मुंब्रा का सागर स्वीट एंड बेकरी शामिल है। पुणे के मावल में एफडीए ने एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के यहां कार्रवाई करते हुए 20,085 लीटर घटिया और भ्रामक लेबल वाले खाद्य तेल को जब्त किया। इसकी कीमत 50.27 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। वहीं, नागपुर के वैशाली नगर में चापरे रोस्टिंग वर्क और न्यू माधव रोस्टिंग पर छापेमारी के दौरान 25,357 किलोग्राम मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई सुपारी जब्त की गई। इसकी कीमत करीब 75.19 लाख रुपये आंकी गई है। पुणे की माणिकबाग खाऊ गली में चलाए गए 'ईट राइट स्ट्रीट' अभियान के तहत भी कार्रवाई की गई। यहां बिना लाइसेंस और अस्वच्छ परिस्थितियों में कारोबार कर रहे छह खाद्य विक्रेताओं को व्यवसाय बंद करने का नोटिस दिया गया। सोलापुर जिले के अकलूज में मातेश्वरी कैटरर्स के यहां से 144 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त की गई।

दिल्ली के लाजपत नगर की इमारत में भीषण आग से मचा हड़कंप, एक कर्मचारी की मौत; दूसरा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के दक्षिणी इलाके लाजपत नगर-2 में स्थित एक इमारत में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग की चपेट में आने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के समय इमारत में कई लोग मौजूद थे, जिन्हें पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, आग लाजपत नगर-2 की जी-5 बिल्डिंग में लगी थी। इस इमारत में एक मीडिया हाउस संचालित है। बताया जा रहा है कि आग बिल्डिंग के बेसमेंट में लगी और देखते ही देखते वहां धुआं फैलने लगा। आग और धुएं के कारण इमारत के अंदर मौजूद लोगों में घबराहट फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद दमकल की गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ ही इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम भी किया। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमों ने समन्वय के साथ बचाव अभियान चलाया। इस दौरान आग की चपेट में आने से दो कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने गौरव नाम के कर्मचारी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे कर्मचारी प्रेम सिंह की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में एक कर्मचारी की मौत की खबर से उसके परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, जी-5 बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई थीं। आग बुझाने के साथ इमारत में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने को प्राथमिकता दी गई। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बेसमेंट में आग किस वजह से लगी और हादसे के समय वहां सुरक्षा के क्या इंतजाम थे। गौरतलब है कि दिल्ली में आग लगने की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। इससे पहले बाहरी दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार तड़के एक गोदाम में आग लग गई थी।

एंथ्रोपिक ने आईपीओ से रचा इतिहास, निवेशकों का एआई पर गहरा भरोसा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ पेश कर शेयर बाजार में इतिहास रचा है। निवेशकों की जबरदस्त मांग के चलते कंपनी के शेयर शुरुआती अनुमानित मूल्य 70-78 डॉलर से कहीं अधिक, 83 डॉलर प्रति शेयर पर अलॉट किए गए हैं। यह एआई तकनीक में बढ़ते वैश्विक भरोसे का स्पष्ट संकेत है, हालांकि कंपनी के सामने अब भी कई बड़ी चुनौतियां हैं।

नैस्डैक पर एएनटी टिकर के तहत कारोबार शुरू करने जा रहे एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड, विशेषकर क्लॉड कोड की सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के बीच लोकप्रियता ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 तक उसका सालाना राजस्व रन रेट 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और 1 लाख डॉलर से अधिक राजस्व वाले ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। हालांकि, इस अभूतपूर्व वृद्धि के साथ बड़ी लागतें भी जुड़ी हैं। एआई मॉडल बनाने और चलाने के लिए आवश्यक विशाल कंप्यूटिंग क्षमता व डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। 2026 की पहली छमाही में लगभग 9 अरब डॉलर और तीसरी तिमाही में 5 अरब डॉलर के खर्च के कारण कंपनी को तीसरी तिमाही में 567 मिलियन डॉलर का ऑपरेटिंग लॉस हुआ। अमेज़ॉन व गूगल के साथ 900 अरब डॉलर के कंप्यूटिंग खर्च की प्रतिबद्धता भविष्य में भी बड़े निवेश की आवश्यकता दर्शाती है। साथ ही, एंथ्रोपिक को एआई सुरक्षा व तकनीक के तेजी से विकास से जुड़े सवालों से भी निपटना है। अब निवेशकों की नजर नैस्डैक पर एंथ्रोपिक के शेयरों की लिस्टिंग और उनके शुरुआती प्रदर्शन पर टिकी है।

कार्नेलियन का फ्लेक्सी कैप फंड जल्द,निवेशकों को मिलेगा निवेश का मौका

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, 500 रुपए से शुरू कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खुशखबरी! कार्नेलियन म्यूचुअल फंड एक नई फ्लेक्सी कैप स्कीम कार्नेलियन फ्लेक्सी कैप फंड लाने की तैयारी में है।

इसके लिए ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए गए हैं। यह फंड निवेशकों को विभिन्न बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश का व्यापक अवसर प्रदान करेगा। यह एक ओपन-एंडेड स्कीम होगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक अपनी सुविधा अनुसार इसमें कभी भी पैसा लगा या निकाल सकते हैं। फंड मैनेजर के पास बाजार की परिस्थितियों के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों के बीच निवेश आवंटित करने का पूरा लचीलापन होगा। निवेशक इस स्कीम में न्यूनतम 500 रुपये से शुरुआत कर सकेंगे, जिसके बाद एक रुपये के गुणक में अतिरिक्त निवेश संभव होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की न्यूनतम राशि भी 500 रुपये रखी गई है, जिसमें दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और तिमाही जैसे कई विकल्प उपलब्ध होंगे। दैनिक एसआईपी के लिए कम से कम 30 किस्तों और अन्य विकल्पों के लिए 12 किस्तों की आवश्यकता होगी।

चंदा कोछड़ को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने मुकदमे की मंजूरी रद्द की

निदेशक मंडल को नहीं था अधिकार, आरबीआई के पास है मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का हक

नई दिल्ली ।

बंबई उच्च न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोछड़ को वीडियोकॉन ऋण मामले में बड़ी राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए बैंक के निदेशक मंडल द्वारा दी गई मंजूरी को रद्द कर दिया है, यह कहते हुए कि यह अधिकार निदेशक मंडल के पास नहीं बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास था। अदालत ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत किसी बैंक के प्रबंध निदेशक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अधिकार बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है, न कि बैंक के निदेशक मंडल के पास। न्यायालय ने यह भी पाया कि 15 मई, 2023 के मंजूरी आदेश में तथ्यों पर उचित विचार नहीं किया गया था और सबूतों की स्वतंत्र जांच नहीं हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, उच्च न्यायालय ने मंजूरी और मामले में विशेष सीबीआई अदालत की ओर से की गई आगे की सभी कार्रवाइयों को रद्द कर दिया। सीबीआई की ओर से इस फैसले पर 8 सप्ताह की रोक लगाने की मांग को भी अदालत ने खारिज कर दिया। चंदा कोछड़ ने पीसी एक्ट की धारा 19 के तहत दी गई इस मंजूरी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 989, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज वाहन और बैंक शेयरों में में हुई खरीदारी से भी बाजार को बल मिल मिला। विदेशी फंड्स की लगातार आवक और कमोडिटी की कीमतों में नरमी से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 989.94 अंक उछलकर 83,021.75 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 286.35 अंक बढ़कर 25,514.30 पर बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी के शेयर 7.58 फीसदी उछले। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा , एक्सिस बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर , भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी तरफ, आईटी शेयरों में गिरावट रही। , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। बाजार की इस तेजी के पीछे विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 5,866.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

वहीं आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई एएसएफ कंपोजिट और हॉन्गकॉन्ग



का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी ज्यादातर तेजी रही।

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो उसमें मिला-जुला रुख रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1.11 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 में 0.23 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.42 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आप सुबह भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिल रहा। बेंचमार्क इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में गिर गया है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 81700 के नीचे फिसल गया है। निफ्टी भी कमजोरी के चलते 25100 तक फिसला।

सोने के भाव में गिरावट,चांदी भी फिसली

सोने का भाव 1,28,858, चांदी का भाव लगभग 1,60,325 रुपए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर में लगातार मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी की आशंका से सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। खबर लिखे जाने के समय दोनों के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,494 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,320 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,814 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 956 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,858 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,59,700 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,401 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,325 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,60,734 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 997 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,737 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के भाव सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,730.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,741.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 26.80 डॉलर की गिरावट के साथ 3,715.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईपीएफओ की नई योजना, रिटायरमेंट के बाद पीएफ किस्तों में मिलेगा

- सेवानिवृत्ति के बाद भी खाते में रहेगा पैसा, मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली।

रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा एक साथ निकालने के बजाय अब धीरे-धीरे निकालने की सुविधा मिल सकती है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इसके लिए सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) लाने पर विचार कर रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके पैसे पर ब्याज मिलता रहेगा और नियमित आय सुनिश्चित होगी। ईपीएफओ रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने के लिए अपने सदस्यों को अधिक विकल्प देने की तैयारी में है। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी योजना के तहत, कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पीएफ खाते से किस्तों में पैसा निकाल सकेंगे। यह मौजूदा व्यवस्था से अलग होगा, जहां कर्मचारी 55 साल की उम्र में रिटायर होने पर पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकते हैं। एसडब्ल्यूपी से यह सुनिश्चित होगा कि रिटायरमेंट के बाद भी आपका फंड निवेशित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, जिससे आपको नियमित आय का विकल्प मिलेगा। इन अहम प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 19 नवंबर को होने वाली है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान बदला, लार्जकैप फंडों ने स्मॉलकैप को पछाड़ा

बीते एक महीने में लार्जकैप फंडों ने दिया 9.8 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली ।

बीते एक महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लार्जकैप फंडों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में लार्जकैप फंडों ने जहां 9.8 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, वहीं स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें केवल 0.7 फीसदी का रिटर्न मिला। मिडकैप फंडों ने 4 फीसदी का रिटर्न दर्ज किया। रिटर्न के साथ-साथ, निवेशकों के रुझान में भी स्पष्ट बदलाव आया है, जिसमें लार्जकैप फंडों में शुद्ध निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि स्मॉलकैप फंडों से निवेश घटा है। अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते एक महीने में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की और भारतीय इक्विटी फंड का औसत प्रदर्शन 6 फीसदी रहा। इसके विपरीत, वैश्विक इक्विटी फंड और सोने-चांदी में निवेश करने वाले फंडों में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि लार्जकैप म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 9,634 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,887 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 44 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, स्मॉलकैप फंड में शुद्ध निवेश 8,071 करोड़ रुपये से घटकर 5,152 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें लगभग 36 फीसदी की गिरावट आई। जानकारों का मानना है कि इस



तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी और उनका बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित ध्यान एक प्रमुख वजह रहा। वैश्विक स्तर पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)से जुड़ी कंपनियों में अत्यधिक निवेश पर सवाल उठने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं ने सोने-चांदी जैसी परिसंपत्तियों पर दबाव डाला।

ऐसे माहौल में निवेशकों ने भारत जैसे उभरते बाजारों का रुख किया, जहाँ उन्हें स्थिर बड़ी कंपनियों में निवेश सुरक्षित लगा।

डीएसपी और यूनियन म्यूचुअल फंड में आईडीसीडब्ल्यू का ऐलान, मिलेगा आय वितरण

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। डीएसपी म्यूचुअल फंड और यूनियन म्यूचुअल फंड ने अपनी दो लोकप्रिय स्कीम्स में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) के तहत भुगतान करने की घोषणा की है। यह कदम निवेशकों को आय वितरण का एक अवसर प्रदान करेगा। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने अपनी डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट, दोनों प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.55 रुपये प्रति यूनिट देने का ऐलान किया है। वहीं यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.10 रुपये प्रति यूनिट देने की घोषणा की है। इन दोनों स्कीम्स के लिए रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि बाजार नियामक सेबी ने अप्रैल 2021 से लाभांश (डिविडेंड) का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू कर दिया था। उदाहरण के तौर पर, डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड की 10,000 यूनिट पर 5,500 रुपये और यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड की उतनी ही यूनिट पर 1,000 रुपये का भुगतान होगा।

खुदरा कर्ज में बूम, पर कुछ श्रेणियों में बढ़ रही डिफॉल्ट की चिंता

नई दिल्ली ।

देश में खुदरा कर्ज का बाजार तेजी से फल-फूल रहा है, पर इसकी चमक के पीछे कुछ श्रेणियों में बढ़ते डिफॉल्ट (किस्त चुकाने में देरी) की चिंताएं भी मंडरा रही हैं। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खासकर गोल्ड लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन और पर्सनल लोन में शुरुआती दबाव के संकेत मिल रहे हैं। सितंबर के अंत तक देश का कुल खुदरा कर्ज पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 18.8 फीसदी बढ़कर 185.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गोल्ड लोन 60.6 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली कर्ज श्रेणी बनकर उभरा। इसके बाद सिक्योर्ड बिजनेस लोन (45.2 फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन (44.5 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, इस वृद्धि के साथ ही कुछ चिंताजनक रुझान भी सामने आए हैं।

गोल्ड लोन में 31 से 90 दिन तक किस्त बकाया रहने के मामले



जून के 0.9 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 1.3 फीसदी हो गए हैं। वहीं, 31 से 180 दिन तक की बकाया कर्ज की हिस्सेदारी भी 1.3 फीसदी से बढ़कर 1.6 फीसदी हो गई है।

यह स्थिति बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच कर्ज लेने वालों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को उजागर करती है।

यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लागू करने के प्रस्ताव फिलहाल टला

आगामी चुनावों और व्यापारी विरोध के चलते केंद्र का निर्णय

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाले यूपीआई ग्राहकों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की खबर है।

केंद्र सरकार ने यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी पेमेंट प्रोसेसिंग फीस लागू करने के प्रस्ताव को फिलहाल टालने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों और देशभर में व्यापारी संगठनों के मुखर विरोध के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। यह प्रस्ताव 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाने का था। 75,000 रुपये या अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रखने का प्रावधान था। हालांकि, 2,000 रुपये तक के मर्चेंट पेमेंट और व्यक्ति-से-व्यक्ति ट्रांसफर पर कोई शुल्क नहीं लगना था। छोटे व्यापारियों (मासिक 1 लाख रुपए तक क्यूआर कोड भुगतान) को भी एमडीआर से छूट का प्रस्ताव था। सरकार इस फैसले को 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद तक टाल सकती है, जिसमें अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में चुनाव हैं। दिवाली से पहले 15 अक्टूबर को इसे लागू करने की योजना भी टल गई थी। व्यापारी संगठनों ने नो यूपीआई डे का ऐलान कर विरोध किया था, जिसे वित्त मंत्री से बातचीत के बाद वापस ले लिया गया। एनपीसीआई छोटे व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने के लिए यूपीआई व्यापार सक्षम योजना भी चला रहा है।

वेतन वृद्धि से मांग बढ़ाएं, निजी निवेश को गति द-डीईए सचिव

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर भी दिया जोर

नई दिल्ली।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने गुरुवार को उद्योग जगत से वेतन में ठहराव की स्थिति दूर करने का आग्रह किया। फिक्की के वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ने से मांग को प्रोत्साहन मिलेगा और अर्थव्यवस्था के विस्तार का सकारात्मक चक्र मजबूत होगा। ठाकुर ने देश की आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि अप्रैल से निवेश गतिविधियों में तेजी दिख रही है और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने भारत को अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण दौर में बताया, जहां सार्वजनिक-निजी भागीदारी और उद्योग, सरकार व समुदायों के बीच सहयोग से आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को इसे हासिल करने का अवसर बताया। ठाकुर ने पिछले दशक के सुधारों, जैसे जीएसटी, की सराहना की और सुधारों की प्रक्रिया जारी रखने पर जोर दिया। डीईए सचिव ने उद्योग जगत से सरकार के साथ मिलकर काम करने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी, मांग बढ़ाने व कर्मचारियों की स्थिति बेहतर बनाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आग्रह किया। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ठाकुर ने बताया कि अत्यधिक गरीबी 2011 के 27.1 फीसदी से घटकर 2023 में 2.6 फीसदी रह गई है, जो सरकारी प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने उद्योगों से विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में सरकार के साथ साझेदारी मजबूत करने का आह्वान किया।

मस्क का हुआंग को समर्थन, प्रतिभाशाली सीईओ बताया

जेनसेन हुआंग को हटाना, एन वि डिया की बड़ी भूल- उनकी जगह कोई नहीं ले सकता

ऑस्टिन ।

स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के समर्थन में खुलकर बात की है, उन्हें माइकल जॉर्डन जैसा प्रतिभाशाली उद्यमी बताते हुए अपनी कंपनी में काम पर रखने तक की पेशकश कर डाली।

हालांकि, एनवीडिया का बोर्ड हुआंग को वापस लाने के किसी भी विचार के खिलाफ अडिग है, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और कथित चीनी जासूस के साथ उनके संबंधों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच। मस्क ने यहां एक स्थानीय अखबार के डील बुक समिट में बोलते हुए एनवीडिया के इस कदम की तुलना शिकागो बुल्स द्वारा माइकल जॉर्डन को जीत के बीच टीम से निकाले जाने से की, और हुआंग को इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली उद्यमी सीईओ में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग अकेले ही कई लोगों का काम संभालते हैं, सप्लाई चेन का प्रबंधन करते हैं और उनके पास दशकों के गहरे व मजबूत संबंध हैं।

मस्क ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह निश्चित रूप से हुआंग को काम पर रखेंगे, क्योंकि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इसके विपरीत, एनवीडिया बोर्ड ने हुआंग की बहाली की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है और एक स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों, जिनमें हाउस लीडर हकीम जेफ़रीज़ भी शामिल हैं, ने एनवीडिया के फैसले का समर्थन किया है।

जेफ़रीज़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए हुआंग की वापसी को अस्वीकार्य बताया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब जेन्सेन हुआंग कथित चीनी जासूस ऐलिस हुआंग के साथ अपने संबंधों को लेकर 1 दिसंबर को हाउस की तीन कमेटियों के सामने गवाही देने वाले हैं।

बोर्ड ने पूर्व प्रमुख से जुड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक नई समिति बनाने की भी घोषणा की है।

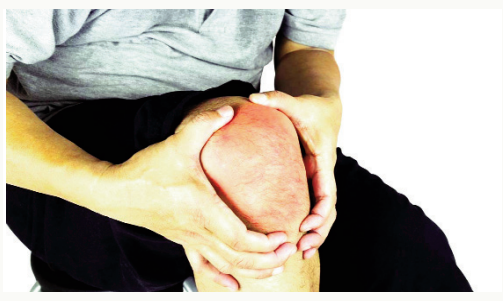
कृषि क्षेत्र में महिला शक्ति की भारत की गरीबी उन्मूलन में निर्णायक भूमिका

आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर



भुवनेश्वर ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए खुलासा किया कि पिछले 12-13 वर्षों में भारत में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि में कृषि क्षेत्र से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं का योगदान असाधारण रहा है, जिसे दुनिया में अपनी तरह का सबसे तेज और बड़ा प्रयास बताया गया है। जाट ने केंद्रीय महिला कृषि संस्थान (सीआइडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय कृषि मेले को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर है। संस्थान कृषि क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित शोध के लिए समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब महिलाओं को केवल कठिन शारीरिक श्रम तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण और विपणन शामिल है, से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि आईसीएआर शोध से जुड़ी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में काम कर रहा है।



बदलते मौसम भयानक हो सकता है जोड़ों का दर्द, इन आसान तरीकों से अभी से करें बचाव

मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आने लगा है। बदलते मौसम में अक्सर जोड़ों में जकड़न, दर्द या सूजन की शिकायत बढ़ जाते हैं। ठंड के मौसम की शुरुआत भी होने लगी है। यह समस्या बदलते मौसम में ज्यादा बढ़ जाती है। आयुर्वेद में बताया है कि जब शरीर में वात दोष बढ़ता है, तो वह जोड़ों में सूखापन और कठोरता पैदा करता है। इसी वजह से कई लोगों को गठिया या जोड़ों दर्द की पुरानी तकलीफ पैदा हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दी या नमी वाले दिनों में शरीर की ऊष्मा कम हो जाती है, जिससे रक्त प्रवाह धीमा पड़ने लगता है। जिस वजह से जोड़ों में जकड़न और सूजन बढ़ जाती है। हल्का दर्द अचानक तीव्र हो जाता है।

जोड़ों के दर्द से राहत देंगी ये आयुर्वेदिक उपाय

- जोड़ों के दर्द से आराम पाने के लिए सुबह गुनगुने तिल या सरसों के तेल से जोड़ों की हल्के मालिश करें।
- नहाने से पहले शरीर पर तेल की मालिश करें और रक्त संचार भी बेहतर होता और मांसपेशियां की जकड़न कम हो जाती है।
- सर्दियों के दौरान नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, इस दौरान ठंडे पानी से नहाने बचना जरुरी है।
- भोजन में अदरक, हल्दी, लहसुन और मेथी शामिल करें। इन सभी चीजों में नैचुरल सूजनरोधी गुण होते हैं।
- ज्यादा देर बैठे या खड़े न रहें, बीच-बीच में एक्सरसाइज करें।

नहीं जमती दूध में मोटी मलाई तो ये टिप्स करेंगे आपका काम आसान

हर घर में दूध रोज आता है लेकिन दूध पर जमने वाली मोटी मलाई का भी लोग कई तरह से इस्तेमाल करते हैं। जितनी मलाई मोटी होगी उतनी ही खाने में भी स्वाद लगेगी। इसके अलावा मलाई से बहुत से लोग घर में घी भी निकालते हैं। दूध की मलाई जितनी मोटी होगी उतना ही घी अच्छी क्वालिटी का होगा। लेकिन बहुत सी महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके दूध से मलाई अच्छी तरह से नहीं जम पाती। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे आसान टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप घर के दूध से मोटी मलाई निकाल सकते हैं...

धीमी आंच पर उबालें दूध

ज्यादातर घरों में दूध को मीडियम और फुल फ्लेम पर ही गर्म किया जाता है। परंतु यदि आप दूध में से मोटी मलाई जमाना चाहते हैं तो दूध को 5-10 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबालें।

उबाल आते न बंद करें गैस

दूध में उबाल आते हुए आप इस बात का ध्यान रखें कि गैस को एकदम से बंद न करें। दूध को उबालने के बाद कुछ मिनट के लिए कम आंच पर उबालें। इसके बाद ही गैस बंद करें। इस तरीके से भी दूध में मोटी मलाई जमेगी।

जाली से ढकें दूध

दूध को उबालने के बाद पूरी प्लेट से दूध को ढकने की जगह आप जाली से दूध को ढकें। इस तरीके से दूध आसानी से ठंडा भी होगा और उसमें मलाई भी मोटी जमेगी। पूरी प्लेट से दूध को ढक देने से भाप अच्छे से नहीं निकल पाती जिसके कारण मलाई भी मोटी नहीं जम पाती। ऐसे में आप दूध को जाली से ही ढकें।

सामान्य तापमान

दूध को सामान्य तापमान पर ठंडा करना आवश्यक है। गर्म दूध को फ्रिज में बिल्कुल भी न रखें। ठंडा दूध होने पर बर्तन को बिना हिलाए-जुलाए धीरे से फ्रिज में रखें। इससे दूध में मलाई मोटी जमेगी।

मलाई को निकालकर करें दूध का इस्तेमाल

दूध को जब भी इस्तेमाल करना है तो पहले उसमें जमी पूरी मलाई को निकाल लें। इसके बाद ही दूध का इस्तेमाल करें। इससे दूध में मलाई जमी रहेगी और बार-बार दूध का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।





मुंह की बदबू से लेकर मसूड़ों की सूजन तक, अमरूद के पत्तों में छिपा है हर समस्या का राज

आज के समय में अधिकतर लोगों को छाले, मसूड़ों में सूजन, दांतों में दर्द और मसूड़ों से खून आने जैसी ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से कई लोग परेशान रहते हैं। हालांकि इस समस्या से राहत पाने के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों में से एक और औषधीय गुणों से भरपूर अमरूद के पत्ते लाभकारी माने जाते हैं। अमरूद के पत्तों से बने माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है।

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुए पाए जाते हैं। जोकि मुंह के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं से राहत के लिए अमरूद के पत्तों से माउथ वॉश कैसे बनाएं और इससे क्या फायदे मिलते हैं।

अमरूद के पत्तों का माउथवॉश

इसके लिए एक गिलास पानी में 4-5 अमरूद के पत्ते, 1/4 छोटी चम्मच नमक और 2-3 लौंग डालकर इसको तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। फिर इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल मिला दें। अब इस माउथ वॉश से कुल्ला करें।

माउथ वॉश के फायदे

एक्सपर्ट के मुताबिक अमरूद के पत्तों में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसके पत्तों का माउथवॉश का इस्तेमाल करने से मुंह का स्वास्थ्य दुरुस्त होने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

मुंह की बदबू से राहत

अमरूद के पत्तों और लौंग में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया खत्म होती है और मुंह की बदबू से भी राहत मिलती है। इसका इस्तेमाल करने से फ्रेश फील होता है।

छालों से दे राहत

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह के संक्रमण से बचाव होता है और छालों की समस्या से भी राहत मिलती है। वहीं इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से मुंह के पीएच को बैलेंस रखने में सहायता मिलती है।

कैविटीज से बचाव

इस नेचुरल माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों के दर्द को कम करने, कैविटीज से बचाव करने, दांतों के पीलेपन को कम करने और इनको हेल्दी बनाए रखने में सहायता मिलती है।

मसूड़ों की मजबूती

अक्सर लोगों को मसूड़ों में ब्लीडिंग और सूजन होने की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में इस नेचुरल माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है। साथ मसूड़ों को टाइट कर मजबूती देने, ब्लीडिंग से बचाव करने और इंफेक्शन से बचाव करने में सहायता मिलती है।

दांतों होंगे हेल्दी

अमरूद के पत्ते, लौंग और नारियल तेल से बना माउथ वॉश से दांतों को मजबूती मिलती है। इससे दर्द और सूजन भी कम होती है। साथ ही इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों को नेचुरली साफ करने में मदद मिलती है।

पुरानी से पुरानी खांसी और जमे कफ को बाहर निकाल देगा ये देसी नुस्खा, सर्दियों में बेहद फायदेमंद



अक्टूबर का महीना खत्म होते-होते ठंड ने दस्तक दे दी है। यह मौसम जितना सुहावना होता है, उतनी ही परेशानियां भी साथ लाता है। खासकर खांसी, जुकाम और सीने में जमे कफ की समस्या लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई बार दवाइयां लेने के बाद भी इन समस्याओं से राहत नहीं मिलती। ऐसे में आयुर्वेदिक और देसी नुस्खे बेहद असरदार साबित हो सकते हैं।

अपनाएं ये देसी नुस्खा

पुरानी खांसी और जमे हुए कफ को निकालने के लिए यह नुस्खा बेहद कारगर है। इसके लिए सबसे पहले एक नींबू को धीमी आंच पर करीब 20 मिनट तक गर्म करें। इसके बाद उसे बीच से काट लें। अब एक चम्मच में आधा चम्मच नींबू का रस, आधा चम्मच अदरक का रस, एक चम्मच शहद और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार करें। इसे धीरे-धीरे चाटें। इस घरेलू मिश्रण का म्युकोलिटिक ऐक्शन सीने में जमा हुए कफ को ढीला करता है और पुरानी से पुरानी खांसी से राहत दिलाता है।

सर्दियों में इन बातों का रखें ध्यान

संक्रमण से बचाव

सर्दियों के मौसम में संक्रमण (इंफेक्शन) का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोते रहें, और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से पहले मास्क पहनें। जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है, उन्हें ठंड के मौसम में खास सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों को बार-बार खांसी-जुकाम और सर्दी से जुड़ी समस्याएं घेर सकती हैं।

रोज पिएं हल्दी वाला दूध

सर्दियों के मौसम में हर रात सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की इम्युनिटी को बूस्ट करते हैं और आपको खांसी, जुकाम तथा गले की खराश जैसी मौसमी समस्याओं से बचाते हैं। यह न केवल शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है, बल्कि सर्द मौसम में गर्माहट भी बनाए रखता है।

पौष्टिक आहार लें

सर्दियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन बेहद जरूरी है। अपने दैनिक भोजन में हरी सब्जियां, दालें, मौसमी फल और घर का बना ताजा खाना शामिल करें। इससे शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इस मौसम में जंक फूड, तली-भुनी या बहुत मसालेदार चीजों से परहेज करें, क्योंकि ये पाचन को प्रभावित कर सकती हैं और सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ा सकती हैं।

यह नुस्खा सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं है। अगर आपको लगातार खांसी या सीने में दर्द जैसी समस्या है, तो किसी योग्य चिकित्सक या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब स्वास्थ्य लाभ

तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां- नानी मां भी सर्दी- खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटा- सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है।

पाचन तंत्र होता है बेहतर

अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है, तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

तनाव से मुक्ति

तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है।

सिर दर्द होता है गायब

सर्दी- जुकाम से मिलती है राहत

तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है।



अगर आपको लगातार सिर में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी होता है बूस्ट

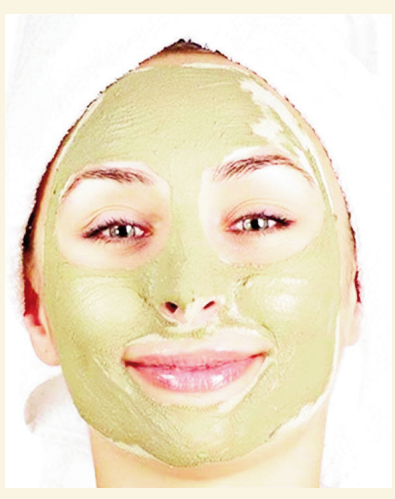
तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी? इस तरह मिलेंगे बेहतर रिजल्ट्स

चेहरे की खूबसूरती और नेचुरल ग्लो बढ़ाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कई लगो करते हैं। यह स्किन से ऑयल और गंदगी हटाकर उसे साफ, मुलायम और फ्रेश बनाती है।

चेहरे पर चमक बनाए रखने के लिए लोग तरह-तरह की चीजों का उपयोग करते हैं। कई लोग मार्केट से महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग घर में ही मौजूद चीजों को लगाते हैं। ऐसे में अगर आप भी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाने से कई तरह के फायदे होते हैं। इसका फेस पैक स्किन को गहराई से साफ करता है और चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल भी करता है।



हालांकि, कई बार लोग इसका गलत तरीके से उपयोग कर लेते हैं, जिससे स्किन ड्राई या रफ हो सकती है। अगर आप भी अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगा रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने का तरीका

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने के लिए सबसे पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि स्किन के पोर्स खुल जाएं और गंदगी साफ हो सके। अब आप एक बाउल में दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें अपनी स्किन टाइप के मुताबिक कुछ चीजें मिला लें। आप इसके लिए किसी डॉक्टर से भी परामर्श ले सकते हैं।

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो आप मुल्तानी मिट्टी के साथ दूध या गुलाबजल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके साथ आप नींबू का रस या एलोवेरा जेल का उपयोग कर सकते हैं। वहीं, नॉर्मल स्किन के लिए साफ पानी या दही बेहतर होता है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक तैयार करने के बाद आप किसी मुलायम ब्रश या फिर उंगलियों की मदद से इसे चेहरे पर समान रूप से लगाएं। अब इसे करीब 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। चेहरे से फेस पैक हटाने के बाद कोई हल्का मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।



सब कुछ तय, बस ऐलान बाकी!

• IPL 2027 में रोहित शर्मा फिर संभालेंगे MI की कमान? देख लीजिए ये पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. हार्दिक पंड्या ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हो चुके हैं और अब रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस बीच फ्रेंचाइजी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दे दी है. मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें रोहित शर्मा की तस्वीर बैकग्राउंड में नजर आ रही है और उनके पीछे 'मुंबईचा राजा' लिखा है. इसका मतलब है मुंबई का राजा. फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सीजन 17 मुंबईचा राजा के लिए ब्लू एंड गोल्ड में! पलटन, TATAIPL 2027 के लिए तैयार?' इस पोस्ट के सामने आते ही फैन्स ने रोहित को दोबारा कप्तान बनाने की मांग शुरू कर दी. कई फैन्स ने कमेंट में 'कैप्टन रोहित शर्मा' और 'कैप्टन रोहित शर्मा के दौर में एक बार फिर तैयार' लिखा. हालांकि, मुंबई इंडियंस ने अभी आधिकारिक तौर पर कप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है.

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में कुल पांच आईपीएल खिताब जीते थे. उन्होंने 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की. इसके बाद 2024 से 2026 के बीच हार्दिक पंड्या ने यह जिम्मेदारी संभाली. अब हार्दिक के टीम



से बाहर होने के बाद रोहित की कप्तानी में वापसी की संभावना जताई जा रही है.

MI ने 16 खिलाड़ियों को किया रिटेन – मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डिकॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार और रघु शर्मा को रिटेन किया है. वहीं, अर्शदीप सिंह ट्रेड के जरिए टीम से जुड़े हैं. फ्रेंचाइजी ने ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवेर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महीपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर और कृष्ण भगत को रिलीज किया है. हार्दिक पंड्या भी ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हुए हैं. मुंबई इंडियंस के पास अब 32.6 करोड़ रुपये का पर्स बचा है. टीम के पास कुल 9 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं.

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा को भी बड़ी जिम्मेदारी – मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग सेटअप में भी बदलाव किया है. वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अब टीम के हेड कोच होंगे. भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच बनाया गया है. इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी मिली है. मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी डेवलपमेंट बॉलिंग कोच के तौर पर नए कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे.

सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर शास्त्री-गावस्कर और रहाणे ने जताई नाराजगी, बोले-यह चौंकाने वाला फैसला

वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मोहम्मद सिराज के अनुभव और आक्रामकता के कारण उन्हें बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी, और उन्होंने सवाल किया कि तेज गेंदबाज को ऐसी पिच पर क्यों बाहर रखा गया जहां सीम मूवमेंट को बढ़ावा मिलता था। रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उम्मीद है कि भारत मजबूती से वापसी करेगा। मगर अगर गति, कौशल और सीम मूवमेंट मानदंड थे और 140 क्लिक हासिल करना मुश्किल था, तो किसी को सवाल पूछना होगा। मोहम्मद सिराज कहां थे? अनुभव, आक्रामकता और गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता। निश्चित रूप से यह कुछ मायने रखता है।' आंकड़े शास्त्री की बात का समर्थन करते हैं। सिराज वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में 26.81 की औसत से 43 विकेट के साथ भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अंतिम एकादश से बाहर किए गए रवींद्र जड़ेजा भी 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने 60.76 की औसत से 790 रन बनाकर रन बनाने वालों की सूची में तीसरा स्थान साझा किया है, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। शास्त्री अकेले



नहीं थे जिनका मानना ??था कि भारत ने सिराज द्वारा गेंदबाजी आक्रमण में लाए गए योगदान को नजरअंदाज कर दिया है। जैसे ही बेसिन रिजर्व में पहला दिन बीत गया, अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी चयन पर सवाल उठाया। भारत के पास न्यूजीलैंड का स्कोर 70/5 था, लेकिन हेनरी निकोल्स (नाबाद 113) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 94) ने 173 रनों की अटूट साझेदारी की, जिससे स्टंप्स तक मेजबान टीम का स्कोर 243/5 हो गया। यह उस तरह का स्पैल था जिसमें सफलता दिलाने में सक्षम गेंदबाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रसारण पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सिराज के वेलिंगटन में नहीं खेलने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि संकेत तब थे जब उन्हें 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने केवल आखिरी गेम खेला था। दरअसल, जब उन्होंने आखिरी गेम खेला था, तो मैंने सोचा था कि वे उन्हें यहां मैच के लिए तैयार कर रहे थे। मगर अंतिम एकादश में उनका नाम न देखना एक आश्चर्य है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है, उन्होंने कभी भी भारत को निराश नहीं किया है। उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हमने उन्हें बीच-बीच में देखा है कि उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है, वह ठीक रहा है। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता। '

वेलिंगटन टेस्टः

निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है।

प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पोचेटिनो करेंगे डेब्यू, ऐतिहासिक उपलब्धि पर होगी आर्सेनल की नजर



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग के 11वें मैचवीक में कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले में मॉरिसियो पोचेटिनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के तौर पर उतरेंगे। वहीं, न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मैच में आर्सेनल एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेगा। अपने पहले 11 लीग मैचों में 10वीं जीत की तलाश कर रही आर्सेनल, प्रीमियर लीग के इतिहास में ऐसा करने वाली केवल पांचवीं टीम बन सकती है। इससे पहले केवल चेल्सी (2005-06), मैनचेस्टर सिटी (2011-12 और 2017-18) और लिवरपूल (2019-20) ही ऐसा कर पाई हैं। दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड प्रीमियर लीग में लगातार 8 मैचों से जीत नहीं पाई है, जिसमें 5 ड्रॉ और 3 हार शामिल हैं। इस सीजन में यह किसी भी टीम का सबसे लंबा बिना जीत वाला सिलसिला है। इससे पहले, क्लब को नवंबर 1989 से फरवरी 1990 के बीच ऐसे ही दौर से गुजरना पड़ा था, जब वह लगातार 11 मैचों तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाया था।

पोचेटिनो मैनचेस्टर यूनाइटेड के ऐसे पहले मैनेजर बन जाएंगे, जो क्लब के साथ प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू लिवरपूल के खिलाफ करेंगे। लिवरपूल को कोडी गैकपो से भी काफी उम्मीदें होंगी। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में 5 गोल किए हैं, जो किसी भी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किए गए उनके गोलों से अधिक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ अपने पिछले 3 मैचों में से हर बार उन्होंने गोल किया है।

वहीं, मैनचेस्टर सिटी अपने घरेलू मैदान पर फुलहम का सामना करेगी और लंदन के इस क्लब के खिलाफ अपनी शानदार जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं, जिसमें लगातार 17 लीग मैच भी शामिल हैं। इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम द्वारा दूसरी टीम के खिलाफ दर्ज की गई यह सबसे लंबी जीत की लय है। हालांकि, एंजो मारेस्का की टीम (चेल्सी) को इस सीजन में अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि फुलहम अपने पिछले 4 मैचों में अजेय रही है, जिसमें उन्होंने 2 जीत हासिल की हैं और 2 मैच ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला में उनाई एमरी प्रीमियर लीग में 150 मैचों में टीम को मैनेज करने का मुकाम हासिल करेंगे। मार्टिन ओ'नील के बाद, ऐसा करने वाले वह विला के दूसरे मैनेजर बन जाएंगे। एमरी ने अपने पहले 149 लीग मैचों में 76 जीत, 33 ड्रॉ और 40 हार दर्ज की हैं। इस सीजन में विला के फॉरवर्ड निकोलस जैक्सन भी सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 6 गोल किए हैं और उनसे आगे केवल एर्लिंग हालैंड (9 गोल) और अलेक्जेंडर इसाक (7 गोल) हैं। बोर्नमाउथ का सामना नॉटिंघम फॉरेस्ट से होगा, तो उनकी कोशिश पहली बार लगातार 5 टॉप-फ्लाइट मैच जीतने की होगी।

रबाडा-हार्मर का चला जादू, साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 9 विकेट से रौंदा। द वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से मिले महज 12 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन अपने 100/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम दूसरी पारी में 168 रन बनाकर सिमटी। टीम की ओर से लिटन दास ने 38 गेंदों में सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि महफिजुल इस्लाम ने 32 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बांग्लादेश के बाकी बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। तौहीद हिरदॉय ने 23 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम ने 22 रनों का योगदान दिया। मेहदी हसन मिराज ने 15 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 51 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा ने दूसरी इनिंग में भी 3 विकेट झटके। मार्को जानसेन ने एक विकेट अपने नाम किया।



रबाडा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 8 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले, बांग्लादेश ने पहली पारी में तौहीद हिरदॉय द्वारा खेली गई 137 और लिटन दास की 120 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 400 रन बनाए, जो टीम का टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। तंजीद हसन तमीम ने 67 रनों का योगदान दिया। रबाडा ने पहली पारी में 5, जबकि डेन पैटरसन ने 4 विकेट निकाले। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 557 रन बनाए। टीम की ओर से मार्क्वेस एकरमैन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 157 रनों की लाजवाब पारी खेली।

वहीं, रयान रिकेल्टन ने 102 रन बनाए। जुबैर हमजा ने 83 और कप्तान टेंबा बावुमा ने 68 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में गेंद से 5 विकेट लेने वाले रबाडा ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 157 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉन्गकॉन्ग ओपनः

रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन को हराया, लक्ष्य सेन अगले दौर में; जानें अन्य नतीजे

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई को हराया। वहीं, पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन अगले दौर में पहुंच गए। भारत की रक्षिता रामराज ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को सीधे गेम में हरा दिया। कोयंबटूर की 19 वर्षीय रक्षिता ने यूफेई को 21-18, 24-22 से हराकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीत में से एक दर्ज की। रक्षिता का अगला मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।



रक्षिता ने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया – रक्षिता ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को भी हराकर उलटफेर किया था। मैच के बाद रक्षिता ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक है। वह मेरी सबसे बड़ी आदर्श हैं और मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने उन्हें हरा दिया। यह मेरे बैडमिंटन करियर के सबसे यादगार दिनों में से एक रहेगा।

चेसः

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने मुकाबले जीते, जानें किसे हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। अर्जुन एरिगैसी ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट में अपना मैच जीता। वहीं, आर. प्रज्ञानंद ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंद की जीत के साथ ही उनकी बहन



आर. वैशाली के साथ होने वाला संभावित मुकाबला टल गया। एरिगैसी ने पहले दिन का मुकाबला 11.5-8.5 से जीता था। फॉरेस्ट ने बुधवार को वापसी करते हुए दूसरे दिन 12-8 से जीत हासिल की। इससे नौवें से 12वें स्थान के लिए आर्मागेडन में एक निर्णायक मुकाबला हुआ। काले मोहरों से खेलते हुए, वैन फॉरेस्ट ने टाई-ब्रेक में ज्यादातर समय जीत की स्थिति बनाए रखी। लेकिन उन्होंने 34वें मूव पर अपना फायदा गंवा दिया। इसका फायदा एरिगैसी को मिला और भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल कर ली। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। आर. प्रज्ञानंद ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव को हराकर 21वें स्थान के लिए मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फास्ट क्लासिक गेम से पहले वह 3.5-8.5 से पीछे चल रहे थे, लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए जीत के साथ वापसी की और दिन का स्कोर 11.5-8.5 कर दिया। अब उनका सामना अभिमन्यु मिश्रा से होगा। अगर प्रज्ञानंद यह मुकाबला हार जाते, तो उन्हें 23वें और 24वें स्थान के लिए वैशाली के खिलाफ खेलना पड़ता।

2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली, एजेंसी । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली



पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी। बार्टी ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक 'टीम एफर्ट' (सामूहिक प्रयास) था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। ' वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकॉर्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं। चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो 'करियर गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बने और उन्होंने रिकॉर्ड 582 हफ्तों तक विश्व नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग अपने नाम रखी। 2010 में हॉल ऑफ फेम द्वारा इस श्रेणी को शामिल किए जाने के बाद से कुनिदा इसमें जगह पाने वाले आठवें व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। बार्टी और कुनिदा को यह खबर हॉल ऑफ फेम के सह-अध्यक्ष किम क्लाइस्टर्स और पैट्रिक मैकेनरो द्वारा किए गए सरप्राइज वीडियो कॉल के जरिए मिली।

खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में उनकी जगह को सम्मान देते हुए इस वीडियो कॉल में हॉल ऑफ फेम के लगभग 20 अन्य सदस्य भी शामिल हुए। ट्रेसी ऑस्टिन, जिम कूरियर, रोजर फेडरर, मार्टिना नवरातिलोवा, पैट राफ्टर, पैम श्राइवर, एस्टर वर्गीर और अन्य हॉल ऑफ फेम सदस्यों ने उन्हें बधाई संदेश दिए और आधिकारिक तौर पर इस खास क्लब में उनका स्वागत किया।



'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व का संदेश

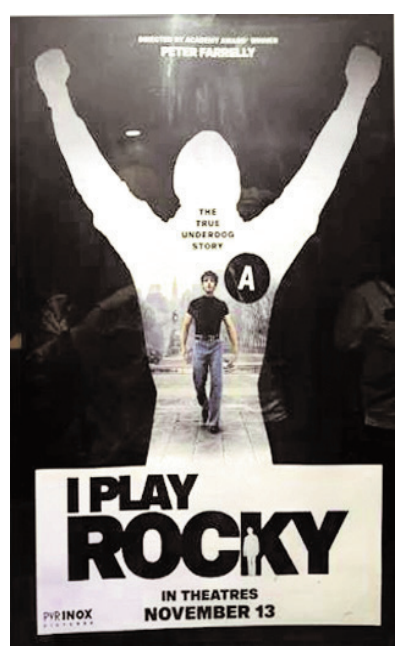
मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।'

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।'

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और 'आई प्ले रॉकी' के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।





'गन मास्टर जी9' में दिखेगा अपारशक्ति का खतरनाक अवतार

जब भी अपारशक्ति खुराना का नाम आता है, तो सबसे पहले स्त्री के प्यारे और मजेदार दोस्त बिट्टू की याद आती है, जो 'सॉफ्ट चिट्ठी, वॉर्म चिट्ठी' कहते नजर आते हैं। लेकिन अब अपारशक्ति ने अपने इस पुराने अंदाज को पीछे छोड़ दिया है। 'गन मास्टर जी9' में वह एक ऐसे खतरनाक विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं!

फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें अपारशक्ति का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इतना तो तय है कि फिलहाल बिट्टू की मासूमियत को भूल जाइए, क्योंकि अब पर्दे पर उनका खतरनाक अंदाज छाने वाला है।

फिल्म में अपारशक्ति की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि वह इस बार एक अलग ही रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी डरावनी नजरें, चेहरे के भाव और डायलॉग बोलने का अंदाज उनके किरदार को और भी खतरनाक बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्शन के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। उनके लड़ाई वाले दृश्य और जबरदस्त अंदाज उनके किरदार में एक अलग ही रोमांच पैदा करते हैं। फिल्म में अपारशक्ति, इमरान हाशमी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच होने वाली टक्कर को पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। अपारशक्ति का लुक भी उनके इस नए किरदार को खास बनाता है। कंधों तक लंबे और बिखरे हुए बाल, रंग-बिरंगी प्रिंट वाली शर्ट, धातु के फ्रेम वाला चश्मा और बोलने का अलग अंदाज उनके किरदार को एकदम देसी और खुरदरा रूप देते हैं। खास बात यह है कि अपारशक्ति अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए न तो किसी बड़े फिल्मी अंदाज में एंट्री लेते हैं और न ही ऊंची आवाज में चिल्लाते हैं। उनका अंदाज और उनका बेखौफ व्यक्तित्व ही उनकी मौजूदगी का एहसास करा देता है। ट्रेलर देखकर तो यही लगता है कि बॉलीवुड में अब विलेन के किरदारों को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है और अपारशक्ति इस बदलाव की एक शानदार मिसाल बनने वाले हैं! 'गन मास्टर जी9 आगामी 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना 'बिल्कुल सही नहीं' है

'जेलर 2' की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना 'बिल्कुल सही नहीं' है। खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

अपेक्षा से पूछा गया, 'आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?'

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।'

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में आने के दौरान 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर दोसांझ, दुआ लीपा और मैडोना संग परफॉर्म करेंगे दिलजीत दोसांझ

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे। तीनों कलाकार अपने अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। जहां दुआ लीपा अपने पॉप म्यूजिक से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, वहीं टेम इम्पाला साइकेडेलिक रॉक और एसजेडए आरएंडबी म्यूजिक का रंग जमाएंगी।

2023 में भी कोचेला का हिस्सा बने थे दिलजीत

भारतीय फैंस के लिए इस बार दिलजीत दोसांझ का नाम लिस्ट में शामिल होना खास है। दिलजीत इससे पहले साल 2023 में भी कोचेला फेस्टिवल में परफॉर्म कर चुके हैं। उस समय उन्होंने पंजाबी भाषा में गाने गाकर दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह इस फेस्टिवल के मंच पर परफॉर्म करने वाले शुरुआती पंजाबी भाषा के कलाकारों में शामिल थे। अब 2027 में उनकी वापसी से एक बार फिर पंजाबी म्यूजिक को इंटरनेशनल पहचान मिलने की उम्मीद है।

मैडोना समेत ये बड़े कलाकार भी आएंगे नजर

इस बार कोचेला की लिस्ट में पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना का नाम भी शामिल है। वह शुक्रवार को डांस टेंट में परफॉर्म करेंगी। वहीं डैडी यांकी को 'इन द डेजर्ट' स्पेशल बिलिंग दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक की मशहूर जोड़ी जस्टिस भी अपने गाने 'ब्लाइंडेड बाय द लाइट्स' के साथ बंकर में डेब्यू करेगी। फेस्टिवल के पहले दिन यानी शुक्रवार को जारा लार्सन, स्टीव लैसी, जेआईएसओओ, पैगी गू, केलेनी, लियोन थॉमस और जॉर्जियो मोरोडर जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं शनिवार को फोएबे ब्रिज, वीजर, रोबिन, मैनेस्किन, एनसीटी, लियोन ब्रिजेस, टिएस्टो, मार्टिन गैरिक और अंडरवर्ल्ड जैसे नाम शामिल हैं। रविवार को डॉन टॉलिवर, डोम डॉला, कायगो, एम्पायर ऑफ द सन, फोर टेट, द नेबरहुड, बेकी जी, बेबीमॉन्स्टर, विक्टोरिया मोनेट और जोरजा स्मिथ अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

नील आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं

अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई।'

कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।

मोदी बोले- किसानों-कारोबारियों को गाली देने से देश नहीं बढ़ता:हमने 12 साल में इकोनॉमी बदली, राहुल ने कहा था- भारत आर्थिक संकट की ओर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। देश की आर्थिक प्रगति के लिए उद्योग, व्यापार और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है और 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहुंच बढ़ाने, उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने और अनुसंधान एवं नवाचार को प्राथमिकता देने की अपील की। प्रधानमंत्री का यह बयान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आर्थिक संकट से जुड़े आरोपों के एक दिन बाद आया है। राहुल गांधी ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन के दौरान कहा था कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियों को प्रमुख कारण बताया था। इसके बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कारोबारियों के बीच देश की



अर्थव्यवस्था, गरीबी उन्मूलन और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं पर अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में बीते 12 से 13 वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। उन्होंने 1970 के दशक में दिए गए गरीबी हटाओ के नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय देश की आबादी करीब 50 करोड़ थी। आज 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकल चुके हैं। उन्होंने इसे देश की आर्थिक यात्रा में बड़ा बदलाव बताते हुए कहा कि भारत अब विकास के नए अवसरों की ओर बढ़ रहा है। मोदी ने भारतीय बाजार में उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर कंपनियों को अपनी सोच बदलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियां विदेशों में बेचने के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करती हैं, जबकि भारतीय बाजार के लिए अपेक्षाकृत कम गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराती हैं। इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है। भारतीय उपभोक्ताओं को भी वही गुणवत्ता मिलनी चाहिए, जो कंपनियां अपने अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने कहा कि देश के ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता वाले सामान का पूरा अधिकार है और कंपनियों को उनकी अपेक्षाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से केवल घरेलू बाजार पर निर्भर नहीं रहने और वैश्विक बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में ग्राहकों की जरूरतें और पसंद अलग-अलग होती हैं। भारतीय कंपनियों को इन जरूरतों को समझकर अपने उत्पाद तैयार करने चाहिए। इससे देश के उद्योगों को नए बाजार मिलेंगे और भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होगी। उन्होंने कारोबारियों से निर्यात बढ़ाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी क्षमता साबित करने पर भी जोर दिया। सरकार और उद्योग जगत के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार सुधारों की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इसे रिफॉर्म एक्सप्रेस का नाम देते हुए कारोबारियों से अपनी समस्याएं और सुझाव खुलकर सामने रखने को कहा। मोदी ने कहा कि उद्योग जगत के लोगों को बिना किसी झिझक के सरकार को बताना चाहिए कि कारोबार को आसान बनाने के लिए किन सुधारों की जरूरत है। सरकार उनके सुझावों पर काम करने के लिए तैयार है और कारोबारियों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री ने अनुसंधान और नवाचार को देश की आर्थिक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कंपनियों को ऐसे उत्पाद तैयार करने चाहिए, जो ग्राहकों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करें और जिनका इस्तेमाल आसान हो। इसके लिए बेहतर अनुसंधान, नई तकनीक और लगातार नए प्रयोगों पर ध्यान देना होगा। कंपनियों को केवल बाजार में उत्पाद उतारने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता को भी लगातार बेहतर बनाना चाहिए। इससे भारतीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। विकसित भारत के लक्ष्य पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे केवल एक नारे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह देश का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

सूरत मनपा आयुक्त राजकुमार बेनीवाल के नाम पर साइबर ठगी की कोशिश, फर्जी कॉल और संदेश भेजकर लोगों को बनाया जा रहा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा नगर निगम आयुक्त राजकुमार बेनीवाल की फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर नागरिकों, अधिकारियों और व्यापारियों को फोन कॉल तथा संदेश भेजे जा रहे हैं। इस मामले की जानकारी सामने आने के बाद सूरत महानगरपालिका प्रशासन ने आधिकारिक चेतावनी जारी कर लोगों को सतर्क रहने और किसी भी तरह की आर्थिक धोखाधड़ी से बचने की अपील की है। मनपा ने स्पष्ट किया है कि संबंधित मोबाइल नंबर का आयुक्त या निगम के किसी भी वरिष्ठ अधिकारी से कोई संबंध नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से सूरत शहर के कुछ प्रतिष्ठित नागरिकों, उद्योगपतियों और नगर निगम के अधिकारियों को एक अज्ञात मोबाइल नंबर 8470834282 से फोन कॉल और व्हाट्सऐप संदेश मिल रहे थे। संदेश भेजने और फोन करने वाला व्यक्ति खुद को सूरत महानगरपालिका के आयुक्त राजकुमार बेनीवाल के रूप में प्रस्तुत कर रहा था। इस फर्जी पहचान के माध्यम से लोगों को निजी कामकाज, आर्थिक सहायता और अन्य वित्तीय मामलों का हवाला देकर भ्रमित करने की कोशिश की जा रही थी। मामले की जानकारी जब नगर निगम के अधिकारियों और आयुक्त कार्यालय तक पहुंची, तो इसकी गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच-पड़ताल शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित मोबाइल नंबर से आयुक्त के नाम पर संपर्क करने वाला व्यक्ति वास्तविक अधिकारी नहीं है। इस तरह किसी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की पहचान का इस्तेमाल कर लोगों का विश्वास जीतने और उन्हें धोखाधड़ी के जाल में फंसाने का प्रयास किया जा रहा था। घटना को गंभीरता से लेते हुए सूरत महानगरपालिका ने आधिकारिक सार्वजनिक चेतावनी जारी की है। निगम प्रशासन ने साफ किया है कि मोबाइल नंबर 8470834282 का आयुक्त राजकुमार बेनीवाल अथवा नगर निगम के किसी भी वरिष्ठ अधिकारी से कोई संबंध नहीं है। इस नंबर से आने वाले फोन और संदेशों को फर्जी बताते हुए नागरिकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। मनपा ने शहर के नागरिकों, व्यापारियों और निगम कर्मचारियों से अपील की है कि यदि इस नंबर से कोई फोन कॉल या संदेश प्राप्त होता है, तो उस पर भरोसा न करें। विशेष रूप से यदि फोन करने वाला व्यक्ति किसी काम के बदले पैसे, आर्थिक सहायता या किसी अन्य प्रकार की वित्तीय मदद मांगता है, तो बिना आधिकारिक पुष्टि के कोई कदम न उठाएं। ऐसे संदेशों का जवाब देने या उनके आधार पर लेन-देन करने से बचने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से इस मामले को साइबर अपराध से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए संबंधित साइबर अपराध इकाई को सक्रिय किया गया है। फर्जी कॉल और संदेश भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने तथा पूरे मामले की जांच के लिए कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में किसी व्यक्ति को हुई वास्तविक आर्थिक क्षति या ठगी की पुष्टि नहीं की गई है। इस घटना ने एक बार फिर पहचान की नकल करके की जाने वाली डिजिटल धोखाधड़ी के खतरे को सामने ला दिया है। साइबर अपराधी अब केवल आम लोगों को ही नहीं, बल्कि सरकारी अधिकारियों और प्रशासनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के नाम का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी बड़े अधिकारी का नाम और पद बताकर संपर्क करने से सामने वाला व्यक्ति आसानी से भरोसा कर सकता है।



डाकोर में भव्य स्वामीनारायण मंदिर बनाने के नाम पर 1.25 करोड़ रुपये की कथित ठगी, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी को बनाया निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडताल/डाकोर। गुजरात में धार्मिक आस्था और मंदिर निर्माण के नाम पर कथित आर्थिक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। वडताल स्वामीनारायण मंदिर से जुड़े कुछ संतों और प्रबंधन से संबंधित लोगों पर डाकोर में भव्य स्वामीनारायण मंदिर बनाने का प्रस्ताव देकर एक सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी से 1.25 करोड़ रुपये की कथित ठगी करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने मंदिर निर्माण और जमीन खरीदने की योजना का भरोसा दिलाकर अलग-अलग चरणों में यह रकम ली। बाद में जब सेवानिवृत्त अधिकारी ने अपने पैसे और परियोजना से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी मांगी, तो उन्हें कथित तौर पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वडताल स्वामीनारायण मंदिर से जुड़े कुछ संतों ने सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क कर डाकोर में एक भव्य स्वामीनारायण मंदिर बनाने की योजना के बारे में बताया था। इस परियोजना को धार्मिक और सामाजिक महत्व से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। आरोप है कि संतों ने मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीदने और अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर अधिकारी का विश्वास हासिल किया। इसके बाद अलग-अलग कारण बताते हुए उनसे किस्तों में कुल 1.25 करोड़ रुपये ले लिए गए। बताया गया है कि शुरुआत में सेवानिवृत्त अधिकारी को मंदिर निर्माण की योजना और उससे जुड़ी गतिविधियों के बारे में भरोसा दिलाया गया था। धार्मिक स्थल के निर्माण की बात होने के कारण उन्होंने इस प्रस्ताव पर विश्वास किया और बड़ी रकम दे दी। आरोप है कि समय बीतने के बावजूद न तो मंदिर निर्माण की प्रक्रिया स्पष्ट हुई और न ही रकम के इस्तेमाल को लेकर उन्हें संतोषजनक जानकारी मिल सकी। इसके बाद उन्होंने संबंधित लोगों से परियोजना के दस्तावेज और अपने पैसे के संबंध में जानकारी मांगनी शुरू की। मामले में एक और महत्वपूर्ण बात सामने आई है। आरोप है कि जब सेवानिवृत्त अधिकारी ने मंदिर निर्माण और जमीन से जुड़े कागजात मांगे, तो उनसे कहा गया कि इस परियोजना के लिए विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के एक बड़े दानदाता से आर्थिक सहयोग मिलने वाला है। उस कथित अनिवासी भारतीय दानदाता को दिखाने के लिए अधिकारी के साथ जमीन का साटाखत यानी विक्रय का समझौता तैयार करने की बात कही गई। आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए उन्हें दस्तावेजों और परियोजना की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रमित किया गया। सेवानिवृत्त अधिकारी को जब अपने साथ कथित धोखाधड़ी होने का संदेह हुआ, तो उन्होंने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की। आरोप है कि इस दौरान संबंधित संतों और उनके सहयोगियों की ओर से रकम लौटाने के बजाय टालमटोल की गई। शिकायतकर्ता की ओर से यह भी आरोप लगाया गया है कि पैसे वापस मांगने पर उन्हें धमकियां दी गईं। इस पूरे घटनाक्रम ने मामले को और गंभीर बना दिया है। इस प्रकरण के सामने आने के बाद वडताल स्वामीनारायण मंदिर से जुड़े लोगों की भूमिका और कथित आर्थिक लेन-देन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।



चंपारण्य की पावन धरा पर मोरारी बापू की 'मानस भारत स्वस्तिक यात्रा' का दिव्य आयोजन, जीवन के मूल्यों का दिया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंपारण्य। महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यजी की प्राकट्य भूमि चंपारण्य में पूज्य मोरारी बापू की रामकथा के छठे चरण 'मानस भारत स्वस्तिक यात्रा' का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हो रहा है। ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व रखने वाली इस पावन भूमि पर आयोजित कथा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। पूज्य द्वारकेशलालजी बावा की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। कथा के दौरान रामचरितमानस के प्रसंगों के साथ जीवन, परिवार, संस्कार और गुरु के महत्व पर दिए गए संदेशों ने श्रोताओं को भावविभोर किया। कथा के प्रारंभ में पूज्य मोरारी बापू ने चंपारण्य की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस महान भूमि पर कथा का गायन और श्रवण करने का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत आनंद और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में यह पूरा क्षेत्र चंपा के घने जंगलों से आच्छादित था, इसी कारण इसका नाम चंपारण्य





पड़ा। महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यजी ने भी इसी पावन भूमि को अपनी लीला के लिए चुना था। बापू ने चंपारण्य की तुलना चित्रकूट जैसी आस्थापूर्ण भूमि से करते हुए कहा कि जिस प्रकार चित्रकूट का रामायण परंपरा में विशेष स्थान है, उसी प्रकार चंपारण्य भी आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस भूमि पर पहले भी वैष्णव समाज की ओर से दो भव्य कथा आयोजनों का सफल आयोजन किया जा चुका है। पूज्य बापू ने 'श्री कृष्ण शरणं मम' महामंत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि यह अत्यंत श्रेष्ठ मंत्र है। इसमें 'श्री' का अर्थ कल्याण है। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं कल्याणकारी हैं और स्वस्तिक के समान मंगल का प्रतीक हैं। प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पण और शरणागति मनुष्य के जीवन को कल्याण की दिशा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ईश्वर के प्रति श्रद्धा और समर्पण व्यक्ति को जीवन में सकारात्मकता तथा आध्यात्मिक शांति की ओर ले जाते हैं। कथा के दौरान बापू ने परिवार और गुरु के महत्व को एक सरल लेकिन गहरे जीवन सूत्र के माध्यम से समझाया। उन्होंने कहा, 'मां से आंख, पिता से पंख और गुरुजी से शाख मिलती है।' इस सूत्र की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि मां बच्चे को संसार देखने की दृष्टि और संस्कार देती है।

दाऊद के पुश्तैनी घर मुसाफिरखाने पर बुलडोजर कार्रवाई रुकी, बॉम्बे हाईकोर्ट ने 23 नवंबर तक यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी ठिकाने माने जाने वाले दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार स्थित हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाने को गिराने की कार्रवाई पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश देते हुए 23 नवंबर तक किसी भी तरह की तोड़फोड़ नहीं करने को कहा है। यह आदेश ऐसे समय आया है, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने गुरुवार को ही भारी पुलिस सुरक्षा के बीच इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी थी। यह इमारत भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। इसे दाऊद इब्राहिम और उसके परिवार का पुराना ठिकाना बताया जाता है। बीएमसी की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण की योजना से भी जुड़ी हुई है। हालांकि, यह मामला इसलिए भी संवेदनशील है, क्योंकि संबंधित इमारत मस्जिद का हिस्सा बताई जा रही है। बीएमसी ने कार्रवाई शुरू करने से पहले स्पष्ट किया था कि केवल इमारत के जर्जर हिस्से को हटाया जाएगा और मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा। इसके बावजूद तोड़फोड़ को लेकर विवाद खड़ा हो



गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब 23 नवंबर तक इमारत को लेकर स्थिति यथावत रखनी होगी। हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत वर्ष 1939 में बनाई गई थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में उन इमारतों को शामिल किया जाता है, जिन्हें अत्यधिक खतरनाक मानते हुए खाली कराने और गिराने की आवश्यकता होती है। निगम ने 18 और 19 नवंबर को इमारत को गिराने की योजना बनाई थी। इसके लिए मौके पर बड़ी संख्या में निगम कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। कार्रवाई के दौरान पूरी इमारत को चारों तरफ से नीली टिन की चादरों से ढक दिया गया था, ताकि तोड़फोड़ का क्षेत्र अलग रखा जा सके। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच निगम की टीम ने मशीनों के साथ कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआत में तोड़फोड़ शांतिपूर्ण तरीके से की गई। हालांकि, इसी बीच मामला अदालत पहुंच गया और बॉम्बे हाईकोर्ट ने कार्रवाई पर रोक लगाते हुए 23 नवंबर तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश जारी कर दिया। इस इमारत का नाम दाऊद इब्राहिम के पुराने ठिकाने के रूप में भी चर्चा में रहा है। बताया जाता है कि दाऊद और उसका परिवार 1970 के दशक में इसी इमारत में रहता था। भारत से फरार होने से पहले यह उसके शुरुआती ठिकानों में शामिल थी। दाऊद इब्राहिम का नाम वर्ष 1993 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आया था। इन धमाकों के बाद वह भारत छोड़कर फरार हो गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, उसके पाकिस्तान में होने की बात कही जाती रही है। इमारत को गिराने की कार्रवाई पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने भी प्रतिक्रिया दी।

वडोदरा के सार्वजनिक उद्यानों में असामाजिक गतिविधियों पर प्रशासन सख्त, पुलिस और नगर निगम ने शुरू किया संयुक्त जांच अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के सार्वजनिक उद्यानों में असामाजिक तत्वों की कथित गतिविधियों और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों के बाद पुलिस और नगर निगम प्रशासन ने संयुक्त जांच अभियान शुरू किया है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने प्रमुख उद्यानों में अचानक पहुंचकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों को कार्रवाई की चेतावनी दी। जानकारी के अनुसार, अटल ब्रिज के आसपास, कालाघोड़ा सर्कल, हरणी रोड, समा और अलकापुरी सहित कई क्षेत्रों के उद्यानों में नशे, जुआ खेलने और महिलाओं तथा युवतियों को परेशान करने जैसी शिकायतें सामने आई थीं। इसके कारण शाम के समय परिवारों, बच्चों और बुजुर्गों को उद्यानों में जाने में परेशानी होने की बात कही जा रही थी। नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और नगर निगम की टीमों ने उद्यानों के अलग-अलग हिस्सों में जांच की। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थलों पर कानून व्यवस्था बिगाड़ने या लोगों को परेशान करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद नागरिकों ने राहत जताई है। साथ ही मांग की है कि उद्यानों में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, सीसीटीवी कैमरे चालू रखे जाएं और सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती की जाए। लोगों का कहना है कि अभियान लगातार जारी रहना चाहिए, ताकि सार्वजनिक उद्यान महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों के लिए सुरक्षित बने रहें।



दाहोद में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अचानक किसान के घर पहुंची दस्तक, काफिला रुकवाकर कच्चे रास्ते पर आधा किलोमीटर पैदल चले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दाहोद जिले के दौरे के दौरान एक आदिवासी किसान परिवार से अचानक मुलाकात की। बताया गया कि मुख्यमंत्री का काफिला पीपरगोटा और गरबाड़ा क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उन्होंने रास्ते में एक किसान परिवार को खेत और घर के आसपास काम करते देखा। इसके बाद उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और सुरक्षा व्यवस्था के बीच वाहन से उतरकर कच्चे तथा पथरीले रास्ते पर करीब आधा किलोमीटर पैदल चलकर किसान के घर पहुंच गए। मुख्यमंत्री की इस अप्रत्याशित मुलाकात से किसान परिवार और आसपास के ग्रामीण आश्चर्यचकित रह गए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल दाहोद जिले के ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के दौरे पर थे। इस दौरान वे रतनमहल, बाबादेव मंदिर और गरबाड़ा क्षेत्र की ओर गए। इसी यात्रा के दौरान पीपरगोटा क्षेत्र में उन्होंने एक सामान्य आदिवासी किसान परिवार को देखा। इसके बाद उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के अचानक लिए गए इस फैसले से सुरक्षाकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी भी कुछ समय के लिए चौंक गए। मुख्यमंत्री वाहन से उतरकर बिना किसी औपचारिक कार्यक्रम के किसान के घर की ओर पैदल रवाना हो गए। करीब आधा किलोमीटर तक कच्चे और पथरीले रास्ते पर चलने के बाद मुख्यमंत्री किसान परिवार के घर पहुंचे। राज्य के मुख्यमंत्री को अचानक अपने घर के आंगन में देखकर किसान दंपती और आसपास मौजूद ग्रामीणों को पहले तो विश्वास ही नहीं हुआ। परिवार ने उनका स्वागत किया और मुख्यमंत्री ने भी बिना किसी औपचारिकता के उनके साथ बातचीत शुरू कर दी। बताया गया कि मुख्यमंत्री किसान परिवार के साथ खाट पर बैठकर काफी देर तक सहज वातावरण में बातचीत करते रहे। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने किसान परिवार के रहन-सहन, घर की स्थिति और खेती से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली।



चक्रवात अकवान ने बदली दिशा, अब आंध्र प्रदेश-ओडिशा के बीच टकराने की आशंका; 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, 80 हजार लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान अकवान ने अपना रास्ता बदल लिया है। पहले इसके आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन अब इसके आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच तट से टकराने की आशंका जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तूफान शुक्रवार दोपहर तट के करीब पहुंच सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है। चक्रवात के खतरे को देखते हुए ओडिशा में करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। छह जिलों में 19 से 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। बचाव और राहत कार्यों के लिए 74 टीमें तैनात की गई हैं। तूफान के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। समुद्र में तेज हवाओं और ऊंची लहरों के कारण तटीय क्षेत्रों में खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की है। नौसेना और अन्य बचाव एजेंसियां भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों में जुटी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात का असर केवल तटीय राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के करीब 10 राज्यों में बारिश, तेज हवाओं और मौसम में बदलाव की संभावना है। पहले मौसम विभाग के अनुमानों में तूफान के आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना जताई गई थी। लेकिन गुरुवार को इसके मार्ग में बदलाव के संकेत मिले और अब आंध्र प्रदेश के नरसापुर तथा ओडिशा के पुरी के बीच इसके तट से टकराने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, तूफान के सटीक स्थान और समय को लेकर मौसम विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। शुरुआती खबरों में गुरुवार को ही इसके तट से टकराने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन बाद में संभावित समय शुक्रवार कर दिया गया। आंध्र प्रदेश में तूफान का सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने 19 और 20 नवंबर को तटीय इलाकों में भारी से बेहद भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जबकि तेज झोंकों के दौरान इसकी गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की आशंका है। तटीय जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। राज्य में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 13 और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की 11 टीमें तैनात की गई हैं। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। किसानों को भी अपनी फसलों को सुरक्षित रखने और मौसम की स्थिति को देखते हुए जरूरी सावधानियां बरतने को कहा गया है। ओडिशा में 18 से 21 नवंबर के बीच भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी सहित कई जिलों में तूफान का ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। निचले इलाकों में जलभराव और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका जताई गई है। राज्य सरकार ने आठ जिलों में 2.04 लाख से अधिक लोगों की पहचान की है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इनमें से करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा चुका है। राहत केंद्र तैयार किए गए हैं और बचाव दलों को तैनात किया गया है। हरभंगी और बदनाला बांधों से पानी छोड़े जाने की जानकारी भी सामने आई है। समुद्र में 14 मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठने की आशंका के चलते तटीय इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। तमिलनाडु के उत्तरी हिस्सों में 18 और 19 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में जलभराव की आशंका है। इस दौरान हवा की गति 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। पुडुचेरी और कराईकल में भी 18 से 20 नवंबर के बीच भारी बारिश और तेज हवाओं का अनुमान है। प्रशासन को समुद्र की स्थिति और तटीय क्षेत्रों में होने वाले बदलावों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। तेलंगाना में 20 और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है।







printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.